बालाघाट
गुरुवार 22 अक्टूबर 2026
अश्विन शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 31
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स	–	73,709.69
निफ्टी	–	22,811.35
सोना	–	1,54,467
चांदी	–	2,30,000
डॉलर	–	94.39

खास खबर

घुसपैठ की कोशिश कर रहे पांच बांग्लादेशी गिरफ्तार

सिलीगुड़ी। पूर्वोत्तर के रास्ते भारत में प्रवेश और ट्रेन पकड़कर दूसरे राज्यों तक पहुंचने की कोशिश का मामला एक बार फिर सामने आया है। हैदराबाद जाने की फिराक में पहुंचे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है। इनमें दो पुरुष, दो महिलाएं और एक नाबालिग शामिल हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बिना वैध पासपोर्ट और वीजा के भारत में प्रवेश करने की बात स्वीकार की है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि सीमा पार कराने से लेकर हैदराबाद पहुंचाने तक किसी दलाल या संगठित नेटवर्क की भूमिका तो नहीं है। गुप्त सूचना के आधार पर ट्रेन के सामान्य डिब्बे में तलाशी ली गई। इसी दौरान संदेह के आधार पर पांचों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जांच में उनके बांग्लादेशी नागरिक होने और भारत में प्रवेश से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं होने की बात सामने आई।

तीन लोगों की हत्या मामले में 3 गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में सुनरोक पहाड़ी पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हमले में 19 अक्टूबर को 3 लोगों की मौत हो गई थी और 3 घायल हुए थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 12 हथियार, 1,095 कारतूस और विस्फोटक बरामद किए हैं। राज्य के एडीजीपी ल्हारी दोरजी खाद्दू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस यह जानकारी दी। हमले के विरोध में नेटिव पीपल्स कमेटी मणिपुर ने सोमवार आधी रात से 48 घंटे का बंद बुलाया है। समिति ने हमले के जिम्मेदार सशस्त्र समूहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बंद के कारण पूरे मणिपुर में जनजीवन प्रभावित हुआ है। वहीं, घटना से नाराज लोगों ने इम्फाल में मुख्यमंत्री के आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया था। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े थे।

मप्र में तीन आईएएस अधिकारियों का तबादला

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा फेरबदल करते हुए तीन वरिष्ठ आईएएस (ब्रूस) अधिकारियों के तबादले आदेश जारी किए हैं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग में हुए इस फेरबदल के तहत रामप्रसाद अहिरवार को नगर निगम आयुक्त भोपाल नियुक्त किए जाने के बाद, उनसे वरिष्ठ अधिकारी अक्षय कुमार तेम्हवाल को अपर आयुक्त नगर निगम से हटाकर अपर आयुक्त नगरीय विकास एवं आवास बनाया गया है। वहीं, 2020 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक सराफ को भोपाल नगर निगम के अपर आयुक्त पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा, 2021 बैच के आईएएस अधिकारी सुमित कुमार पाण्डेय को स्मार्ट सिटी भोपाल का सीईओ नियुक्त किया गया है, साथ ही उन्हें नगर निगम भोपाल के अपर आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

आशुतोष रांका और सौरव दास तिहाड़ जेल से आए बाहर

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को बुधवार रात को तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की न्यायिक हिरासत तीन दिन और बढ़ाने की मांग को अस्वीकार कर दिया। जिसके बाद कोर्ट ने दोनों नेताओं को जमानत दे दी है। दोनों को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के समक्ष पेश किया गया था।



जंतर-मंतर पर अवैध प्रवेश पर पुलिस ने गिरफ्तार किया

दोनों नेता जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के मामले में हिरासत में हैं। आरोप है कि प्रतिबंध लागू होने के बावजूद वे बंद गेट पार कर जंतर-मंतर परिसर में दाखिल हुए थे। वहां सीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने तिरंगा लहराया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया था। 13 अक्टूबर को उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।

पांच दिन की न्यायिक हिरासत में कोर्ट ने भेजा

जानकारी के अनुसार, सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को दिल्ली की स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसईएम) अदालत ने पांच दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजते हुए तिहाड़ जेल भेजने के आदेश दिए हैं। इन दोनों नेताओं पर पहले से तय बेल बॉन्ड की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। वहीं दूसरी ओर, इसी मामले में शामिल तीसरे नेता अजिंक्य शिंदे को राहत देते हुए अदालत ने उनसे नया बेल बॉन्ड भरवाकर प्रक्रिया पूरी की है।

तिरंगा लेकर जंतर-मंतर पहुंचे थे प्रदर्शनकारी

जंतर-मंतर को प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों की सूची से हटाए जाने के बाद भी सीजेपी के नेताओं ने वहां विरोध प्रदर्शन किया। रांका, दास और पार्टी के अन्य कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पार कर अंदर पहुंचे और तिरंगा लहराते हुए नारेबाजी की। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस की कार्रवाई ऐसे समय हुई, जब सीजेपी और विपक्षी दल मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग का विरोध कर रहे हैं।

रिहाई पर रत्ना सिंह ने जताई खुशी

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने बताया कि देरी के बाद आखिरकार उनके नेता सौरव दास और आशुतोष रांका रिहा हो गए हैं। उन्होंने इस फैसले का स्वागत किया और खुशी जताई। रत्ना सिंह ने कहा कि सीजेपी के तौर पर उन्हें यह आवश्यक लगा। उन्होंने बताया कि उन्हें अभी आदेश की प्रति नहीं मिली है, लेकिन जल्द ही मिलने की उम्मीद है। रत्ना सिंह ने उच्च न्यायालय की मौखिक टिप्पणियों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि सौरव दास 27 वर्ष के हैं और आशुतोष भी जेन-जी के करीब हैं। सीजेपी युवाओं के मुद्दों से जुड़ाव महसूस करती है। दो दिन पहले सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत दो दिन और बढ़ा दी गई थी। सोमवार को दोनों को मंदिर मार्ग थाने में नवनियुक्त विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। पुलिस ने उनकी हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिस पर मजिस्ट्रेट ने दोनों को दो दिन और जेल में रखने का आदेश दिया।

अभिजीत दिपके ने पुलिस के एक्शन पर उठाए थे सवाल

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने अपने नेताओं के खिलाफ कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या अब राष्ट्रीय ध्वज फहराना भी गैरकानूनी हो गया है? उन्होंने कहा कि आशु और सौरव को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनकी गलती? जंतर-मंतर पर तिरंगा फहराना। थोड़ी हिम्मत दिखाइए, नरेंद्र मोदी। अगर आप विरोध की आवाज को दबाने के लिए इतने ही पक्के इरादे वाले हैं, तो इन कायरतापूर्ण तरीकों की आड़ लेने के बजाय आधिकारिक तौर पर आपातकाल घोषित करने की हिम्मत दिखाइए।

तिरंगा लहराने पर जेल भेजा- अजिंक्य शिंदे

सीजेपी नेता अजिंक्य शिंदे ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराने और 'भारत माता की जय' के नारे लगाने के कारण अशुतोष रांका और सौरव दास को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि आज अशुतोष का जन्मदिन है और इसी दिन उन्हें जेल भेजा गया। शिंदे ने मोदी-शाह सरकार पर अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जेल भेजकर नेताओं को डराने की कोशिश सफल नहीं होगी और वे सिर ऊंचा करके जेल जा रहे हैं।

क्यों हो रहा है विरोध?

सीजेपी और विपक्षी दलों का आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इसी को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। चुनाव आयोग ने पक्षपात के आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि जिन मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटे हैं, वे दोबारा नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। सीजेपी की मांग है कि एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर जवाबदेही तय हो और मुख्य चुनाव आयुक्त अपने पद से इस्तीफा दें।

पीएम की विदेश यात्रा संबंधी रिकॉर्ड नहीं होंगे सार्वजनिक

-राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत सुरक्षा का हवाला, सूचना आयोग का रिकॉर्ड जारी करने का आदेश रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं से संबंधित भारतीय वायुसेना के उड़ान रिकॉर्ड सार्वजनिक करने के केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के आदेश को रद्द कर दिया है। अदालत ने राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत सुरक्षा से जुड़े जोखिमों को ध्यान में रखते हुए वायुसेना के सूचना देने से इनकार करने के फैसले को सही ठहराया।

न्यायमूर्ति अमित महाजन ने अपने एक फैसले में कहा, कि ऐसे रिकॉर्ड में संवेदनशील जानकारियां हो सकती हैं, जिनके सार्वजनिक होने से सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। मामला पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं से संबंधित रिकॉर्ड मांगे जाने से जुड़ा था। दरअसल सेवानिवृत्त कमोडोर लोकेश के. बत्रा ने जून 2018 में सूचना का अधिकार (आरटीआई) आवेदन दाखिल कर अप्रैल 2013 के बाद प्रधानमंत्री की भारतीय वायुसेना के विमानों से हुई विदेश यात्राओं के रिकॉर्ड मांगे थे। उनका उद्देश्य इन यात्राओं में शामिल गैर-सरकारी व्यक्तियों पर हुए सार्वजनिक खर्च की जानकारी प्राप्त करना था। भारतीय वायुसेना ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों का हवाला देते हुए सूचना देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद मामला केंद्रीय सूचना आयोग के पास पहुंचा। आयोग ने संवेदनशील जानकारियां हटाकर रिकॉर्ड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। वायुसेना ने इस आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी।

नाम हटाने से भी सुरक्षा जोखिम खत्म नहीं

सुनवाई के दौरान वायुसेना की ओर से दलील दी गई कि उड़ान रिकॉर्ड में यात्रियों, विमान के कर्मचारियों और विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) के कर्मियों से संबंधित संवेदनशील विवरण हो सकते हैं। एजेंसी के अनुसार, केवल नाम हटाने से जानकारी पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाती। दूसरी सार्वजनिक जानकारियों के साथ मिलान करने पर भी यात्रा कार्यक्रम और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े विवरण सामने आ सकते हैं। हाईकोर्ट ने वायुसेना की इस दलील को स्वीकार करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मामलों में सक्षम एजेंसियों के सुरक्षा आकलन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत के अनुसार, केवल इस आधार पर कि यात्रा में सार्वजनिक धन खर्च हुआ है, ऐसी जानकारी जारी करना उचित नहीं होगा, यदि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा या प्रधानमंत्री की सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-1 लागू

हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंची

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का चरण एक लागू किया। यह निर्णय क्षेत्र में वायु गुणवत्ता के खराब श्रेणी में आने के कारण लिया गया है।

आमतौर पर ग्रैप-1 तब लागू किया जाता है, जब शहर का एक्यूआई 200 के पार पहुंच जाता है। बुधवार को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के डाटा के अनुसार, दोपहर 3 बजे तक दिल्ली का एक्यूआई 244 दर्ज किया गया। ग्रैप-1 लागू होने के बाद होटलों और रेस्तरां में कोयले और लकड़ी के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा पेट्रोल के पुराने और डीजल वाहनों के संचालन पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। साथ ही निर्माण और विध्वंस (सीएंडडी) गतिविधियों में धूल शमन उपायों और सीएंडडी कचरे के ठोस



पर्यावरण प्रबंधन पर निर्देशों का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। इसमें 500 वर्ग मीटर के बराबर या उससे अधिक के भूखंड आकार वाली ऐसी परियोजनाओं के संबंध में सीएंडडी गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी, जो संबंधित के वेबपोर्टल पर पंजीकृत नहीं हैं। डंप स्थलों से नगर पालिका ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू), निर्माण और विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट और खतरनाक कचरे का नियमित उठाव सुनिश्चित करना होगा। कोई भी कचरा अवैध रूप से खुले क्षेत्रों में डंप नहीं किया जाएगा। वहीं, सड़कों पर समय-समय पर मशीन से सफाई और पानी का छिड़काव करना होगा। सीएंडडी सामग्री और अपशिष्ट को परिसर में उचित रूप से कवर किया जाएगा। वाहनों के लिए पीयूसी मानदंडों की कड़ी निगरानी करनी होगी। डीजल जनरेटर सेट का उपयोग बिजली आपूर्ति के नियमित स्रोत के रूप में नहीं किया जा सकता है।

केरल के पूर्व सीएम विजयन के खिलाफ जांच पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, उनकी बेटी वीणा और दामाद मोहम्मद रियास को कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल फ्लिमटेड (सीएमआरएल)-एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस से जुड़े कथित रिश्वत मामले में बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने मामले में चल रही जांच पर एक हफ्ते के लिए अंतरिम रोक लगा दी है।

यह रोक पूर्व सीएम विजयन को केरल हाईकोर्ट की सिंगल-जज बेंच के एफआईआर दर्ज करने के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में अपील दायर करने का मौका प्रदान करने के उद्देश्य से लगाई है। हाईकोर्ट के सिंगल जज ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की सिफारिशों के आधार पर पूर्व सीएम विजयन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने सुनवाई के दौरान केरल हाईकोर्ट की जल्दबाजी पर सवाल उठा दिए। शीर्ष अदालत की बेंच ने टिप्पणी की कि दूसरे पक्ष को सुने बिना एफआईआर दर्ज करने का आदेश देना उचित नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही इस मामले में शुरुआती जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है, इसलिए हाईकोर्ट को इतनी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए थी।

यह मामला सीएमआरएल और विजयन की बेटी वीणा की कंपनी एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुए वित्तीय लेन-देन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। ईडी का आरोप है कि सीएमआरएल कंपनी ने वीणा की बंद हो चुकी कंपनी को आईटी परामर्श सेवाओं की आड़ में 2.78 करोड़ रुपए का अवैध या फर्जी भुगतान किया था।

एसबीआई पर साइबर हमला

हजारों ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक

मुंबई। भारत के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), ने पुष्टि की है कि एक साइबर हमले के कारण उसके हजारों ग्राहकों का निजी डेटा डार्क वेब पर लीक हुआ है। एसबीआई बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उन्हें संदेह है कि 3,897 ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान से जुड़ी जानकारी (पीआईएफ) चोरी हुई है। लीक हुई जानकारी में ग्राहकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, नाम, लिंग, ईमेल पता और घर का पता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, ब्रांच और कस्टमर इंफॉर्मेशन फाइल के आइडेंटिफायर, लीड आईडी, और लोन व लीड रिकॉर्ड्स से जुड़े मेटाडेटा भी प्रभावित हुए हैं। एसबीआई को डेटा लीक के बारे में पहली जानकारी 16 अक्टूबर को थ्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) से मिली थी। डार्क वेब पर मिले रिकॉर्ड्स की शुरुआती जांच में 3,897 इसतरह के ग्राहकों का डेटा सामने आया, जिसमें उनकी संवेदनशील निजी जानकारी शामिल थी।

हालांकि, एसबीआई ने आश्वस्त किया है कि इस घटना का बैंक के मुख्य कामकाज, वित्तीय प्रदर्शन या व्यावसायिक निरंतरता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। बैंक के कोर ऑपरेशन बिना किसी रुकावट के सामान्य रूप से चल रहे हैं।

बैंक ने तुरंत अपने साइबर इंसिडेंट रिस्पॉन्स और बचाव प्रोटोकॉल को सक्रिय किया है। एसबीआई ने कहा कि वह लीक हुए डेटा की सत्यता और पूर्णता की जांच करने, इसके स्रोत का पता लगाने, डेटा लीक के दायरे को समझने और ग्राहकों व बैंक के लिए जोखिमों का आकलन करने के लिए विस्तृत जांच कर रहा है। सबसे पहले 19 अक्टूबर को इस संभावित डेटा लीक की रिपोर्ट दी थी। एसबीआई स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और 3,897 ग्राहकों के डेटा से जुड़े मामले की जांच जारी है। बैंक ने कहा है कि इस दौरान नियमों के अनुसार उचित कदम उठाए जाएंगे।

कुछ ना कहना



सीएम मान को दिल्ली एयरपोर्ट पर 3 घंटे रोका,50,000 का चालान काटा

आम आदमी पार्टी बोली- केंद्र का अहंकार टूटना चाहिए

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दावा किया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को दिल्ली एयरपोर्ट पर तीन घंटे रोका गया। आप के मुताबिक, पेरिस से लौटने के बाद अधिकारियों ने मान का 50 हजार रुपए का चालान भी काटा। अधिकारियों ने इसके पीछे ऊपर से बहुत दबाव होने की बात कही।

दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जैसे दशहरे पर रावण का घमंड खत्म हुआ था, वैसे ही केंद्र सरकार का अहंकार टूटना चाहिए। मान पेरिस में 17 से 21 अक्टूबर तक चल रहे अंतरराष्ट्रीय फूड ट्रेड एग्जीबिशन एसआईएएल पेरिस 2026 में शामिल हुए थे। केंद्र के फैसले के खिलाफ मान को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने फ्रांस दौरे की परमिशन दी थी।



सामान लोड होने के बाद काटा चालान

पंजाब आप के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने इस घटना को केंद्र की ओर से मान की विदेश यात्राओं की अनुमति बार-बार रोकने से जोड़ा। उन्होंने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि अधिकारियों ने शुरू में सामान आने या जांच में देरी का हवाला दिया। जब मुख्यमंत्री मान का सामान उनकी गाड़ी में लोड होने वाला था और वे जाने वाले थे, तभी अधिकारियों ने यह कहते हुए चालान जारी कर दिया कि वे ऊपर से भारी दबाव में हैं।

मान को पेरिस में प्रोटोकॉल नहीं मिला

आप नेता बलतेज पन्नू ने केंद्र सरकार पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मान पंजाब के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ावा देने के लिए पेरिस में आयोजित एसआईएएल फूड ट्रेड एग्जिबिशन में शामिल हुए थे। पन्नू के मुताबिक, हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद पेरिस में भारतीय कांउसल जनरल मान से मिलने नहीं आए। भारत के विदेश मंत्रालय ने भगवंत मान को कट्टरपंथी गुटों के खतरे का हवाला देते हुए फ्रांस दौरे की इजाजत नहीं दी थी। पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर केंद्र के फैसले को चुनौती दी। तर्क दिया कि दौरा राजनीतिक नहीं, बल्कि राज्य के व्यावसायिक और कृषि हितों को बढ़ाने के लिए है। पंजाब हाईकोर्ट ने 16 अक्टूबर को मान को फ्रांस जाने की अनुमति दे दी।

आंध्र निकाय चुनाव : अंतिम सूची के प्रकाशन पर 25 अक्टूबर तक रोक

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश में शहरी निकाय चुनावों के दौरान नामांकन प्रक्रिया में कथित धांधली और हिंसा के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश दिया है। बुधवार, 21 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि प्रत्याशियों की अंतिम सूची का प्रकाशन 25 अक्टूबर तक नहीं किया जाए। अदालत ने सुरक्षा संबंधी शिकायतों पर समयबद्ध निर्णय लेने और प्रभावित प्रत्याशियों को नामांकन के लिए अतिरिक्त समय देने का भी निर्देश दिया।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि विपक्षी उम्मीदवारों को हिंसा और दबाव के जरिए नामांकन दाखिल करने से रोका गया है। पार्टी ने आशंका जताई कि यदि अंतिम सूची प्रकाशित कर दी गई, तो करीब 63 प्रतिशत प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जाएगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि जिन राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों ने नामांकन के दौरान सुरक्षा संबंधी शिकायतें या ज्ञापन सौंपे हैं, उन पर गुरुवार शाम तक निर्णय लिया जाए। अदालत ने कहा कि निर्णय प्रकाशित होने के बाद संबंधित प्रत्याशियों को नामांकन दाखिल करने के लिए 48 घंटे का समय दिया जाए। शीर्ष अदालत ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया कि सभी नामांकन केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था रहे, ताकि प्रत्याशी बिना किसी बाधा के नामांकन दाखिल कर सकें।

वाईएसआरसीपी के राज्य महासचिव एल. अप्पी रेड्डी ने राज्य चुनाव आयुक्त से स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी के उम्मीदवारों को निशाना बनाकर कथित तौर पर की जा रही हिंसा में हस्तक्षेप करने की मांग की थी। उन्होंने पीड़ितों को न्याय दिलाने और घटनाओं के लिए जिम्मेदार बताए जा रहे तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

रट्टा में चला प्रशासन का बुलडोजर, 5 एकड़ सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त

25 लाख रुपये से अधिक आंकी गई भूमि पर वर्षों से था कब्जा, नोटिस के बाद भी नहीं हटाया गया अतिक्रमण जेसीबी से शाम तक चली कार्रवाई, गांव में पुलिस बल तैनात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत रट्टा में शासकीय भूमि पर वर्षों से चले आ रहे अतिक्रमण के मामले में बुधवार, 21 अक्टूबर को राजस्व विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जेसीबी से करीब 5 एकड़ सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई दोपहर करीब 2 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे तक चली। मुक्त कराई गई भूमि की कीमत 20- 25 लाख रुपये से अधिक आंकी जा रही है। प्रशासन की इस कार्रवाई से लंबे समय से अतिक्रमण हटाने की मांग कर रहे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।



नोटिस के बाद भी नहीं हटाया कब्जा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालाघाट तहसील के पटवारी हल्का नंबर 17/42 अंतर्गत ग्राम रट्टा निवासी रोमनलाल एवं जियालाल दमाहे द्वारा बड़े झाड़ के जंगल और आबादी मद की शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर खेती किए जाने की शिकायतें सामने आई थीं। ग्रामीणों और ग्राम पंचायत की शिकायत पर तहसील न्यायालय में प्रकरण दर्ज किया गया। संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद कब्जा नहीं हटाए जाने पर प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर बेदखली की कार्रवाई की। इस दौरान प्रकरण में अधिरोपित 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी जमा कराया गया।

राजस्व-पुलिस की मौजूदगी में हुई कार्रवाई

मंगलवार दोपहर नायब तहसीलदार मंजुला मोहबिया, राजस्व निरीक्षक हितेंद्र सिंह मर्सकोले तथा हट्टा थाना प्रभारी भूपेंद्र पन्द्रो सहित राजस्व और पुलिस विभाग का अमला रट्टा पहुंचा। जेसीबी मशीन की मदद से दो अलग-अलग स्थानों पर स्थित शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया गया। कार्रवाई के दौरान ग्राम पंचायत सरपंच रवि कुमरे, उपसरपंच जितेंद्र राणा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। गांव में पूर्व में हुए विवाद को देखते हुए पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई की गई।

28 सितंबर के विवाद के बाद मामला फिर चर्चा में

गौरतलब है कि रट्टा गांव में 28 सितंबर को मारपीट की घटना के बाद तनाव की स्थिति निर्मित हुई थी। ग्रामीणों के अनुसार, इस विवाद में सरपंच सहित 10 से अधिक लोग घायल हुए थे। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने सहित अन्य शिकायतों पर कार्रवाई की मांग की थी। अब राजस्व विभाग की बेदखली कार्रवाई के बाद सरकारी जमीन को कब्जे से मुक्त कराया गया है। हालांकि, ग्रामीणों ने अन्य भूमि पर भी कथित कब्जों की जांच कर कार्रवाई करने की मांग उठाई है।

पुनः अतिक्रमण किया तो होगी आगे की कार्रवाई- मोहबिया

नायब तहसीलदार मंजुला मोहबिया ने बताया कि रोमनलाल एवं जियालाल द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किए जाने के संबंध में दोनों को नोटिस जारी किए गए थे। मंगलवार को बड़े झाड़ के जंगल और आबादी मद की करीब 5 एकड़ भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। यदि बेदखली के बाद दोबारा अतिक्रमण किया जाता है, तो नियमानुसार कार्रवाई करते हुए प्रकरण एसडीएम न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

ग्रामीणों में खुशी का माहौल है-सरपंच

ग्राम पंचायत सरपंच रवि कुमरे और उपसरपंच जितेंद्र राणा ने बताया कि पंचायत एवं ग्रामीणों की ओर से शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत जिला प्रशासन से की गई थी। लंबे समय से कार्रवाई की मांग की जा रही थी। प्रशासन की टीम द्वारा अतिक्रमण हटाए जाने से ग्रामीणों को राहत मिली है। उन्होंने अन्य कथित कब्जों की भी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की।

कलेक्टर-एसपी ने थोक पटाखा विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का किया आकस्मिक निरीक्षण

पटाखा दुकानों में सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा, लाइसेंस की शर्तों का पालन करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली पर्व के मद्देनजर पटाखों के भंडारण एवं विक्रय के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री आदित्य सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा ने बुधवार, 21 अक्टूबर को बालाघाट के बैहर बायपास रोड स्थित थोक पटाखा विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने दुकानों में उपलब्ध सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया तथा पटाखों के सुरक्षित भंडारण और अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर आदित्य सिंह एवं पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बैहर बायपास रोड स्थित पटाखा एंड पटाखा तथा विजय वाधवानी की पटाखा दुकान का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों प्रतिष्ठानों के लाइसेंस की वैधता और लाइसेंस में निर्धारित शर्तों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। अधिकारियों ने



दुकानों में उपलब्ध पटाखों के स्टॉक, भंडारण क्षमता तथा निर्धारित क्षमता के अनुरूप पटाखों के भंडारण की अनुमति से संबंधित जानकारी भी ली। इसके साथ ही, अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए लगाए गए फायर सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता और उनकी कार्यशील स्थिति की जांच की गई, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सुरक्षा उपाय किए जा सकें।

अग्नि सुरक्षा उपकरण पर्याप्त मात्रा में रखने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने पटाखा दुकानों के संचालकों को निर्देशित किया कि वे अपने प्रतिष्ठानों में लाइसेंस की सभी शर्तों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पटाखों के भंडारण एवं विक्रय के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी नहीं की जाए और अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक इंतजाम हमेशा तैयार रखें। कलेक्टर ने दुकानों में रेत से भरी बाल्टियां, पानी तथा अग्निशामक यंत्र पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी अग्नि सुरक्षा उपकरण हर समय कार्यशील स्थिति में होने चाहिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका तत्काल उपयोग किया जा सके। साथ ही, अग्निशामक यंत्रों की वैधता एवं क्रियाशीलता की तिथि पर विशेष ध्यान देने के लिए भी कहा गया।

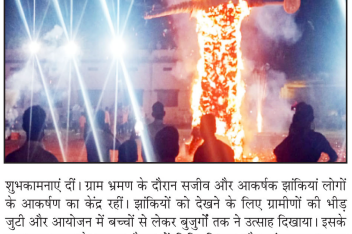
नियमित अंतराल पर फायर सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश

कलेक्टर श्री सिंह ने दोनों पटाखा दुकान संचालकों को निर्देश दिए कि वे नियमित अंतराल पर थर्ड पार्टी के माध्यम से फायर सेफ्टी ऑडिट कराएं। इससे प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का आकलन किया जा सकेगा और आवश्यक कमियों को समय रहते दूर किया जा सकेगा। उन्होंने पटाखों के भंडारण और विक्रय के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी संभावित अग्नि दुर्घटना को रोकने के लिए निर्धारित सुरक्षा उपायों का गंभीरता से पालन करने पर जोर दिया। पटाखा विक्रय प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक सिर्सा, एसडीएम श्री गोपाल सोनी एवं तहसीलदार सुश्री छवि पंत भी उपस्थित थीं। अधिकारियों ने पटाखा दुकानों में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देशों के पालन पर जोर दिया।

ग्राम खारा में धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व

आकर्षक झांकियों के साथ किया गया ग्राम भ्रमण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विजयादशमी के पावन पर्व पर किरनापुर मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम खारा में दशहरा उत्सव हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति खारा की ओर से आकर्षक झांकियों का आयोजन किया गया। झांकियों के साथ गांव में भ्रमण किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। पूरे आयोजन के दौरान गांव में उत्सवी माहौल बना रहा और लोगों ने एक-दूसरे को दशहरा पर्व की



शुभकामनाएं दीं। ग्राम भ्रमण के दौरान सजीव और आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। झांकियों को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुटी और आयोजन में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने उत्साह दिखाया। इसके बाद ग्राम खारा के दशहरा मैदान में विधि-विधान और परंपरानुसार रावण दहन किया गया। रावण के पुतले के दहन के साथ ही उपस्थित लोगों ने असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश ग्रहण किया। इस दौरान दशहरा मैदान में उत्साह का माहौल देखने को मिला। भारतीय संस्कृति में विजयादशमी का पर्व अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक माना जाता है। ग्राम खारा में आयोजित दशहरा उत्सव ने इसी सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के आयोजन में ग्रामवासियों की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे पर्व उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

88 वर्षों से हॉकी को संवार रहा नेहरू स्पोर्टिंग क्लब, विजयादशमी पर मनाया स्थापना दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विजयादशमी के पावन अवसर पर 20 अक्टूबर को नेहरू स्पोर्टिंग क्लब का 88वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। शहीद चंद्रशेखर हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान में आयोजित कार्यक्रम में खेलप्रेमियों, जनप्रतिनिधियों और हॉकी से जुड़े लोगों ने सहभागिता कर क्लब की गौरवशाली खेल परंपरा को याद किया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, सांसद श्रीमती भारती पारधी, भाजपा नेत्री श्रीमती मौसम हरिनखेड़े, क्लब अध्यक्ष किरणभाई त्रिवेदी, कबड्डी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश पाठक, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल धुवारे, विजय वर्मा, पूरन सिंह भाटिया, कमलजीत छाबड़ा, रमेश दीक्षित, यूनुस खान और परेश बाफना सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। अतिथियों ने मैदान में हॉकी की पूजा-अर्चना कर विजयादशमी पर्व और क्लब के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। आयोजन के माध्यम से खेल के प्रति समर्पण, अनुशासन और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की भावना को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने कहा कि नेहरू स्पोर्टिंग क्लब लंबे समय से हॉकी खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि बालाघाट जिले के खिलाड़ी प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हॉकी के लिए एस्ट्रोटर्फ मैदान तैयार कराने के उद्देश्य से अनेक लोगों ने प्रयास किए, जिसका लाभ आज जिले के खिलाड़ियों को मिल रहा है। अब खिलाड़ी आधुनिक टर्फ मैदान



पर अभ्यास कर अपनी प्रतिभा को निखार सकते हैं। बिसेन ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने सभी को विजयादशमी और क्लब के 88वें स्थापना दिवस की बधाई दी। वहीं, नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरणभाई त्रिवेदी ने कहा कि एस्ट्रोटर्फ मैदान बनने से युवाओं में हॉकी के प्रति आकर्षण बढ़ा है। क्लब का उद्देश्य जिले के बच्चों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बालाघाट को नई पहचान दिला सकें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अखिल भारतीय स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट को और भव्य बनाने तथा इसमें देश की नामी टीमों को आमंत्रित करने के प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर हॉकी मध्य प्रदेश के उपाध्यक्ष विजय वर्मा ने घोषणा की कि जनवरी माह में अखिल भारतीय स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष से यह प्रतियोगिता स्वर्गीय नारायण सिंह एवं स्वर्गीय रमणीक लाल त्रिवेदी स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट के नाम से आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के माध्यम से जिले में हॉकी गतिविधियों को प्रोत्साहन देने और खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय मुकाबलों का अनुभव दिलाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में बृजेश मिश्रा, फिरोज खान, अरविंद जायसवाल, सुनील गांधी, अशोक मोदी, संदीप नेवारे, अखिलेश चौरे, संजय शुक्ला, समीर चौधरी सहित हॉकी से जुड़े अनेक खेलप्रेमी और गणमान्यजन मौजूद रहे। नेहरू स्पोर्टिंग क्लब का 88वां स्थापना दिवस न केवल क्लब की लंबी खेल यात्रा का उत्सव बना, बल्कि जिले में हॉकी की संभावनाओं को मजबूत करने और नई पीढ़ी को खेल से जोड़ने के संकल्प के रूप में भी सामने आया।

पुलिस लाईन बालाघाट में मनाया गया पुलिस स्मृति दिवस

शहीदों के परिजनों का किया गया सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले पुलिस जवानों की स्मृति में बुधवार, 21 अक्टूबर को पुलिस लाइन बालाघाट में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित शहीद श्रद्धांजलि समारोह में शहीद जवानों को नमन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। साथ ही शहीदों के परिजनों का शॉल और श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान माहौल भावुक और गरिमामय रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ परेड की सलामी के साथ हुआ। इसके बाद 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक देशभर में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए 154 जवानों के नामों का वाचन किया गया। सूची के वाचन के पश्चात उपस्थित पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और शहीद जवानों के परिजनों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान देश की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले जवानों के साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को याद किया गया। समारोह के अगले चरण में पुलिस अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने शहीद जवानों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। पुलिस बैंड ने देशभक्ति गीतों की भावनात्मक प्रस्तुतियां दीं, जिससे कार्यक्रम में उपस्थित लोगों की आंखें नम हो गईं। औपचारिक कार्यक्रम के समापन के बाद पुलिस अधिकारियों ने शहीदों के परिजनों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनसे चर्चा कर उनके प्रति सम्मान एवं संवेदना व्यक्त की। पुलिस स्मृति दिवस उन जवानों के त्याग और समर्पण को याद करने का अवसर है, जिन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए देश और समाज की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। बालाघाट पुलिस लाइन में आयोजित इस समारोह के माध्यम से शहीदों के योगदान को नमन किया गया और उनके परिवारों के प्रति सम्मान प्रकट किया गया।





गर्रा में 25 अक्टूबर से नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आदर्श ग्राम गर्रा के शिव नगर में 25 अक्टूबर से नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। त्रिवेदी पेट्रोल पंप के समीप आयोजित होने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान में भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र, आदर्शों और मर्यादा से जुड़े प्रसंगों का संगीतमय वर्णन होगा। भागवत आचार्य पंडित गजेंद्र मिश्रा श्रीधाम बालाघाट के मुखारविंद से श्रद्धालु श्रीराम कथा का श्रवण करेंगे। नौ दिनों तक चलने वाले इस आयोजन का शुभारंभ 25 अक्टूबर को सुबह 10 बजे कलश यात्रा के साथ होगा। इसके पश्चात ग्राम देवता पूजन, वेद पूजन और श्रीराम कथा महात्म्य का वर्णन किया जाएगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक तथा रात्रि 7 बजे से 11 बजे तक आयोजित होगी। कथा के दौरान शिव-सती चरित्र, शिव-पार्वती विवाह, श्रीराम जन्मोत्सव, गुरु दीक्षा, अहिल्या उद्धार, ताड़का वध, सीता स्वयंवर, शिव धनुष भंग और सीताराम विवाह जैसे महत्वपूर्ण प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इसके साथ ही श्रीराम वनवास, केवट प्रसंग, चित्रकूट निवास, श्रीराम-भरत मिलन, माता सीता हरण, जटायु प्रसंग और माता शबरी की नवधा भक्ति की कथा भी सुनाई जाएगी। वहीं श्रीराम-सुग्रीव मित्रता, सुंदरकांड और राम-रावण महासंग्राम के प्रसंगों के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, त्याग, भक्ति और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया जाएगा। नौ दिवसीय श्रीराम कथा का समापन 2 नवंबर को होगा। इस अवसर पर यज्ञ पूर्णाहुति के साथ महाप्रसाद भंडारा एवं नगर भोज का आयोजन किया जाएगा। आदर्श ग्राम गर्रा के सामूहिक सहयोग से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। आयोजकों ने क्षेत्र के धर्मप्रेमी नागरिकों, श्रद्धालुओं और आसपास के ग्रामवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रीराम कथा का श्रवण करने तथा धार्मिक आयोजन में सहभागी बनकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक 7981/ अति.कले. / वि.पंजी /2026-27 बालाघाट दिनांक 14/10/2026

आम-सूचना

हिन्दू विवाह रजिस्ट्रेशन नियम 1984 के नियम (1) 4 के अन्तर्गत प्रारूप एक में विवाह के रजिस्ट्रीकरण हेतु आवेदकगण श्री राजकुमार बिसेन पिता श्री भूमेश्वर बिसेन उम्र 60 वर्ष जाति पंवार निवास कंटगीकला तहसील गोदिया जिला गोदिया (महा.) एवं आवेदिका श्रीमती टिकेश्वरी पिता श्री चेतनलाल गौतम उम्र 56 वर्ष जाति पंवार निवासी चिलौद तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म0प्र0) ने उपस्थित होकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जिसमें उन्हें विवाह पंजीयन जारी किया जाना है। विवाह पंजीयन हेतु सुनवाई दिनांक 28/10/2026 को नियत की गई है।

अतः सक्त विवाह पंजीयन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह सुनवाई दिनांक 28/10/2026 तक न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी बालाघाट के समक्ष न्यायालयीन समय प्रातः 11:00 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
बालाघाट जिला बालाघाट(म.प्र.)

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
गुरुवार 22 अक्टूबर 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

गर्रा में जिला सरपंच संघ का सम्मेलन आज

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल करेंगे ई-लाइब्रेरी का लोकार्पण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से लगी आदर्श ग्राम पंचायत गर्रा में, 22 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से जिला सरपंच संघ का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में होने वाले इस कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सम्मेलन के साथ ग्राम पंचायत परिसर में नवनिर्मित ई-लाइब्रेरी का लोकार्पण भी किया जाएगा। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं, वहीं जिलेभर के सरपंचों और आम नागरिकों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपील की गयी है। आदर्श ग्राम पंचायत गर्रा के सरपंच एवं जिला सरपंच संघ के अध्यक्ष वैभव रमाशंकर बिसेन ने बताया कि इस बार जिला सरपंच संघ का सम्मेलन गर्रा पंचायत में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों को एक मंच पर जुटने और ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा का अवसर मिलेगा। मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ई-लाइब्रेरी का लोकार्पण करने के साथ विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार, करीब 124 करोड़ रुपये के विकास कार्यों से जुड़े भूमिपूजन एवं लोकार्पण प्रस्तावित हैं। कार्यक्रम में सांसद भारती पारधी, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे, आयोग सदस्य मौसम बिसेन, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार और विधायक अनुभा मुंजारे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा पूर्व विधायक, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। आयोजन में जिले की पंचायतों से जुड़े प्रतिनिधियों की भागीदारी रहने की उम्मीद है। जिला सरपंच संघ अध्यक्ष वैभव बिसेन ने जिले के सभी सरपंचों और आम नागरिकों से सम्मेलन में उपस्थित होने की अपील की है। ई-लाइब्रेरी के लोकार्पण और विकास कार्यों के भूमिपूजन-लोकार्पण के साथ यह आयोजन पंचायत प्रतिनिधियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर रहेगा। अब सभी की नजरें कार्यक्रम पर टिकी हैं, जहां ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों और पंचायतों की भूमिका को लेकर जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी रहेगी।



चल समारोह के पहुंचने के पूर्व ही जल गया रावण ?

आतिशबाजी बताई गई वजह, हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विजयदशमी पर्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में आयोजित दशहरा पर्व के दौरान लोग उस समय अचंभे रह गए, जब चल समारोह के मैदान पहुंचने के पूर्व ही रावण जल उठा और चारों तरफ पटाखे की आवाज आनी शुरू हो गई। लोग हैरत से पूछ रहे थे कि अभी तो चल समारोह मैदान पहुंचा ही नहीं फिर रावण दहन किसने किया और रावण का पुतला कैसे जलने लग गया। इससे पहले की कोई कुछ समझ पाता रावण दहन के पटाखे की आवाज सुन लोग इधर उधर हो गए। दरअसल हर साल की तरह इस साल भी नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में दशहरा पर्व पर रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस आयोजन को देखने हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे जहां रावण दहन के लिए नए राम मंदिर से भव्य रूप में चल समारोह निकाला गया था यह चल समारोह नगर के विभिन्न मार्गों का गस्त करता हुआ उत्कृष्ट विद्यालय मैदान पहुचा ही था कि, उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में पुतलों के समीप आतिशबाजी शुरू हो गई। इसी दरमियान आतिशबाजी से निकली चिंगारी रावण के पुतले को जा लगी और रावण का पुतला धू धू करके जलना शुरू हो गया। रावण के पुतले में आग लगी इससे पहले की कोई कुछ समझ पाता रावण के पुतले के चारों ओर से आग की लपटे निकलने लगी और पटाखे फूटने लगे। उधर रावण दहन के इस मनोहर कार्यक्रम को देखने आए लोग अचंभे रह गए।वही जो लोग काफी दूर से इस नजारे को देख रहे थे वह हैरत में पड़ गए कि अभी चल समारोह ठीक से मैदान के भीतर पहुंचा भी नहीं है और रावण दहन कैसे हो गया। इसी बीच जब लोगों को मामले की जानकारी लगी तो उनकी भी हंसी छूट गई। हालांकि बाद में राम और लक्ष्मण के प्रतीक ने विधि विधान के साथ मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों दहन किया इसके उपरांत मैदान में उपस्थित दर्शकगण खुशी से झूम उठे।



हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पर्व

जगत जननी मां दुर्गा की आराधना का पर्व नवरात्रि में 9दिनों की उपासना के बाद सत्य पर असत्य की विजय का पर्व मंगलवार 20 अक्टूबर को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां जगह जगह चल समारोह का आयोजन कर धार्मिक परंपराओं और पूर्ण विधि विधान के साथ अहंकार रूपी रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया गया। जहा उपस्थित लोगों ने एक दूसरे को सत्य की जीत के महापर्व विजयदशमी की बधाइयां दी इसी कड़ी में नगर में भी इस पर्व ?ी हर्षोल्लास के साथ मनाने को लेकर लोगो मे खासा उत्साह देखा गया। इस दशहरा पर्व मे मंदिर में सेवा दे रहे साधक चेतन चौरे इस वर्ष हनुमान जी का चोला धारण किया। जिन्होंने भगवान हनुमान की विशेष पूजा अर्चना कर, श्री राम मंदिर में 40 किलो वजनी मुकुट धारण कर विजय दशमी पर्व पर भव्य रूप से निकाले जाने वाले चल समारोह मे भाग लिया। इस दौरान श्री राम मंदिर से ढोल नगाड़ों और भारी जन सैलाब के साथ शोभा यात्रा निकाली गई इस चल समारोह में भगवान श्री राम, लक्ष्मण और माता सीता की झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही जहां सेवक चेतन चौरे द्वारा भगवान हनुमान का चोला धारण कर जगह-जगह दुर्गा पंडालो और राह मे पड़ने वाले सभी मंदिरो मे पहुँचकर विशेष पूजा अर्चना की गई। श्री राम मंदिर से ढोल नगाड़ों के साथ निकाला गया यह चल समारोह श्री राम मंदिर से हनुमान चौक पहुंचा जहां भगवान हनुमान की विशेष पूजा अर्चना की गई जिसके बाद यह चल समारोह मेन रोड सराफा बाजार से आगे राणा प्रताप चौक, नावेल्टी हाउस चौक, सुभाष चौक से होते हुए महावीर चौक पहुंचा। जहां से गुजरी चौक ,राजघाट चौक से हक्कू शाह बाबा दरबार होते हुए काली पुतली चौक पहुंचा वहां से पीजी कॉलेज रोड होते हुए आंबेडकर चौक होते हुए सीधे उत्कृष्ट विद्यालय मैदान पहुंचा जहां परंपरा के अनुसार विशेष पूजा अर्चना कर अहंकार रूपी रावण मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले का दहन किया गया।

झांकिया रही मुख्य आकर्षण का केंद्र

मंगलवार 20 अक्टूबर को इस दशहरा पर्व पर नए श्री राम मंदिर से चल समारोह का आयोजन किया गया। जहां हनुमान स्वरूपी सेवक चेतन चौरे मुकुट धारण कर शोभायात्रा में शामिल हुए, जिन्होंने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इसके अलावा चल समारोह में शामिल झांकिया भी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। नए राम मंदिर से निकाले गए चल समारोह मे जय श्रीराम और जय वीर महावीर के नारों की गगनचुंबी गूंज सुनाई दी। जहां बैंड बाजे, ढोल नगाड़े ,डीजे और आर्केस्ट्रा की धुन पर श्री राम के भक्त झूमते गाते हुए नजर आए तो वही हजारों की तादाद में पहुंचे जनसैलाब ने इस चल समारोह में शामिल होकर विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए चल समारोह को रावण दहन स्थल उत्कृष्ट विद्यालय मैदान पहुंचाया। जहां अहंकार रूपी रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतले का दहन किया गया।

पानीपत की तर्ज पर निकला गया चल समारोह, आयोजन का 65 वाँ वर्ष सम्पन्न

रावण दहन के पूर्व नगर में प्रतिवर्ष भव्य रूप से आयोजित होने वाले चल समारोह मे हर साल की तरह इस साल भी राम लखन,बाल हनुमान की शोभायात्रा नए राम मंदिर से भव्य रूप से निकाली गई। जहा रावण दहन स्थल मे पहुँचकर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के रूपी पुतले का दहन किया गया।आपको बताएं कि करीब 65 वर्षों से प्रतिवर्ष नगर में में दशहरा का पर्व पानीपत हरियाणा के दशहरा उत्सव की तर्ज पर मनाया जाता है।दशहरा पर्व पर भगवान श्रीराम की शोभायात्रा के साथ उनके भक्त हनुमान के स्वरूप में बालाघाट दशहरा चल समारोह में 40 किलो का मुकुट धारण कर निकलने वाले महावीर का जोश लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है।हर वर्ष जिले मुख्यालय के दशहरा आयोजन को देखने हजारों लोग पहुंचते है जिसका नजारा भी इस वर्ष देखने को मिला।

चल समारोह का जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

दशहरा पर्व पर श्री राम मंदिर से निकाला गया चल समारोह, विभिन्न चौक चौराहों व मार्गों का भ्रमण करता हुआ उत्कृष्ट विद्यालय मैदान पहुंचा। जहां देव कॉल से चली आ रही परंपरा के अनुसार अहंकारी स्वरूपी रावण मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का दहन किया गया। वही दशहरा पर्व पर आयोजित इस समारोह का नगर के विभिन्न चौक चौराहों व मार्गों में फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। तो वहीं जगह-जगह स्वल्पाहार का वितरण भी देखने को मिला।

सुरक्षा व्यवस्था के दिखे पुख्ता इंतजाम

दशहरा पर्व पर आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। जहां चल समारोह की सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस प्रशासन के जवान तैनात नजर आए, तो वही चल समारोह मार्ग व विभिन्न चौक चौराहों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था देखी गई। वही चल समारोह मार्ग से लगे अन्य मार्गों को जगह-जगह से डायवर्ट किया गया था। ताकि चल समारोह के इस भव्य आयोजन में किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न ना हो सके । जहां भारी भरकम पुलिस व्यवस्था और चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच लोगों ने दशहरा पर्व मना कर एक दूसरे को पर्व विशेष की बधाइयां दी। इस तरह इस वर्ष आयोजित दशहरा पर्व का समापन किया गया ।

वैनगंगा नदी के दवनाधार घाट पर मिला चार दिन से लापता युवती का शव

पोस्ट ऑफिस में ब्रांच पोस्ट मास्टर के पद पर कार्यरत थी सपना ठाकुर, मौत की वजह स्पष्ट नहीं; पुलिस जांच में जुटी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चांगोटोला थाना क्षेत्र के ग्राम पादरीगंज के समीप वैनगंगा नदी के दवनाधार घाट पर सोमवार को चार दिन से लापता युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान सपना ठाकुर पिता भागचंद ठाकुर 23वर्ष ग्राम समनापुर, थाना नैनपुर जिला मंडला निवासी के नाम से हुई । युवती 16 अक्टूबर से अपने घर से लापता थी। उसकी गुमशुदगी के मामले में नैनपुर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपहरण कर बंधक बनाकर रखने के आरोप में अपराध दर्ज किया था। फिलहाल युवती की मौत नदी में डूबने से हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह है,यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। चांगोटोला पुलिस मामले की जांच कर रही है।



चार दिन से लापता थी युवती

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंडला जिले के ग्राम समनापुर निवासी सपना ठाकुर पिछले छह-सात महीनों से शासकीय डाकघर मक्के में ब्रांच पोस्ट मास्टर के पद पर कार्यरत थी। वह प्रतिदिन अपनी स्कूटी से घर से कार्यालय आना-जाना करती थी। 16 अक्टूबर को सुबह करीब 10 बजे वह स्कूटी से घर से निकली थी लेकिन शाम पांच बजे तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसके मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन फोन बंद मिला। शाम सात बजे तक इंतजार करने के बाद परिजन मक्के स्थित कार्यालय पहुंचे जहां ताला लगा हुआ था। सपना के वहां नहीं मिलने पर परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के परिचितों के यहां तलाश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद उसके भाई पंकज ठाकुर ने नैनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपहरण कर बंदी बनाकर रखने के आरोप में धारा 140(3)भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी थी। वहीं, परिवार के सदस्य भी अपने स्तर पर उसकी खोजबीन कर रहे थे।

नदी किनारे मिली स्कूटी और बैग

20 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे सपना की छोटी बहन सुरभि ठाकुर के मोबाइल पर उसके परिचित शैलेंद्र ग्राम ठाकुरटोला गुडुरूनिवासी का फोन आया। उसने बताया कि ग्राम पादरीगंज के समीप वैनगंगा नदी के दवनाधार घाट पर सपना की स्कूटी और बैग रखा हुआ है। सूचना मिलने पर परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे। वहां नदी किनारे सपना की स्कूटी क्रमांक एमपी 51 एसए 0501 खड़ी मिली और उसका बैग भी वहीं रखा था। परिजनों ने आसपास तलाश की तो नदी के दवनाधार घाट पर सपना का शव दिखाई दिया। सूचना मिलने पर चांगोटोला थाना प्रभारी निरीक्षक एमएल भाटी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को नदी से बाहर निकलवाया। पानी में काफी समय तक रहने के कारण शव की हालत खराब हो चुकी थी।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव

पुलिस ने शव पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है, जिसके बाद मौत की परिस्थितियों के संबंध में स्थिति स्पष्ट होने की संभावना है।

सपना का बालाघाट निवासी अवकाश से था प्रेम संबंध

मृतका के भाई पंकज ठाकुर ने आरोप लगाया है कि सपना का बालाघाट निवासी अवकाश एड़े के साथ पिछले कुछ वर्षों से प्रेम संबंध था। आरोप है कि अवकाश उस पर शादी करने के लिए दबाव बनाता था और उसे परेशान करता था। सपना ने इस संबंध में अपने भाई और माता-पिता को जानकारी दी थी ।परिजनों के द्वारा यह संभावना भी जताई गई है कि परेशान होकर सपना घर से बिना बताए चली गई होगी। हालांकि उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई और क्या इस घटना का किसी व्यक्ति से संबंध है यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

मोबाइल की स्क्रीन ब्लैक हुई, खाते से निकल गए 71 हजार रुपये

बिरसा में ऑनलाइन ठगी का मामला आया सामने, मजदूरी कर परिवार पालने वाले सुरेंद्र मरकाम को लगा आर्थिक झटका, डिजिटल लेनदेन में सावधानी बरतने की जरूरत, पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ दर्ज किया मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। डिजिटल तकनीक और ऑनलाइन भुगतान की सुविधाओं ने आमजन की जिंदगी को काफी आसान बना दिया है। अब लोगों को छोटी-बड़ी खरीदारी से लेकर पैसों के लेनदेन तक के लिए बैंक की लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ती। मोबाइल के माध्यम से चंद सेकंड में रुपये भेजने और प्राप्त करने की सुविधा ने समय और मेहनत दोनों की बचत की है। लेकिन दूसरी ओर ऑनलाइन सुविधाओं के दुरुपयोग और साइबर धोखाधड़ी की घटनाएं भी आम लोगों के लिए चिंता का विषय बनती जा रही हैं। साइबर ठगी का शिकार होने पर सबसे ज्यादा परेशानी उन परिवारों को होती है, जिनकी पूरी आजीविका मेहनत-मजदूरी से होने वाली सीमित कमाई पर निर्भर रहती है।ऐसा ही एक मामला बालाघाट जिले के बिरसा थाना क्षेत्र में सामने आया है। यहां मरारीटोला निवासी 27 वर्षीय सुरेंद्र मरकाम के बैंक खाते से कथित तौर पर गूगल पे के माध्यम से 71 हजार रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित के अनुसार घटना के समय वे अपने मोबाइल फोन से बातचीत कर रहे थे तभी अचानक मोबाइल की स्क्रीन पूरी तरह ब्लैक हो गई और उस पर आड़ी लाइनें दिखाई देने लगीं। वे मोबाइल में आई इस खराबी को समझ पाते उससे पहले ही खाते से 71 हजार रुपये निकाले जाने का संदेश प्राप्त हो गया। घटना की शिकायत पर बिरसा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



बातचीत के दौरान अचानक ब्लैक हुई मोबाइल की स्क्रीन

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेंद्र मरकाम मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। 18 अक्टूबर की रात करीब 9:30 बजे वे अपने मोबाइल फोन से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनके मोबाइल की स्क्रीन ब्लैक हो गई। स्क्रीन पर आड़ी लाइनें दिखाई देने लगीं जिससे मोबाइल में किसी तरह की तकनीकी खराबी आने का आभास हुआ। इसी बीच उनके मोबाइल पर गूगल पे के माध्यम से 71 हजार रुपये निकाले जाने का संदेश आ गया। अचानक मोबाइल की स्क्रीन खराब होने और बैंक खाते से इतनी बड़ी रकम निकलने की जानकारी मिलने से सुरेंद्र मरकाम परेशान हो गए। एक ओर मोबाइल काम करना बंद कर रहा था वहीं दूसरी ओर खाते से राशि निकलने का संदेश उनके लिए चिंता का कारण बन गया।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मोबाइल की स्क्रीन ब्लैक होने और खाते से रुपये निकलने के बीच कोई सीधा संबंध था या नहीं। पुलिस जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारण और ठगी के तरीके का पता चल सकेगा।

कस्टमर केयर से संपर्क किया- फिर दर्ज कराई शिकायत

घटना के बाद सुरेंद्र मरकाम ने गूगल पे के कस्टमर केयर से संपर्क कर अपनी समस्या बताई। इसके बाद उन्होंने 9030 पर कॉल कर धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी। अगले दिन वे यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की बिरसा शाखा पहुंचे और अपने खाते से हस्तांतरित हुई राशि के संबंध में बैंक प्रबंधन को बताया।बैंक की ओर से उन्हें पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने की सलाह दी गई। इसके बाद सुरेंद्र मरकाम ने बिरसा थाने पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 319(2) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

आम आदमी की मेहनत की कमाई पर साइबर ठगी का खतरा

इस घटना का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि ऑनलाइन धोखाधड़ी के कारण आम लोगों की मेहनत की कमाई खतरे में पड़ सकती है। मजदूरी कर परिवार चलाने वाले व्यक्ति के लिए 71 हजार रुपये की राशि काफी मायने रखती है। ऐसी रकम जुटाने के लिए कई परिवारों को लंबे समय तक मेहनत करनी पड़ती है। यदि खाते से अचानक इतनी बड़ी राशि निकल जाए तो घरेलू खर्च, बच्चों की पढ़ाई, इलाज और अन्य जरूरी जरूरतों पर इसका असर पड़ सकता है।

डीजे की पिकअप ने मोटरसायकल को मारी टक्कर-मां बेटा घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम भांडी के पास डीजे लिखी पिकअप वाहन ने पीछे से मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार मां-बेटे घायल हो गए। दुर्घटना में महिला को गंभीर चोटें आई हैं, घायल महिला राघन बाई पति डोलीराम बाकट 52वर्ष ग्राम सेलोटपार थाना रामपायली निवासी है, जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। वहीं उनके बेटे चित्रसेन बाकट 19वर्ष को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राघन बाई बाकट अपने परिवार के साथ खेती-किसानी करती हैं। 21 अक्टूबर को वह अपने बेटे चित्रसेन बाकट के साथ मोटरसाइकिल से अपनी आंखों का इलाज कराने जिला अस्पताल बालाघाट आई थीं। उपचार कराने के बाद दोनों मां-बेटे मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे इसी दौरान दोपहर करीब 3 बजे अवंती बाई चौक गर्रा से दीनी की ओर जाते समय ग्राम भांडी के पास पीछे से तेज रफ्तार में आ रही डीजे की पिकअप ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मां-बेटे मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़े और घायल हो गए। हादसे में राघन बाई को अधिक चोटें आईं जबकि उनके बेटे चित्रसेन को मामूली चोटें आईं घटना के बाद दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। यहां राघन बाई को भर्ती कर उपचार शुरू किया गया. जबकि चित्रसेन का प्राथमिक उपचार किया गया। बताया गया है कि पिकअप वाहन पर अंकित डीजे लिखा हुआ था। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल चित्रसेन का बयान दर्ज कर मामले को आगे की कार्रवाई के लिए घटनास्थल से संबंधित वारासिवनी थाने भेज दिया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।



आस-पास की खबरें

माँ खैरमाई मंदिर से निकली भव्य शोभायात्रा

विसर्जन घाट में आस्थापूर्वक विसर्जित हुए जवारे, खप्पर आरती का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी



अंतर्गत आने वाले ग्राम रामजीटोला में स्थित माँ खैरमाई मंदिर (बड़ी माता) में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सार्वजनिक देवी मंदिर रामजीटोला के तत्वाधान में शारदेय नवरात्रा पर्व आस्थापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर सोमवार को दोपहर 3 बजे पूजन अर्चन कर मंदिर प्रांगण से भव्य शोभायात्रा ढोल-बाजे के साथ निकाली गई जो रामजीटोला मुख्य मार्ग होते हुए पांढरवानी स्थित लालबर्रा गार्डन के बड़ा तालाब पहुंची। जहां विधि-विधान से पूजन अर्चन व आरती कर जवारों का विसर्जन किया गया। जिसके पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया एवं रात करीब 9 बजे खप्पर आरती एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वही खप्पर आरती में उपस्थित श्रध्दालुओं ने हाथों में खप्पर आरती लेकर माता-रानी की आराधना कर धर्मलाभ अर्जित किये। जिसके बाद शारदेय नवरात्र पर्व के अवसर पर आयोजित किये गये धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों को अतिथियों के हस्ते पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया। चर्चा में माँ खैरमाई सार्वजनिक देवी मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गत 11 अक्टूबर को विधि-विधान से पूजा अर्चना कर कलश स्थापना एवं जवारे बोकर नौ दिनों तक पूरे भक्तिभाव के साथ मंदिर में माता रानी की आराधना की गई है एवं सोमवार को नवमीं के अवसर पर माता रानी की आराधना के अंतिम दिन लालबर्रा गार्डन के बड़ा तालाब में आस्थापूर्वक जवारे का विसर्जन के बाद महाप्रसादी का वितरण एवं रात में खप्पर आरती का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीण श्रध्दालुओं ने शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित किये। इस अवसर पर पांढरवानी सरपंच अनीस खान सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं मंदिर समिति के पदाधिकारी व श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

धूं धूं कर जला दशानन, धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व

अमोली में 51 फीट रावण के पुतले का हुआ दहन, आरती के बाद प्रसादी का हुआ वितरण





भगवानों की जीवंत झांकियां एवं दशहरा चल समारोह रहा आकर्षण का केंद्र

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

अधर्म पर धर्म की जीत, अन्याय पर न्याय की विजय एवं बुराई पर अच्छाई की जय-जयकार-इसी कामना को लेकर विजयादशमी पर्व पर 20 अक्टूबर को नगर मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामों में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा देर शाम अपने-अपने ग्रामों में विजयादशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इसी क्रम में नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली की सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में 20 अक्टूबर को रात 9 बजे दशानन रावण के पुतले का दहन कर असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

जीवंत झांकिया रही आकर्षण का केंद्र

इस दशहरा पर्व के अवसर पर अमोली स्थित हनुमान मंदिर चौक से शाम 6 बजे बैंड-बाजे, डीजे की धुन और भगवानों की जीवंत झांकियों व आतिशबाजी के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता, भगवान हनुमान सहित अन्य देवी-देवताओं एवं राक्षसों की जीवंत झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभायात्रा में युवाओं और युवतियों द्वारा जमकर नृत्य भी किया गया। वहीं दशहरा चल समारोह में निकाली गई शोभायात्रा में रथ में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं माता सीता को विराजमान किया गया था। साथ ही अन्य जीवंत झांकियों के लिए बैलगाड़ी को रथों की तरह सजाया गया था। जिसमें वीणा वादिनी माँ सरस्वती एवं अन्य देवी-देवताओं को विराजमान कराया गया। यह शोभायात्रा ग्राम अमोली और लालबर्रा के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए जय श्रीराम के नारों के साथ दशहरा मैदान पहुंची। मैदान में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात भगवान श्रीराम बने वंश मानेश्वर के द्वारा तीर मारकर अहंकारी 51 फीट रावण के पुतले का दहन किया गया और दशानन धूं-धूं कर जल उठा। इसके साक्षी उपस्थित विशाल जनसमुदाय बना। वहीं दशहरा पर्व के बाद सभी श्रध्दालुजन माँ दुर्गा प्रतिमा स्थल पहुंचे, जहां माँ जगदम्बे की महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। इस प्रकार यह दशहरा चल समारोह एवं भगवानों की जीवंत झांकियां पूरे क्षेत्र में विशेष आकर्षण का केंद्र बनी रहीं।

दशहरा चल समारोह को देखने उमड़ा जनसैलाब

इस दशहरा चल समारोह में भगवानों की जीवंत झांकिया एवं दशहरा चल समारोह आकर्षण का केन्द्र रहा। वहीं झांकिया बनाने में दिलीप पंचेश्वर, जीतू फाये एवं प्रवीण पशीने का विशेष योगदान रहा। आपकों बात दें कि ग्राम अमोली का दशहरा पर्व लालबर्रा क्षेत्र में विशाल रूप ले लिया है और 23 वें वर्ष में दशहरा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर वंश मानेश्वर ने भगवान श्रीराम, लिवेणी पंचेश्वर ने माता सीता, निरूल यादव ने भगवान हनुमान, राहुल पंचेश्वर ने शिवाजी महाराज सहित कुछ युवा व युवतियों ने अन्य भगवान व देवियों एवं राक्षस की भूमिका अदा किया। इस दशहरा चल समारोह एवं रावण के पुतले दहन के अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय से कहा गया कि जिस तरह आज अहंकारी रावण का दहन किया गया हैं। उसी तरह सभी को अपने अंदर छुपे बुराईयों को दूर कर सत्य के मार्ग पर चलकर समाज एवं देश हित में काम करना चाहिए। इस अवसर पर सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनसमुदाय उपस्थित रहे।

लालबर्रा क्षेत्र में भक्तिभाव और धूमधाम के साथ माँ दुर्गा को दी गई विदाई

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में आदिशक्ति माँ दुर्गा की आराधना का दस दिवसीय शारदेय नवरात्र पर्व अत्यंत धूमधाम, हर्षोल्लास





और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर सार्वजनिक पंडालों में विराजित माँ जगदम्बे की भव्य शोभायात्रा बुधवार को निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रध्दालुओं ने भाग लिया। वहीं बैंड-बाजे और डीजे की धुनों के बीच निकली इस यात्रा ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बुधवार को ग्राम पंचायत अमोली के सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति, सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति पनबिहरी, श्रीगणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति लालबर्रा तथा घोटी सहित अन्य समितियों द्वारा पारंपरिक उत्साह के साथ माँ दुर्गा की प्रतिमाओं की शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा के दौरान युवक-युवतियों और श्रध्दालुओं ने माँ की भक्ति में सरोबार होकर जमकर नृत्य किया। यह शोभायात्रा नगर मुख्यालय एवं ग्राम अमोली का भ्रमण करते हुए ग्राम अमोली-बम्हनी के मार्ग तथा मिरगोंव के समीप से गुजरे ढूटी वीयर (वैनगंगा बड़ी नहर) पहुंची। जहां विधि-विधान से पूजा अर्चना एवं आरती के पश्चात नम आँखों से माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया, जिसके उपरांत श्रध्दालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया।

समितियों ने की सुख-समृध्दि की कामना

माता रानी की प्रतिमाओं के विसर्जन का यह सिलसिला क्षेत्र में देर रात तक जारी रहा। सुरक्षा और कानून व्यवस्था की दृष्टि से स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा विसर्जन घाट सहित अन्य स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रशासनिक सतर्कता और शांतिपूर्ण सहयोग के चलते पूरा विसर्जन कार्यक्रम पूरी तरह सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। वही सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समितियों के पदाधिकारियों ने बताया कि गत 11 अक्टूबर को जगत जननी माँ दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना कर शारदेय नवरात पर्व की शुरूआत की गई थी। इस दस दिनों तक चले विविध धार्मिक अनुष्ठान और पूजन के बाद 21 अक्टूबर को माता रानी की प्रतिमाओं को ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर एवं विसर्जन घाट में विसर्जित किया गया। इस दौरान सभी ने माता-रानी से क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, शांति, और समृध्दि बनाये रखने की प्रार्थना की है।

पांढरवानी में भक्तिभाव से मनाया गया नवरात्रि पर्व, हवन-पूजन एवं महाप्रसादी में उमड़ा जनसैलाब





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से समीपस्थ ग्राम पांढरवानी में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शारदेय नवरात्रि पर्व अत्यंत श्रध्दा भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। ग्राम स्थित दुर्गा मंदिर में नौ दिनों तक चले इस पावन अनुष्ठान का समापन वैदिक रीति-रिवाज से हवन-पूजन, रावण दहन एवं भव्य महाप्रसादी वितरण के साथ मंगलवार को संपन्न हुआ। शारदेय नवरात्र पर्व के प्रथम दिन मंदिर में जवारे व कलश स्थापित कर भक्तिभाव के साथ नौ दिनों तक माँ जगदम्बे की आराधना की गई, साथ ही रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। जिसमें ग्राम के बच्चें, युवक-युवतियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिये। वहीं दसवें दिन मंगलवार को दोपहर में पंडित प्रमोद दुबे के द्वारा यजमान सहपत्नि की उपस्थिति में हवन-पूजन संपन्न करवाया गया। इस दौरान उपस्थितजनों ने हवन-कुंड में पूर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये। जिसके बाद शाम में दशहरा चल समारोह की शोभायात्रा डीजे की धुन पर निकाली गई। यह शोभायात्रा ग्राम का भ्रमण करते हुए दशहरा मैदान पहुंची जहां भगवान श्रीराम बने युवक के द्वारा तीर मारकर दशानन रावण के पुतले का दहन किया गया। जिसके बाद आरती कर भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया। इस शोभायात्रा में भगवान राम, लक्ष्मण, माता सीता, हनुमान की जीवंत झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। वहीं हवन-पूजन एवं महाप्रसादी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित किये। चर्चा में समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ग्राम पांढरवानी में सार्वजनिक रूप से नवरात्रि पर्व एवं विजयदशमी समारोह मनाने की यह परंपरा वर्ष 1991 से अनवरत चली आ रही है। पिछले 35 वर्षों से अधिक समय से गांव के बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों का इसमें विशेष योगदान रहता है। वर्ष दर वर्ष इस आयोजन का स्वरूप और अधिक भव्य होता जा रहा है। आगे बताया कि विजयादशमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भगवान श्रीराम, भ्राता लक्ष्मण, माता सीता और पवनपुत्र हनुमान जी का स्वरूप धारण किये कलाकारों की मनमोहक झांकी निकाली गई। इस शोभायात्रा में आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे इन स्वरूपों का ग्रामीणों द्वारा जगह-जगह आरती उतारकर एवं पुष्पवर्षा कर भावभीना स्वागत किया गया। जिसके बाद शोभायात्रा दशहरा मैदान पहुंची जहां असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक स्वरूप रावण के पुतले का दहन किया गया। जिसके बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया।

घोटी में भी धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व

नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी में नवदुर्गा उत्सव समिति के द्वारा गत दिवस माँ जगदम्बे की प्रतिमा विराजित कर शारदेय नवरात पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। 20 अक्टूबर को दशहरा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शाम में ग्राम स्थित चौक से दशहरा चल समारोह शोभायात्रा निकाली गई। जो पूरे ग्राम का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची जहां दशानन रावण के पुतले का दहन किया गया। इस शोभायात्रा में डीजे की धुन पर श्रध्दालुओं के द्वारा जमकर नृत्य भी किया गया। वहीं 21 अक्टूबर को शोभायात्रा निकालकर माँ दुर्गा की प्रतिमा को ग्राम स्थित तालाब में विसर्जित किया गया।

चोरी के आरोपियों को 10 घंटे के भीतर पुलिस ने किया गिरफ्तार, चोरी गया माल बरामद

दो आरोपियों को न्यायालय में पेश कर भेजा जेल, फरार आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए चंद घंटों के भीतर ही चोरी की एक बड़ी वारदात का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने चोरी के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही चोरी गया संपूर्ण मशरूक (गेहूं की बोरियां, इलेक्ट्रॉनिक कांटा मशीन और मोटरसाइकिल) भी बरामद कर लिया है। चोरी के आरोप में गिरफ्तार हुए दोनों व्यक्ति को वारासिवनी न्यायालय में पेश कर वहां से जेल भेज दिया है एवं फरार आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

पूर्व में भी हो चुकी है चोरी की वारदात

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत अतरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम चंदनटोला में सार्वजनिक सोसायटी का संचालन शाही आजीविका मिशन स्वसहायता समूह के द्वारा संचालित किया जा रहा है और गरीबों को राशन का वितरण करते है। गत 18 से 19 अक्टूबर की दरमियानी रात अज्ञात चोरों द्वारा ग्राम चंदनटोला (अतरी) स्थित सार्वजनिक सोसायटी के दरवाजे का ताला तोड़ दिया गया था। वहीं अज्ञात चोर सोसायटी के कमरे में रखा 6 क्विंटल गेहूं (कुल 12 बोरियां) और नापतोल करने की एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा मशीन चुराकर फरार हो गये थे। 19 अक्टूबर की सुबह जब समूह की महिलाओं एवं ग्रामीणों को सार्वजनिक सोसायटी (उचित मूल्य) की दुकान का ताला तोड़कर चोरी होने की घटना की जानकारी लगी। जिसके बाद उनके द्वारा थाना पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज की गई । वहीं 1 अक्टूबर को भी 8 बोरी चांवल चोरी हुई थी। इस तरह से 20 दिनों के भीतर एक ही उचित मूल्य की दुकान



से दो बार चोरी की वारदात घटित हो चुकी है। वहीं पुलिस ने शिकायतकर्ता की रिपोर्ट पर चोरो के खिलाफ धारा 305(ई), 331(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया था।

पुलिस की त्वरित कार्यवाही और गिरफ्तारी

वहीं चोरी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद विवेचना के दौरान पुलिस को विश्वसनीय सूत्रों से अहम जानकारी प्राप्त हुई। संदेह के आधार पर दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर जब कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उन्होंने चोरी की बात कबूल कर ली। आरोपियों की पहचान निलेश/धन्नालाल उइके ग्राम अतरी, अखिलेश/कृष्णा पंचेश्वर उम्र 21 वर्ष ग्राम पिपरिया) है। वहीं अभयुक्तों ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किया गया गेहूं, इलेक्ट्रॉनिक कांटा मशीन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त कर ली गई है। इस चोरी के प्रकरण में शामिल अन्य दो फरार आरोपियों की तलाश पुलिस द्वारा सरगर्मी से की जा रही है। गिरफ्तार किये गये दोनों आरोपियों को न्यायालय वारासिवनी में पेश कर वहां से जेल भेज दिया गया है। चर्चा में थाना प्रभारी राजमल दायमा ने बताया कि चंदनटोला (अतरी) के सार्वजनिक सोसायटी से 12 बोरी गेंहू, इलेक्ट्रानिक्स कांटा चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। वहीं घटना के 10 घंटे के अंदर चोरी का सामान सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है एवं अन्य दो चोर फरार है जिन्हे जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

धू-धू कर जला रावण

वारासिवनी में हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया विजयादशमी पर्व



पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। असत्य पर सत्य की जीत और अधर्म पर धर्म की विजय का पर्व विजयादशमी दशहरा पर्व २० अक्टूबर को हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में रावण के पुतले का दहन कर हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा सादगीपूर्वक विजयादशमी दशहरा पर्व मनाया गया। जहां हिन्दु धार्मिक मान्यता के अनुरूप भगवान राम लक्ष्मण की शोभायात्रा निकाल कर बुराई के प्रतीक अहंकारी रावण का दहन किया गया।

५० फीट रावण का हुआ दहन

हिन्दु धार्मिक मान्यता के अनुरूप नगर में दशहरा का पर्व हिंदु धर्मावलंबियों ने शांति के साथ मनाया। इस अवसर पर सभी धार्मिक बंधुओं एवं गैर धार्मिक बंधुओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। सिविल क्लब मैदान में ५० फिट के दशानन के पुतले के दहन में शामिल हुए। इस ऐतिहासिक दशहरा का पर्व नगर में पिछले २७ वर्षों से चल समारोह आतिशबाजी व विभिन्न झांकियों के साथ धूमधाम से मनाया जा रहा है। २८ वें वर्ष में परंपरा का निर्वहन करते हुए दशहरा पर्व मनाया गया। दशहरा आयोजन समिति अध्यक्ष वर्तमान विधायक विवेक पटेल की अध्यक्षता में दशहरा कार्यक्रम बडी संख्या में क्षेत्रीयजन मौजूद रहे।

श्रीराम मंदिर से निकले भगवान श्री राम

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बड़े श्रीराम मंदिर से दशहरा पर्व शुरू हुआ। इस अवसर पर प्रभु श्रीराम की विशेष पूजा अर्चना की गई। इस दौरान श्रीराम मंदिर में दशहरा आयोजन समिति के अध्यक्ष विवेक पटेल के साथ समस्त पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इस वर्ष भी प्रतिवर्षानुसार विशाल जुलूस निकाला गया जो शांतिपूर्वक रूप से दशहरा पर्व मनाया गया। नगर में स्थित श्रीराम मंदिर से शाम ५ बजे भगवान श्रीराम, भगवान लक्ष्मण व भगवान हनुमान की जीवंत झांकी के साथ निकला जो रात ७.३० बजे दशहरा मैदान पहुंची। जहां आतिशबाजी की चिंगारी से रावण के कंधे में आग लग गई इसके बाद आतिशबाजी को बीच में रोक कर तत्काल रावण का विधि.विधान से पूजा अर्चना कर भगवान श्रीराम ने रात ८ बजे रावण का वध किया और दशानन रावण धू.धू करके जला यानि रावण का दहन किया गया। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन नगर में पूरी तरह मुस्तैद रहा वहीं कार्यक्रम के दौरान अधिकारी कर्मचारी सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

भव्य आतिशबाजी का हुआ आयोजन

दशहरा मैदान में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी प्रसिद्ध आतिशबाजी को बुलाकर क्षेत्र की जनता का मनोरंजन किया गया। किंतु इस बार इस आतिशबाजी को आकर्षण का केंद्र रही इसने लोगों का जमकर आनन्द लिया। डिजिटल आतिशबाजी का लोगो का उत्साह देखने मिला।

ये बने भगवान राम के सारथी

दशहरा मैदान में जन समुदाय के बीच रामजी की सवारी पहुंची और उनके सारथी के रूप में समिति अध्यक्ष विधायक विवेक पटेल, पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल, नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे सहित क्षेत्र जनता जनप्रतिनिधियों सहित अन्य संगठन के पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जिन्होंने भगवान राम की शोभायात्रा श्री राम मंदिर से निकलकर ढोल बाजे और डीजे की धुन पर दशहरा मैदान तक लेकर आए। जिसमें सभी धार्मिक बंधुओं एवं गैर धार्मिक बंधुओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

जीवंत झांकियों ने सबका मन मोहा

चल समारोह नगर के श्री राम मंदिर से निकला इस दौरान इस चल समारोह में विशेष श्री राम, भगवान लक्ष्मण ,भगवान हनुमान ,महापुरुषों में छत्रपति शिवाजी महाराज ,बाजीराव पेशवा ,वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई, वीरांगना रानी अवंती बाई सहित अन्य करीब एक दर्जन से ज्यादा महापुरुषों की झांकियां रही जो घोड़े पर सवार रही। वहीं भगवान भोलेनाथ हनुमान जी माता काली सहित अनेक झांकियों ने सभी के मन में अपना स्थान बना लिया। इस दौरान लोगों को भगवान भोलेनाथ की झांकी ने काफी प्रभावित किया। वहीं भगवान शिव एवं उनके



आकर्षण का केंद्र झांकियां रही । जिसमें भगवान गणों के द्वारा चल समारोह के दौरान शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी जाती रही।

हनुमान जी महाराज के स्वरूप ने नगर का किया भ्रमण

दशहरा चल समारोह में इस वर्ष नगर के युवाओं के द्वारा नई परंपरा का आगाज किया गया है। जिसमें भगवान हनुमान जी महाराज के स्वरूप को चल समारोह में शामिल किया गया जो पूरे कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान घरों की छत छप्पर और रोड किनारे लोगों की भीड़ हनुमान जी के स्वरूप को देखने के लिए कतार बध्द खड़ी रही। इस दौरान श्री राम मंदिर से ६.३० बजे भगवान हनुमान जी का स्वरूप दीपम शुक्ला के द्वारा धारण कर नगर में निकाला गया। इस दौरान हनुमान जी के स्वरूप को सुरक्षित रखने के लिए चल समारोह में करीब एक सैकडे से अधिक युवाओं के द्वारा सफेद कुर्ता डालकर रक्षा की गई। हनुमान जी का स्वरूप श्री राम मंदिर से निकला जिसे नगर के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए मां भगवती के पंडाल में पहुंचकर माता का आशीर्वाद ग्रहण किया। इस दौरान जगह.जगह विभिन्न परिवारों के द्वारा हनुमान जी के स्वरूप की आरती उतार कर आशीर्वाद ग्रहण किया गया। इसके बाद हनुमान जी दशहरा मैदान में पहुंचे जहां पूरे मैदान को परिक्रमा कर भगवान राम का आशीर्वाद ग्रहण कर रावण वध के बाद वापस श्री राम मंदिर पहुंचे जहां हनुमान जी की आराधना की गई। विदित हो कि दीपम शुक्ला के द्वारा ४० दिन सेवा कर भगवान हनुमान जी का स्वरूप धारण किया गया था उनके द्वारा जो मुकुट धारण किया गया था। वह ३० किलो से भी अधिक का वजनी और करीब १२ फिट लंबा था जिसे देखने के लिए भक्तों का भीड लगी रही।

बुराइयों का त्याग करने की प्रेरणा देता है दशहरा-विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि विजयादशमी का पर्व हमें केवल रावण का पुतला जलाने तक सीमित रहने का संदेश नहीं देता बल्कि अपने भीतर छिपे अहंकार, क्रोध, लोभ और अन्य बुराइयों को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। हर वर्ष दशहरा पर्व नगरवासियों के सहयोग से नई ऊंचाइयों को छू रहा है। सभी के सामूहिक प्रयास और सहभागिता से यह आयोजन निरंतर भव्य एवं आकर्षक बनता जा रहा है। यह दशहरा आयोजन हमारे नगर की शान हैं यहां पर भगवान राम और हनुमान जी का आशीर्वाद रहा। विजयदशमी को लेकर लोगों में काफ ी उत्साह था उमंग थी वह दिखने में मिल रही थी। जिस प्रकार से कार्यक्रम हुआ वह हमारी पहचान है और आने वाले समय में दशहरा नई ऊंचाई को छूएगा। नगर में नवरात्र के अवसर पर सभी जगह बेहतर माता रानी के दरबार सजा गए थे पूरे भक्ति भाव के साथ माता रानी की ९ दिन आराधना की गई।

दशहरा पर्व बुराइयों को समाप्त करने की प्रेरणा देता है-प्रदीप जायसवाल

नवरात्रि और दशहरा पर्व में गांव गांव पहुंचे पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शारदेय नवरात्रि एवं विजयादशमी पर्व के पावन अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। ग्रामीण अंचलों





से लेकर नगर के प्राचीन मंदिरों और पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और नगर के धार्मिक आयोजनों में शिरकत कर माता रानी का आशीर्वाद लिया और क्षेत्रवासियों के सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। नवमी तिथि के अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने ग्राम पंचायत कोचेवाही, कोस्से, बकेरा एवं फ ोगलटोला के पूजा पंडालों में उपस्थिति दर्ज कराई। इसमें ग्राम कोस्से में हनुमान मंदिर प्रांगण में दुय्यम शायरी, ग्राम बकेरा एवं फ ोगलटोला में भव्य देवी जागरण कार्यक्रम ,ग्राम कोचेवाही में भगवान श्री राम की पावन कथा इसके अलावा विजयादशमी के अवसर पर उन्होंने ग्राम मदनपुर में आयोजित प्रसिद्ध रामलीला कार्यक्रम में सहभागिता की। वहीं देर रात ग्राम टूर्रायापर में भव्य देवी जागरण तथा ग्राम भेंडारा में आयोजित दुय्यम शायरी कार्यक्रम में पहुंचकर ग्रामीणों का उत्साहवर्धन किया। नगर की प्राचीन ग्राम देवी शीतला माता मंदिर में नवदिनात्मक अनुष्ठान के तहत मनोकामना कलश की स्थापना की गई थी। नवरात्रि समापन पर विधि.विधान से पूजन अर्चन और हवन यज्ञ के पश्चात चनई नदी के मरारी मोहल्ला घाट पर ज्वारा कलश का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे भी शामिल हुए। वहीं पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने साथियों सहित समाट दुर्गा समिति, भाजी मंडी समिति, वार्ड न.११ कोष्टी मोहल्ला तथा ग्राम वारा के भंडारे में पहुंचकर महाप्रसाद ग्रहण किया। वहीं विजयादशमी पर वार्ड नं. ७ अनाज मंडी के पीछे स्थित ब्रम्हकुमारी आश्रम में आयोजित धार्मिक व आध्यात्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की नवरात्रि के ९ दिनों के दौरान मैंने पूरे विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण कर जनता का हाल चाल जाना और उनकी छोटी.छोटी समस्याओं से अवगत होकर समाधान का प्रयास किया। केंद्र की मोदी सरकार एवं राज्य की डॉ.मोहन यादव सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर नागरिक तक पहुंचे इसके लिए हमारा निरंतर प्रयास रहेगा। अंत में उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों को असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक पावन पर्व विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, मीनाक्षी ठाकरे, योगिता वर्मा, शीतल अरोरा, संतोष आड़े, मोनू लिमजे, अनीश मिश्रा, संतोष शिव, किशोर बंसोड़, रॉकी गिडवानी, मयूर पटेल, शशांक डोंगरे, संतोष हेडाऊ, योगेंद्र मात्रे, निहार पटेल, अन्ना नीरडवार, राजवंश देशमुख, मेष पटले, विवेक पटेल, विनोद लिल्हारे, चंद्रशेखर सेवईवार, लक्ष्मीनारायण चौरागड़े, अनिल ठाकुर, लक्की ठाकुर, नरेन्द्र बिसेन, संतोष ठाकरे, परमेश्वर चौहान, आनंद ठाकरे, अरविंद बिसेन, विजय राठौर, अंकुश सोनगड़े, संजय उइके, सुनील सहारे सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शीतला माता मंदिर से निकली ४११ कलशों की शोभायात्रा

नदी में विसर्जित किये गये जवारे वितरित हुआ भण्डारा





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर की ग्राम देवी कहलाई जाने वाली शीतला माता मंदिर में जारी शारदेय नवरात्र पर्व का समापन २० अक्टूबर को मनोकामना ज्योति कलश विसर्जन कर किया गया। शीतला माता मंदिर ग्राम देवी के रूप में मानी जाती है नगर का कोई भी व्यक्ति अपने शुभ कार्यों की शुरुआत माता शीतला के आशीर्वाद से ही करता है। जहां पर शारदेय और चैत्र दोनों नवरात्र पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाते हैं। जहां प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी ४११ मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित कर मां भगवती की आराधना प्रारंभ की गई। नौ दिवस आराधना उपरांत दशहरे के अवसर पर २० अक्टूबर को शोभायात्रा निकालकर मनोकामना ज्योति कलश एवं जवारों का नदी में विसर्जन किया गया। इस अवसर पर शोभायात्रा में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष सरिता मनोज दांदरे सहित अन्य कार्यकर्ताओं के साथ शामिल होकर मां भगवती का आशीर्वाद ग्रहण किया वहीं क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि की कामना की । इस दौरान मंदिर के पदाधिकारी, सदस्यगण सहित भक्तजनों व नगरवासियों का सराहनीय योगदान रहा। जहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त गणों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर मां भगवती का आशीर्वाद ग्रहण किया।

नवरात्र पर्व की रही धूम

शारदेय नवरात्र पर्व पर ११ अक्टूबर को विधि.विधान से पूजन अर्चन कर ४११ मनोकामना कलश प्रज्वलित एवं जवारे बोकर नौ दिवसीय पर्व का प्रारंभ किया गया। जिसमें पूरे नौ दिवस भक्तिभाव के साथ मां भगवती के नौ रूपों की प्रतिदिन आराधना की गई। इस दौरान मंदिर में लगातार भक्तों की उपस्थिति बनी रही और सुबह से माता को जल चढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में भक्तों ने हाजरी लगाई। यह नवरात्र पर्व बहुत धूमधाम के साथ मंदिर में मनाया गया जिसका समापन जवारे विसर्जन के साथ किया गया।

नवमीं को हवन पूजन दशहरे को हुआ विसर्जन

शीतला माता मंदिर में नवरात्र पर्व के अंतिम दौर में नवमी तिथि पर १९ अक्टूबर को रात्रि करीब ७ बजे हवन पूजन संपन्न करवाया गया। जिसमें आरती कर नौ कन्याओं को भोज किया गया। जिसके अगले दिन यानी दशहरे के दिन २० अक्टूबर को दोपहर १२ बजे ४११ कलशों की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा मंदिर से निकालकर नगर के विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए वार्ड नंबर १२ स्थित नदी पर पहुंची। जहां आरती कर जवारों का विसर्जन किया गया तत्पश्चात शीतला माता मंदिर में विशाल भण्डारा वितरित किया गया।

शोभायात्रा में जीवंत झांकी रही आकर्षण का केंद्र

शीतला माता मंदिर में बोये गए जवारे और मनोकामना ज्योति कलश के विसर्जन के साथ नवरात्र पर्व का समापन किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर से ४११ ज्योति कलश की भव्य शोभायात्रा निकाली गई यह शोभायात्रा नगर के विभिन्न चौक चौराहा का भ्रमण करते हुए बीडी कारखाने से होते मंदिर के रास्ते नदी पर पहुंची जहां पर माता की आरती करने के उपरांत विसर्जन किया गया। यह शोभायात्रा में मां भगवती की जीवंत झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। वहीं उक्त जीवंत झांकी के द्वारा शोभायात्रा के दौरान मार्ग पर नृत्य भी किया गया।

मंदिर में हैं लोगो की गहरी आस्था

मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि यह प्राचीन मंदिर है जहां से नगर सहित क्षेत्र के लोगों की गहरी आस्था जुडी हुई है। जो यह नवरात्र पर्व में उपस्थित होकर माता का आशीर्वाद ग्रहण करते हैं,प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी काफी उत्साह के साथ नवरात्र पर्व का आयोजन किया गया। जिसमें शारदेय नवरात्र पर्व पर ४११ कलश प्रज्वलित किये गये थे कलशों की शोभायात्रा निकालकर नदी में विसर्जित किया गया है तत्पश्चात भण्डारा का आयोजन किया गया। यह मंदिर करीब ५०० वर्ष पुराना बताया जाता है जहां लोगों की मनोकामना पूरी होती है और वारासिवनी ही नहीं जिले प्रदेश और विदेश में रहने वाले लोग भी इस मंदिर से जुड़े हुए हैं।

भेंडारा ,नवेगांव ,मंगेझरी में धूमधाम से मनाया गया नवरात्रा व दशहरा पर्व

राहुल गांधी विचार मंच के जिलाध्यक्ष जावेद अली कार्यक्रम में हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम ग्राम पंचायत मंगेझरी, भेंडारा, नवेगांव, मोहाड़ी में नवरात्रा एवं विजयादशमी दशहरा के पावन अवसर पर एक भव्य सांस्कृतिक व सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेसी नेता एवं राहुल गांधी विचार मंच के जिलाध्यक्ष जावेद अली ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जावेद अली ने कहा कि दशहरा केवल एक त्योहार नहीं बल्कि यह असत्य पर सत्य, अन्याय पर न्याय और अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक है। यह पर्व दुनिया के हर इंसान को सत्य मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर अत्याचार और बुराई का अंत किया तथा संपूर्ण विश्व को सत्य और मानवता का अमर संदेश दिया। हमारे देश के सभी धर्मगुओं ने हमेशा अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी है और समाज में समरसता व न्याय को बढ़ावा दिया है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता में एकता और मानवता है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी धर्मों के लोग जाति.पाति के भेदभाव को भूलकर एक.दूसरे के सुख.दुख में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं। सभी त्योहार मिलकर धूमधाम से मनाना ही हमारे देश की असली सुंदरता है। इसी आपसी भाईचारे और प्यार की वजह से कहा जाता है सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि ग्राम पंचायत के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।





हिंदी विज्ञान प्रेमी स्व किशन चंद ज़ी ने दुनिया को कहा अलविदा

ऐ अत्यंत दु:ख का विषय है कि हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद मुंबई के कर्मठ सदस्य स्व किशन चंद ज़ी का आकस्मिक निधन 19/10/26 को दिल का दौरा पड़ने से कोकिलाबेन हॉस्पिटल में हो गया। किसी भी व्यक्ति में जब वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाहित होने की बात की जाए तो इसका अर्थ यह होगा कि उसमें सोच, आचरण, व्यवहार और निर्णय लेने के स्तरों पर वैज्ञानिकता की छाप अवश्य दिखे।इसी छाप को अखिल भारतीय स्तर पर बनाये रखने के लिए हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई द्वारा पिछले 58 वर्ष से लगातार विज्ञान संचार किया जा रहा है । हिंदी विज्ञान में एक नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में भारतीय वैज्ञानिक द्वारा हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव मुंबई में रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो निरंतर चल रही है परिषद के पूर्व कार्यकारणी स्व किशन चंद जी का हिंदी विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए उनके लोग हमेशा एक हिंदी विज्ञान सेवी के लिए हमेशा याद रखेंगे.परिषद द्वारा आयोजित सेमिनार का उद्देश्य युवा छात्रों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, विश्लेषणात्मक सोच, रचनात्मकता और प्रभावी वैज्ञानिक संचार को बढ़ावा देना होता था । राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान प्रश्नमंच प्रतियोगिता भी परिषद द्वारा आयोजित की जाती थी इस अवसर पर परिषद के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य स्व किशन चंद का योगदान सराहनीय रहा,परिषद के हर विज्ञान कार्यों में उन्होंने एक अहम योगदान दिया है जिसके लिए परिषद उनका कृतज्ञ है उनका लगाव विपश्यना (Vipassana) में भी था विपश्यना से बाद पूरे शरीर में उठने वाली विभिन्न संवेदनाओं (जैसे दर्द, गर्मी, ठंडक या खुजली) को बिना प्रतिक्रिया दिए सिर्फ तटस्थ भाव (साक्षी भाव) से देखा जाता है।2016 में परिषद द्वारा आयोजित एक स्वाथ्य संगोष्ठी में उन्होंने इसकी अगुवाई की, निश्चित रूप से अमूल्य था एक अच्छा व्यक्ति वह है जो दूसरों के प्रति दयालु, ईमानदार और संवेदनशील होता है। एक अच्छे व्यक्ति की मुख्य विशेषताएँ सहानुभूति और सुनना हैं—दूसरों का दर्द समझना और ध्यानपूर्वक सुनना। स्व-सुधार में अपने गलतियों को सुधारना शामिल है न कि दूसरों की आलोचना करना। स्थिरता और विनम्रता का अर्थ है हर स्थिति में स्थिर रहना और पद या धन पर गर्व न करना होता है । क्षमाशीलता का अर्थ है दूसरों की गलतियों को माफ करने की क्षमता होनी चाहिए । उसमें सकारात्मकता हो यानि अपने विचारों और व्यवहार के माध्यम से एक सकारात्मक वातावरण बनाए रखें इन्हीं गुणों के कारण स्व किशन चंद ?ी लोगों को याद आते रहेंगे। इसके पहले वे हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद में लगभग 18 सालों या उससे अधिक समय से सक्रिय रूप से जुड़े रहे इसके लिए उन्होंने परिषद द्वारा आयोजित कई राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में आयोजन समिति के सदस्य के रूप मे महत्वपूर्ण योगदान दिया व हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद द्वारा आयोजित प्रश्न मंच कार्यक्रम मे भी सफलतापूर्वक काम किया हिंदी विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान हेतु इसके अलावा वे विज्ञान वार्ता, स्वास्थ्य संगोष्ठी, वैज्ञानिक पत्रिका के लेखकों को मानदेय देने मे भी मुख्य भूमिका प्रदान किया गया. एक प्रभावी विज्ञान प्रेमी के नाते जन सामान्य संबंधित विषयों की वैज्ञानिक संगोष्ठी में हमेशा महत्वपूर्ण योगदान दिया हाल ही में वो एनपीसीआईएल से सेवानिवृत्त हुए लेकिन हिंदी विज्ञान में उनके अहम् योगदान हेतु पूरा देश गौरव महसूस करेगा हिंदी विज्ञान के लिए किया गया उनका कार्य निश्चित रूप से सभी को प्रेरणा देगी ।हमें याद है वैज्ञानिक में 2007 में एक लेख छपा जिसका मानदेय हेतु हमें बुलाया, और मिलकर प्रसन्नता हुई।

भारत इंटरनेशनल राइस कॉन्फ्रेंस 23-25 अक्टूबर 2026 -क्या बदलेगी वैश्विक चावल अर्थव्यवस्था?

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के हर देश की अर्थव्यवस्था में खाद्य महंगाई, जलवायु परिवर्तन, परिवहन लागत और अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की अनिश्चितता ने सरकारों से लेकर व्यापारिक संस्थानों तक की चिंता बढ़ा दी है।चावल और चीनी जैसे रोजमर्रा के खाद्य पदार्थों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर सीधे आम परिवारों के बजट पर पड़ता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि इसी बीच भारत 23,24 और 25 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम,प्रगति मैदान में भारत इंटरनेशनल राइस कॉन्फ्रेंस (बिर्क2026) के दूसरे संस्करण की मेजबानी करने जा रहा है।यह आयोजन केवल चावलकी प्रदर्शनी नहींबल्कि कृषि,खाद्य सुरक्षा, निर्यात,तकनीक,बैंकिंग,लॉजिस्टिक्स और वैश्विक व्यापार के परस्पर संबंधों को समझने का महत्वपूर्ण मंच है आधिकारिक सम्मेलन वेबसाइट के अनुसार,इसमें 120 से अधिक देशों की भागीदारी और 30,000 से अधिक प्रतिभागियों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। साथियों बात अगर हम चावल की महंगाई- कीमतों में आग के पीछे कौन-से कारण ? इसको समझने की करें तो भारत में चावल की कीमतों का विश्लेषण करते समय सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि सभी किस्मों के भाव एक समान नहीं होते।बासमती,सामान्य गैर- बासमती सोना मसूरी,पोन्नी, महीन और सुपर-फाइन चावल की कीमतें उनकी गुणवत्ता,उत्पादन क्षेत्र, मांग, ब्रांड, पैकेजिंग और परिवहन लागत के अनुसार अलग- अलग रहती हैं।दक्षिण भारत के कुछ बाजारों में 25 किलोग्राम की चावल की बोरी के 1,450 रूपए से बढ़कर 1,850- 2,000 रूपए तक पहुंचने तथा चेन्नई में कुछ विशेष किस्मों के भाव बढ़ने के आंकड़े बाजार संबंधी दावों के रूप में सामने आए हैं।हालांकि,इन सभी आंकड़ों की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं होने के कारण इन्हें पूरे देश में लागू मूल्यवृद्धि नहीं माना जाना चाहिए।यदि किसी बोरी की कीमत 1,450 रूपए से बढ़कर 1,850 रूपए होती है,तो वृद्धि लगभग 27.6 प्रतिशत बैठती है; 2,000 रूपए होने पर यह लगभग 37.9 प्रतिशत होगी।इसलिए किसी विशेष किस्म या बाजार में हुई तेजी को बिना व्यापक मूल्य-आंकड़ों के देशभर में चावल के दाम 50 प्रतिशत बढ़ जाने का प्रमाण नहीं माना जा सकता।कीमतों में तेजी के संभावित कारणों में फसल की उत्पादकता मानसून और वर्षा का असमान वितरण, कीटों का प्रभाव, त्योहारी मांग, भंडारण,मिलिंग लागत तथा परिवहन शामिल हैं। अल- नीनो जैसी जलवायु परिस्थितियों का संभावित प्रभाव भी कृषि उत्पादन के आकलन में महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन किसी एक मौसम घटना को कीमतों में वृद्धि का निश्चित कारण बताने के लिए कृषि उत्पादन के आधिकारिक आंकड़ों की जरूरत होती है। इसी प्रकार, जमाखोरी की आशंका की जांच वास्तविक स्टॉक, थोक-खुदरा मूल्य अंतर और बाजार निरीक्षण के आधार पर होनी चाहिए। मीडिया के आंकड़ों में उपलब्ध कराई गई जानकारी में सरकार के पास लगभग 38 मिलियन टन चावल और निर्धारित बफर मानक करीब 10 मिलियन टन होने का उल्लेख है। अंतरराष्ट्रीय बाजार के संदर्भ में भारतीय व्हाइट राइस का लगभग 385 डॉलर प्रति टन और वैश्विक भाव 420 डॉलर प्रति टन होने का दावा भी प्रस्तुत किया गया है। यदि दोनों कीमतें समान गुणवत्ता, समान व्यापारिक शर्तों और समान अवधि पर आधारित हों, तो भारतीय भाव लगभग 8.3 प्रतिशत कम बैठता है।लेकिन अलग- अलग किस्मों, गुणवत्ता और निर्यात शर्तों के भावों की सीधी तुलना से बचना चाहिए। साथियों बात अगर हमचीनी की कीमतों पर बड़ा फैसला 19 अक्टूबर की एथेनॉल नीति क्यों महत्वपूर्ण? इसको समझने की करें तो,चावल के साथ चीनी बाजार भी इस समय आर्थिक चर्चा के केंद्र में है।19 अक्टूबर 2026 की रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार ने 2026-27 आपूर्ति वर्ष के लिए तेल विपणन कंपनियों की एथेनॉल खरीद में गन्ने के रस,शुगर सिरप और बी-हेवी शीरे से बने एथेनॉल को शामिल नहीं करने का निर्णय लिया है।इसका उद्देश्य घरेलू चीनी की उपलब्धता को सुरक्षित रखना और कीमतों पर दबाव कम करना है। यह बदलाव ऐसे समय आया है, जब कमजोर वर्षा,आगामी पेराई सत्र और त्योहारों की मांग को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। इस निर्णय का सीधा आर्थिक तर्क यह है कि यदि गन्ने से प्राप्त चीनी-युक्त कच्चे माल का उपयोग एथेनॉल बनाने के बजाय चीनी उत्पादन के लिए किया जाता है, तो घरेलू बाजार के लिए उपलब्ध चीनी की मात्रा बढ़ाने में मदद मिल सकती है।हालांकि,कीमतों में वास्तविक गिरावट उत्पादन,शुरुआती स्टॉक,घरेलू खपत,मिलों कीपरिचालन स्थिति और वितरण पर निर्भर करेगी।इस फैसले का दूसरा पहलू चीनी मिलों का कारोबार है। जिन मिलों ने एथेनॉल उत्पादन के लिए निवेश किया है, उन्हें अपने कच्चे माल के उपयोग और राजस्व की रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है।अनाज आधारित एथेनॉल की मांग भी प्रभावित हो सकती है,लेकिन उसका वास्तविक प्रभाव खरीद मूल्य, सरकारी प्रोत्साहन, उपलब्ध मक्का और चावल तथा संबंधित नीतियों पर निर्भर करेगा। अत: इस फैसले को चीनी उपभोक्ताओं के लिएसंभावित राहत और मिलों के लिए नई व्यावसायिक चुनौती दोनों दृष्टियों से देखना चाहिए।चीनी के भाव में तेजी के पीछे कमजोर उत्पादन की आशंका, शुरुआती स्टॉक, त्योहारी मांग,गन्ना पेराई में देरी और एथेनॉल के लिए कच्चे माल के उपयोग जैसे कारक हो सकते हैं। दूसरी ओर, समय पर पेराई शुरू होने और पर्याप्त चीनी बाजार में पहुंचने से कीमतों पर दबाव कम हो सकता है। साथियों बात अगर हम बिर्क 2026-भारत के चावल उद्योग का वैश्विक शक्ति-प्रदर्शन को समझने की करें तो भारत दुनियाँ के प्रमुख चावल उत्पादकों में शामिल होने के साथ वैश्विक चावल निर्यात में भी अग्रणी स्थान रखता है।ऐसे में बिर्क 2026 का महत्व केवल व्यापारिक बैठकों तक सीमित नहीं है। भारतीय चावल निर्यातकों को नए देशों के खरीदारों से संपर्क स्थापित करने, गुणवत्ता मानकों को समझने, बाजार विविधीकरण करने और दीर्घकालीन व्यापारिक साझेदारियां बनाने का अवसर मिल सकता है।आयोजन की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, सम्मेलन 23-25 अक्टूबर को भारत मंडपम के हॉल 4 और 5 में आयोजित होगा। इसके आयोजक के रूप में इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन का उल्लेख है और आयोजन से एपीईडीए की संस्थागत भागीदारी भी जुड़ी है।सम्मेलन की रूपरेखा में निर्यातक, आयातक, राइस मिलर्स, प्रसंस्करण कंपनियां, कृषि वैज्ञानिक, तकनीक प्रदाता, सरकारी एजेंसियां और वित्तीय संस्थान शामिल हैं।इस आयोजन के पहले दिन नीति, खाद्य सुरक्षा और ज्ञान- विमर्श; दूसरे दिन व्यापारिक संपर्क और खरीदार-विक्रेता बैठकें तथा तीसरे दिन नवाचार भविष्य की तकनीक और उपभोक्ता-केंद्रित गतिविधियों पर जोर रहने की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। विस्तृत कार्यक्रम में सत्रों के समय और विषयों की पुष्टि सटिका से आयोजन के आधिकारिक एजेंडे से की जानी चाहिए। साथियों बात अगर हम बी 2 बी और बी 2 सी = कारोबार से उपभोक्ता तक जुड़ने की दो महत्वपूर्ण कड़ियों को समझने की करें तो,बी2बी का पूरा नाम बिजनेस-टू -बिजनेस है। इसका अर्थ है एक व्यवसाय का दूसरे व्यवसाय के साथ व्यापार करना। उदाहरण के लिए, भारतीय चावल निर्यातक का किसी विदेशी आयातक से बड़े ऑर्डर पर समझौता, राइस मिल का पैकेजिंग कंपनी से अनुबंध, अथवा निर्यातक का बैंक और लॉजिस्टिक्स कंपनी के साथ वित्तपोषण तथा माल ढुलाई की व्यवस्था करना बी 2 बी गतिविधियां हैं।बिर्क जैसी कॉन्फ्रेंस में बी 2बी बैठकों से खरीदार और विक्रेता एक- दूसरे की जरूरतों, गुणवत्ता मानकों, कीमतों, भुगतान शर्तों, डिलीवरी समय और संभावित ऑर्डर पर बातचीत कर सकते हैं।इससे नए बाजारों तक पहुंचने, व्यापारिक जोखिम समझने और दीर्घकालीन अनुबंध बनाने में सहायता मिल सकती है। हालांकि, बैठक होना अपने-आप में ऑर्डर या निर्यात सौदे की गारंटी नहीं है। इसके विपरीत,बी2सी का अर्थ बिजनेस-टू -कंस्यूमर है अर्थात व्यवसाय का सीधे अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचना।यदि सम्मेलन के तीसरे दिन प्रस्तावित राइस फेस्टिवल में आम लोग चावल की विभिन्न किस्मों, चावल आधारित खाद्य उत्पादों और नई तकनीकों को देख सकें, तो इससे उपभोक्ताओं की पसंद समझने, ब्रांड पहचान बढ़ाने और नए उत्पादों के प्रति जागरूकता पैदा करने में मदद मिलेगी। 200 से अधिक किस्मों को प्रदर्शित करने का दावा आयोजन की आधिकारिक पुष्टि के अधीन समझा जाना चाहिए। साथियों बात अगर हम बैंकिंग पैकेजिंग, बीमा और लॉजिस्टिक्स चावल के कारोबार के अनदेखे नायक को समझने की करें तो चावल के अंतरराष्ट्रीय कारोबार में केवल किसान, मिलर, निर्यातक और आयातक ही महत्वपूर्ण नहीं होते। बैंक निर्यात ऋण, कार्यशील पूंजी, भुगतान व्यवस्था और विदेशी मुद्रा संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। बीमा कंपनियां माल ढुलाई, भंडारण और अन्य स्वीकृत जोखिमों के लिए बीमा समाधान देती हैं। पैकेजिंग कंपनियां उत्पाद की सुरक्षा, शेल्फ लाइफ, ब्रांडिंग और विभिन्न बाजारों की आवश्यकताओं के अनुरूप पैकेज तैयार करती हैं। लॉजिस्टिक्स कंपनियां, शिपिंग लाइनें, बंदरगाह संचालक, कंटेनर प्रदाता, कस्टम्स एजेंट और माल अग्रेषण कंपनियां चावल को उत्पादक क्षेत्र से घरेलू बाजार या विदेशी खरीदार तक पहुंचाने की प्रक्रिया संभालती हैं। गुणवत्ता जांच एजेंसियां, प्रयोगशालाएं और निरीक्षण संस्थान उत्पाद की गुणवत्ता तथा निर्धारित मानकों के अनुपालन की जांच में सहयोग करते हैं।इसके अतिरिक्त किसान, किसान उत्पादक संगठन, कृषि सहकारी संस्थाएं, बीज एवं कृषि-तकनीक कंपनियां, गोदाम संचालक, सॉफ्टवेयर प्रदाता, खुदरा विक्रेता सुपरमार्केट खाद्य प्रसंस्करण कंपनियां स्टार्टअप, व्यापार संघ, दूतावास और सरकारी नीति-निर्माता भी इस व्यापक इकोसिस्टम का हिस्सा हैं। इन सभी के बीच बेहतर तालमेल उत्पादन से लेकर अंतिम उपभोक्ता तक लागत, गुणवत्ता और आपूर्ति को प्रभावित करता है। साथियों बात अगर हम नौ नॉलेज सेशंस और भविष्य का चावल उद्योग को समझने की करें तोसम्मेलन में ज्ञान- सत्रों की उपयोगिता इस बात में है कि व्यापारिक अवसरों के साथ उद्योग की दीर्घकालीन चुनौतियों पर भी विचार हो। फसल पूर्वानुमान, वैश्विक मांग और कीमतों काआकलन नए निर्यात बाजार, टिकाऊ खेती, जल उपयोग, आधुनिक मिलिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, खाद्य सुरक्षा,पैकेजिंग डिजिटल ट्रेसबिलिटी और जलवायु- अनुकूल कृषि जैसे विषय चावल उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने में उपयोगी हो सकते हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है?

-सौरभ वार्ष्णेय

मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी ही नहीं, बल्कि सपनों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहां हर दिन लाखों लोग बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। मायानगरी की चमक-दमक, फिल्मी सितारों की लोकप्रियता, उद्योग व्यापार की रफ्तार और चौबीसों घंटे सक्रिय रहने वाली जिंदगी मुंबई की पहचान है। लेकिन जब इसी महानगर में सरेआम गोलीबारी की घटनाएं सामने आती हैं, तो एक सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है। क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है? क्या कभी संगठित अपराध और अंडरवर्ल्ड की दहशत के लिए चर्चा में रहने वाला यह शहर एक बार फिर असुरक्षा के साये में जाने लगा है? अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर जुहू के पुष्पा पार्क इलाके के पास कथित गोलीबारी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बाइक सवार तीन लोग वहां पहुंचे और अचानक टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर गोलियां चलाने लगे। इस घटना में अभिनेता के सुरक्षित होने की बात सामने आई है, जबकि उनके ड्राइवर और पास में मौजूद एक ऑटो-रिक्शा चालक के घायल होने की सूचना है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया और पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है। यदि घटना से जुड़ी ये जानकारियां जांच में पुष्ट होती हैं, तो यह केवल किसी फिल्मी सितारे की सुरक्षा का मामला नहीं रह जाता। यह उस आम नागरिक की सुरक्षा का भी प्रश्न बन जाता है, जो रोजी-रोटी कमाने के लिए सड़क पर निकलता है, ऑटो चलाता है, टैक्सी में सफर करता है या अपने काम से घर लौट रहा होता है। किसी चर्चित अभिनेता की गाड़ी पर गोलीबारी होने से खबर सुर्खियों में आना स्वाभाविक है। टाइगर श्रॉफ की लोकप्रियता के कारण इस घटना पर देशभर की निगाहें टिकना भी असामान्य नहीं है। मगर इस घटना का सबसे गंभीर पहलू यह है कि गोलीबारी की चपेट में वे लोग भी आ सकते थे, जिनका न तो फिल्मी दुनिया से कोई संबंध है और न ही किसी विवाद से। ड्राइवर और ऑटो-रिक्शा चालक जैसे आम लोग ऐसी घटनाओं में बिना किसी गलती के अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। सवाल यह है कि अगर सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह अचानक गोलियां चलाई जा सकती हैं, तो आम नागरिक कितने सुरक्षित हैं? सड़क पर खड़ा व्यक्ति, बाजार में खरीदारी करने वाला परिवार, देर रात ड्यूटी से लौटता कर्मचारी और अपने बच्चों के साथ बाहर निकला अभिभावक । इन सभी को सुरक्षा का भरोसा मिलना चाहिए। कानून-व्यवस्था का वास्तविक आकलन केवल बड़े लोगों की सुरक्षा से नहीं, बल्कि आम जनता के भयमुक्त जीवन से होता है। मुंबई ने एक दौर में अंडरवर्ल्ड, जबरन वसूली और संगठित अपराध की चुनौतियों का सामना किया है। उस दौर में फिल्म उद्योग, कारोबारी जगत और आम नागरिकों के बीच भय का वातावरण पैदा करने वाली घटनाएं भी हुई थीं। पुलिस की कार्रवाई, खुफिया तंत्र की सक्रियता और कानून के सख्त इस्तेमाल से शहर ने कई मोर्चों पर अपनी स्थिति मजबूत की। ऐसे में गोलीबारी जैसी कोई घटना लोगों को उस पुराने दौर की याद दिला सकती है। हालांकि, किसी एक घटना के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि मुंबई में अंडरवर्ल्ड का पुराना आतंक लौट आया है। इसके पीछे व्यक्तिगत रंजिश, आपराधिक गिरोहों की गतिविधि, धमकी, वसूली या कोई अन्य कारण है या नहीं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। लेकिन इतना तय है कि ऐसी घटनाओं को हल्के में लेने की गुंजाइश नहीं है। समय रहते अपराधियों की पहचान, उनके नेटवर्क का खुलासा और हथियारों की उपलब्धता के स्रोत तक पहुंचना जरूरी है। यदि घटना के पीछे संगठित अपराध का हाथ निकलता है, तो कार्रवाई केवल गोली चलाने वालों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में बढ़नी चाहिए। मुंबई पुलिस देश के सबसे अनुभवी पुलिस बलों में गिनी जाती है। शहर की आबादी, आर्थिक गतिविधियों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों को देखते हुए यहां सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी है। ऐसे में पुलिस के सामने चुनौती केवल घटना के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करने की नहीं, बल्कि भविष्य में इस तरह की वारदातों को रोकने की भी है। जांच एजेंसियों को घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, इस्तेमाल किए गए हथियारों और हमलावरों के आने-जाने के रास्तों की पड़ताल करनी चाहिए। गोलीबारी के पीछे की मंशा का पता लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। क्या किसी को डराने की कोशिश की गई? क्या किसी तरह की धमकी दी गई थी? क्या यह किसी आपराधिक गिरोह की गतिविधि है? इन सभी सवालों के जवाब तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर सामने आने चाहिए। साथ ही, घायल लोगों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने और उनके बयान दर्ज करने की प्रक्रिया में संवेदनशीलता बरतना जरूरी है। पुलिस की जांच पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि जनता के बीच फैलने वाली अफवाहों और अनावश्यक भय पर भी अंकुश लगाया जा सके। किसी महानगर में गोलीबारी की घटना केवल पुलिस की गश्त पर सवाल नहीं उठाती, बल्कि यह भी पूछती है कि अपराधियों तक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं। यदि जांच में अवैध हथियारों के इस्तेमाल की पुष्टि होती है, तो हथियारों की तस्करी और उनकी आपूर्ति करने वाले नेटवर्क पर कार्रवाई अनिवार्य हो जाती है। अपराध रोकने के लिए सड़कों पर पुलिस की मौजूदगी के साथ-साथ खुफिया जानकारी जुटाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना होगा। संवेदनशील इलाकों में प्रभावी निगरानी, त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया और तकनीक का जिम्मेदार इस्तेमाल अपराधियों के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कानून का भय अपराधियों के मन में होना चाहिए, नागरिकों के मन में नहीं। यदि अपराधी इस विश्वास के साथ वारदात करते हैं कि वे आसानी से बच निकलेंगे, तो यह व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। त्वरित जांच, निष्पक्ष अभियोजन और दोष सिद्ध होने पर कानून के अनुसार सजा ही न्याय व्यवस्था में विश्वास मजबूत कर सकती है। ऐसी घटनाओं के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह के दावे और अपुष्ट जानकारियां प्रसारित होने लगती हैं। कभी किसी गिरोह का नाम उछाला जाता है, तो कभी बिना प्रमाण किसी बड़े षड्यंत्र की चर्चा होने लगती है। इससे जांच प्रभावित हो सकती है और आम लोगों में बेवजह डर फैल सकता है।मीडिया की जिम्मेदारी है कि वह घटना की गंभीरता को सामने लाए, पुलिस से जवाबदेही मांगे और जनता को सही जानकारी दे। लेकिन जांच पूरी होने से पहले किसी व्यक्ति या संगठन को दोषी ठहराना पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। लोकतंत्र में सवाल पूछना जरूरी है, मगर सवालों के जवाब तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर तलाशना उससे भी अधिक जरूरी है। मुंबई की पहचान उसकी जीवंतता, मेहनतकश लोगों और विपरीत परिस्थितियों से उबरने की क्षमता से बनी है। किसी गोलीबारी की घटना से पूरे शहर को असुरक्षित घोषित करना उचित नहीं, लेकिन ऐसी वारदातों को सामान्य मान लेना भी खतरनाक है। शहर की आर्थिक गतिविधियों और सामाजिक जीवन को निर्भय बनाए रखने के लिए नागरिकों का भरोसा कायम रहना चाहिए।महाराष्ट्र सरकार और मुंबई पुलिस को यह सुनिश्चित करना होगा कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई निष्पक्ष, प्रभावी और समयबद्ध हो। फिल्मी सितारों और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा के साथ आम नागरिकों की सुरक्षा भी प्राथमिकता होनी चाहिए, जो रोज सड़कों पर काम करते हैं और शहर की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर कथित गोलीबारी की घटना मुंबई के लिए एक गंभीर चेतावनी है। अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि शहर में अंडरवर्ल्ड का पुराना खौफ लौट आया है, लेकिन यह सवाल जरूर उठता है कि अपराधियों के हौसले बढने की किसी भी संभावना को समय रहते कैसे रोका जाए। पुलिस को जांच के जरिए सच्चाई सामने लानी होगी, अपराधियों को कानून के कटघरे में खड़ा करना होगा और जनता को सुरक्षा का भरोसा देना होगा।

खेत के खरपतवार से कारोबार तक महिलाओं की सफलता की नई कहानी

भारत में महिला सशक्तिकरण की गूंज अब केवल बड़े शहरों के उद्योगों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के दूरदराज के गांवों में भी महिलाएं अपनी प्रतिभा और मेहनत से सफलता की नई इबारत लिख रही हैं। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के पहाड़ी गांवों की 12 घरेलू महिलाओं ने खेतों में उगने वाले खरपतवार से हर्बल साबुन और जैविक ईंधन की टिकिया तैयार कर अपने लिए रोजगार का रास्ता खोला है। कर्सियांग प्रखंड के सीटोंग-3 और कालिम्पोंग के पांबू गांव की महिलाओं की यह पहल बताती है कि हुनर किसी का मोहताज नहीं होता। जिस घास और खरपतवार को किसान खेती के लिए नुकसानदायक समझते थे, वही इन महिलाओं के लिए आमदनी का साधन बन गया। वर्ष 2023 के अंत में शुरू हुई इस पहल से जुड़ी महिलाओं ने मिलकर अपना उद्यमी संगठन बनाया और उत्पादन से लेकर विपणन तक की जिम्मेदारी स्वयं संभालनी शुरू की।

इस पहल की विशेषता यह है कि महिलाओं ने केवल रोजगार पाने की प्रतीक्षा नहीं की, बल्कि अपने आसपास उपलब्ध संसाधनों को ही अपनी आर्थिक उन्नति का आधार बना लिया। शुरुआत में लगभग 50 से 60 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया था। इनमें से 12 महिलाओं ने इस काम को नियमित रोजगार और कारोबार में बदलने का निर्णय लिया। आज वे हर्बल साबुन, प्राकृतिक रंग और जैव-ब्रिकेट तैयार कर रही हैं। उनके उत्पादों की मांग स्थानीय बाजार से आगे कालिम्पोंग और सिक्किम तक पहुंचने लगी है। सर्दियों में पर्यटकों के लिए कमरे गर्म रखने वाले होम स्टे संचालक जैव-ब्रिकेट खरीद रहे हैं। महिलाओं ने स्थानीय मेलों, कृषि प्रदर्शनियों और सामाजिक माध्यमों के जरिए अपने उत्पादों का प्रचार किया। यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि उचित प्रशिक्षण, सामूहिक प्रयास और बाजार तक पहुंच उपलब्ध हो तो ग्रामीण महिलाएं भी सफल उद्यमी बन सकती हैं।

सुधा खावास, अनीता खावास और अलबिना राई की कहानी इस बदलाव को और अधिक प्रभावशाली बनाती है। 56 वर्षीय सुधा खावास ने कभी कल्पना नहीं की थी कि वे कारोबार कर सकेंगी, लेकिन आज खेतों में मिलने वाले पौधों से उत्पाद बनाकर अपनी पहचान स्थापित कर रही हैं। 45 वर्षीय अनीता खावास पहले गृहिणी थीं और अब दूसरे लोगों को प्रशिक्षण देने की योजना बना रही हैं। वहीं 26 वर्षीय अलबिना राई पहले अपने घर की किराने की दुकान संभालती थीं। अब वे अपने खेतों में उगने वाले खरपतवार से भविष्य संवारने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इन महिलाओं की उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि उन हजारों ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा है जो घरेलू जिम्मेदारियों के कारण अपनी प्रतिभा को सामने नहीं ला पातीं।



महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में भारत में पिछले वर्षों के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर वर्ष 2017-18 में 23.3 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 41.7 प्रतिशत हो गई। इसी अवधि में महिला श्रमिक जनसंख्या अनुपात 22 प्रतिशत से बढ़कर 40.3 प्रतिशत पहुंच गया। इसका अर्थ है कि आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है और अधिक महिलाएं रोजगार से जुड़ रही हैं। हालांकि, श्रम बल भागीदारी में रोजगार की तलाश कर रही महिलाएं भी शामिल होती हैं, इसलिए इसे केवल नौकरी प्राप्त करने वाली महिलाओं की संख्या नहीं समझना चाहिए। फिर भी ये आंकड़े महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता की महत्वपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

आज महिलाएं शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, प्रशासन, खेल, सूचना प्रौद्योगिकी, बैंकिंग, उद्योग और उद्यमिता सहित अनेक क्षेत्रों में अपनी योग्यता साबित कर रही हैं। बड़ी कंपनियों में नेतृत्वकारी पदों से लेकर छोटे घरेलू उद्योगों तक महिलाओं की उपस्थिति लगातार महत्वपूर्ण हो रही है। शहरों में शिक्षित महिलाएं कंपनियों का संचालन कर रही हैं, तो गांवों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, सिलाई, डेयरी, जैविक उत्पाद और घरेलू उपयोग की वस्तुओं का कारोबार कर रही हैं। सफलता के इन अलग-अलग रूपों के पीछे शिक्षा, प्रशिक्षण, आत्मविश्वास और अवसरों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

महिला सशक्तिकरण का वास्तविक लाभ तब दिखाई देता है जब महिलाओं की आमदनी से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। घर में अतिरिक्त आय आने से बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पौष्टिक भोजन और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलती है। परिवार को अचानक आने वाले आर्थिक संकटों का सामना करने में भी सहारा मिलता है। महिलाओं की कमाई उन्हें अपने निर्णयों में अधिक भागीदारी का अवसर देती है। इससे परिवार में आत्मविश्वास बढ़ता है और समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना मजबूत होती है। आर्थिक रूप से सक्षम महिला केवल अपने परिवार की मददगार नहीं बनती, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास में भी योगदान देती है।

मेक इन इंडिया और मेड इन इंडिया जैसी पहलों की भावना को व्यापक बनाने के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों और कौशल को बाजार से जोड़ना आवश्यक है। ग्रामीण महिलाओं के छोटे उद्योगों को प्रशिक्षण, आसान ऋण, आधुनिक उपकरण, गुणवत्तापूर्ण कच्चा माल, पैकेजिंग और विपणन की सुविधाएं मिलें तो वे अपने कारोबार का विस्तार कर सकती हैं। पंचायतों, सामाजिक संगठनों, बैंकों, स्वयंसेवी संस्थाओं और उद्योग जगत को महिलाओं के उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए आगे आना चाहिए। स्थानीय मेलों और डिजिटल बाजारों तक पहुंच के साथ उत्पादों की गुणवत्ता तथा उचित मूल्य सुनिश्चित करना भी जरूरी है। केवल प्रशिक्षण देकर जिम्मेदारी पूरी नहीं होती, बल्कि महिलाओं को अपना उत्पाद बेचने और नियमित आमदनी अर्जित करने के अवसर भी मिलने चाहिए।

समाज को अपनी पुरानी सोच बदलने की आवश्यकता है। महिलाओं को कमजोर समझना या उनकी प्रतिभा को घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित मानना विकास की संभावनाओं को रोकता है। घर और समाज में महिलाओं का सम्मान, उनकी शिक्षा तथा आर्थिक स्वतंत्रता को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। परिवार के पुरुष सदस्य घरेलू जिम्मेदारियों में सहयोग करें, ताकि महिलाएं अपने कौशल को विकसित करने के लिए समय निकाल सकें। महिला और पुरुष एक-दूसरे के सहयोगी बनकर आगे बढ़ें तो परिवार और समाज दोनों अधिक मजबूत बन सकते हैं।

दार्जिलिंग की इन 12 महिलाओं की पहल एक महत्वपूर्ण संदेश देती है कि रोजगार के अवसर हमेशा बड़े कारखानों या विशाल निवेश से ही पैदा नहीं होते। कभी-कभी खेत में बेकार समझी जाने वाली घास भी नई आर्थिक संभावनाओं का द्वार खोल सकती है। आवश्यकता है अवसर पहचानने, हुनर विकसित करने और सामूहिक प्रयास करने की। यदि देश के गांवों में महिलाओं को प्रशिक्षण, पूंजी और बाजार उपलब्ध कराया जाए तो हजारों छोटे उद्यम विकसित हो सकते हैं। महिलाओं को रोजगार से जोड़ना केवल आर्थिक जरूरत नहीं, बल्कि सामाजिक प्रगति का आधार है। जिस घर में महिलाओं की प्रतिभा का सम्मान होता है और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, वहां आत्मविश्वास और खुशहाली की संभावनाएं बढ़ती हैं। महिलाओं की सफलता ही आत्मनिर्भर परिवार, सशक्त समाज और विकसित भारत की यात्रा को नई गति दे सकती है।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर उठाव के चलते बुधवार को अनाज मंडी में चने सहित मसूर व मूंग में बाजार नरमी के रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में व्यापार अच्छा रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार बुधवार को अनाज मंडी में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चने, मसूर व मूंग में ऊपरी स्तरों पर मुनाफा वसूली से बाजार नरमी के रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार बने रहे। उधर, किराना जिंसों में व्यापार की मात्रा अच्छी रही। शक्कर में उतार-चढ़ाव के बीच बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5250-5300, खोपरा गोला 320-430, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1200, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1820-1840, मुम्बई 1830, राजकोट तेलिया 2850, सोया साल्वेंट 1380-1400, सोया रिफाइंड 1440-1450, कपास्या 1520, धूलिया 1515, कड़ी 1520,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1775-1800, मुम्बई पाम 1445-1450, मुम्बई सोया 1470,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-उज्जैन 2490, खंडवा-बुरहानपुर 2475, अकोला 3350 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 9200, रायडा 8000-8200, सोयाबीन 6800-7200, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7400-7450, विशाल 7300-7500, काबूली चना डॉलर 7200-8500, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9300-9400, एवरेज 9200-9300, हल्की 7700-8000, महाराष्ट्र सफेद 9400-9700, महाराष्ट्र लाल 9900-10100, उड़द बेस्ट 9600-9800, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार कमजोर ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 210600, चाँदी (99) 210400, टंच 209800, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 147100,

स्मॉल कैप का जलवा, रिकॉर्ड तोड़ निवेश और बंपर रिटर्न की कहानी!

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में स्मॉल कैप फंड्स का आकर्षण निवेशकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। सितंबर 2023 में इस कैटेगरी में रिकॉर्ड 9,038.57 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के लिहाज से निप्पॉन इंडिया, एचडीएफसी और एसबीआई स्मॉल कैप फंड्स इस सेगमेंट में अग्रणी बने हुए हैं और इन्होंने पिछले एक दशक में निवेशकों को 15 फीसदी से अधिक का शानदार सालाना रिटर्न दिया है। इन तीनों फंड्स ने एयूएम के मामले में भी झंडे गाड़े हैं। निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड लगभग 80,000 करोड़ रुपये के साथ शीर्ष पर है, जबकि एचडीएफसी स्मॉल कैप और एसबीआई स्मॉल कैप फंड्स दोनों का एयूएम लगभग 40,000 करोड़ रुपये है। प्रदर्शन की बात करें तो पिछले 10 सालों में इनके डायरेक्ट प्लान्स ने निवेशकों को मालामाल किया है। निप्पॉन इंडिया ने 20.20 फीसदी, एसबीआई ने 17.75 फीसदी और एचडीएफसी ने 15 फीसदी से अधिक का प्रभावशाली सालाना रिटर्न दिया है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी चौतरफा बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 143.21 अंक टूटकर 73,709.69 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 77.60 अंक नीचे आकर 22,811.35 पर बंद हुआ। आज निफ्टी पर सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, आयशर मोटर्स, एटरनल, ट्रेंट और मारुति सुजुकी शामिल रहे। वहीं इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में उछला आया। पहले हाफ में जहां बाजार में तेजी रही। वहीं दूसरे हाफ में ये नीचे आया। सेक्टर के हिसाब से देखें तो आईटी इंडेक्स में बढ़त रही जबकि ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एनर्जी, मीडिया, मेटल, फार्मा, रियल्टी और प्राइवेट बैंक सेक्टर में गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स, दोनों में ही गिरावट आई। आज ब्रॉडर मार्केट में, मिड-कैप सूचकांकों के साथ ही स्मॉल-कैप सूचकांकों में भी गिरावट रही। वहीं सेक्टोरल मोर्चे पर, केवल पांच सूचकांक ही बढ़त पर बंद हुए। आज कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के साथ ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में अमेरिका और ईरान के बीच एक-दूसरे पर हमले करने से भी बाजार में गिरावट आई। इससे निवेशकों में घबराट से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। जिससे सेंसेक्स 74,500 के स्तर को पार कर गया, जबकि निफ्टी 50 ने 23,000 का आंकड़ा छू लिया हालांकि समय के साथ बाहर में बिकवाली हावी होने लगी।



त्यौहारी सीजन में चीनी का कड़वा स्वाद 21 राज्यों में महंगाई चरम पर

नई दिल्ली। एजेंसी। त्यौहारी सीजन के दौरान देश में चीनी की बढ़ती कीमतों ने आम जनता की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2026 में देश के 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 21 में चीनी की खुदरा महंगाई दर 30 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई है। देशभर में चीनी की खुदरा महंगाई दर अगस्त 2026 के 24.27 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 29.80 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो जनवरी 2026 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। गौरतलब है कि अप्रैल 2026 में चीनी की खुदरा महंगाई दर महज 1.44 प्रतिशत थी, जिसमें लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, ओडिशा ऐसा राज्य रहा जहां चीनी की कीमतों में सबसे ज्यादा उछाल आया और सालाना महंगाई दर 37.48 प्रतिशत तक पहुंच गई। वहीं, राजस्थान एकमात्र ऐसा राज्य रहा जहां कि सितंबर में चीनी की महंगाई दर में मामूली कमी देखी, जो अगस्त के 25.65 प्रतिशत से घटकर 25.15 प्रतिशत रह गई। चीनी के दामों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का मुख्य कारण गन्ने के उत्पादन में कमी और इस साल कम बारिश होना माना जा रहा है। देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों, जैसे महाराष्ट्र और कर्नाटक, में अपर्याप्त बारिश के कारण चीनी के उत्पादन और बाजार में उसकी उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। खुदरा बाजार के विपरीत, थोक बाजार (डब्ल्यूपीआई) में चीनी की महंगाई दर में सितंबर महीने के दौरान कुछ गिरावट दर्ज की गई। थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में थोक चीनी महंगाई दर 16.29 प्रतिशत थी, जो सितंबर 2026 में घटकर 12.72 प्रतिशत रह गई। हालांकि, यह दर अभी भी पिछले साल की तुलना में काफी अधिक बनी हुई है। कुल मिलाकर, त्यौहारी माहौल में चीनी की मिठास फिलहाल फीकी पड़ती नजर आ रही है, जिससे उपभोक्ताओं को कोई बड़ी राहत मिलने की उम्मीद कम है।

त्योहारों के सीजन में नकदी मांग में तेजी, आरबीआई की वीआरआर नीलामी में मजबूत भागीदारी की उम्मीद

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की बुधवार को होने वाली ओवरनाइट वेरिएबल रेट रीपो नीलामी में बैंकों की मजबूत भागीदारी की उम्मीद है। इसकी मुख्य वजह यह है कि त्योहारों के मौसम में नकदी की निकासी में तेजी आई है, जिससे बैंकों में अतिरिक्त नकदी में कमी आई है और ओवरनाइट ब्याज दरों में वृद्धि हुई है। सोमवार को भारित औसत कॉल दर (डबल्यूएसीआर) 5.66 फीसदी पर पहुंच गई थी, जो मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी दर के करीब है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक रविवार को शुद्ध नकदी अधिशेष 1.85 लाख करोड़ रुपए था। आरबीआई ने सोमवार को 1 लाख करोड़ रुपए की वीआरआर नीलामी की थी, जो तीन महीने में पहली नीलामी थी। इस नीलामी में बैंकों ने 1.51 लाख करोड़ रुपए की बोली लगाई थी, जिसमें केंद्रीय बैंक ने 5.52 फीसदी की भारित औसत दर पर 1 लाख करोड़ रुपए की बोली स्वीकार की। यह दर कॉल रेट से काफी नीचे और 5.50 फीसदी की नीतिगत रीपो रेट से थोड़ा ऊपर थी। अब आरबीआई बुधवार को अगली नीलामी में 50,000 करोड़ रुपए की पेशकश करेगा। एक सरकारी बैंक के डीलर ने बताया कि त्योहारों के सीजन में धन की निकासी के कारण अक्सर बैंकों की नकदी में गिरावट आती है, यह एक अस्थायी कमी है और आरबीआई वीआरआर जारी रखेगा। नकदी के रुख में हाल के समय में तेज बदलाव आया है। 29 जुलाई को अपनी पिछली वीआरआर नीलामी के बाद से, आरबीआई 6 अगस्त से लगातार नकदी खींचने का रुख अपना रहा था। इसकी वजह यह थी कि आरबीआई की रियायती स्वैप सुविधा के तहत एफसीएनआर-बी जमा से अतिरिक्त नकदी काफी बढ़ गई थी। आरबीआई ने 16 अक्टूबर से कड़े किए गए दैनिक नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) की जरुरत की वजह से भी अधिशेष नकदी घटी है। ट्रेडरों ने कहा कि मौजूदा नकदी डाले जाने से बैंकों को कर भुगतान के कारण होने वाली निकासी के प्रबंधन में भी मदद मिलेगी।



मेष- आज का दिन आपके लिए मेहनत, जिम्मेदारियों और सफलता की एक दिलचस्प कहानी लिख सकता है! काम का दबाव बढ़ेगा और कुछ लोग आपकी तरक्की देखकर अड़चनें पैदा करने की कोशिश भी कर सकते हैं, लेकिन आपकी सूझबूझ और धैर्य के आगे उनकी चालें ज्यादा देर नहीं टिकेंगी। आध्यात्मिक कार्यों में मन लगेगा और किसी जरूरतमंद की मदद करके आपको ऐसा सुकून मिलेगा, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

वृषभ- आज आपके घर में खुशियों की ऐसी आहट सुनाई दे सकती है, जो पूरे परिवार का माहौल बदल देगी! परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की खबर मिले, तो घर में उत्सव जैसा वातावरण बन सकता है। वहीं, अतीत की कोई गलती आपको एक ऐसी सीख दे सकती है, जो भविष्य में सही फैसले लेने में मदद करेगी। समाज में आपके कामों की सराहना होगी और लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे।

मिथुन- आज आपके लिए तरक्की के नए दरवाजे खुल सकते हैं और लंबे समय से देखे जा रहे सपनों को पंख मिल सकते हैं! कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग आपकी स्थिति मजबूत करेगा। यदि आप नौकरी बदलने की कोशिश कर रहे हैं, तो मनचाहा अवसर मिलने की उम्मीद बढ़ सकती है। कोई ऐसी प्रिय वस्तु, जिसके खो जाने से आप निराश थे, उसके वापस मिलने की संभावना भी बन रही है।

कर्क- आज आपका मान-सम्मान बढ़ सकता है और आपकी बातों को पहले से अधिक गंभीरता से लिया जा सकता है! समाज और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा मजबूत होने के संकेत हैं। हालांकि, यदि आप किसी के साथ साझेदारी में नया व्यवसाय शुरू करने की योजना बना रहे हैं, तो अभी जल्दबाजी करने के बजाय हर पहलू की अच्छी तरह जांच कर लें।

सिंह- आज दोस्तों की महफिल, स्वादिष्ट पकवान और अपनों का साथ आपके दिन को यादगार बना सकता है! मित्रों के साथ हंसी-मजाक और दिल खोलकर बातचीत करने का मौका मिलेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी कोई पुरानी उलझन सुलझने से मन को राहत मिल सकती है। दोस्तों का सहयोग भी कई मामलों में आपका हौसला बढ़ाएगा।

कन्या- आज ऐसा महसूस हो सकता है जैसे किस्मत ने आपकी परेशानियों को पीछे छोड़ने का फैसला कर लिया हो! लंबे समय से चली आ रही मुश्किलें धीरे-धीरे कम हो सकती हैं और अचानक धन लाभ या कोई शुभ समाचार आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। लेकिन इस अच्छे समय का पूरा लाभ उठाने के लिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा।

तुला- आज आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबरें आपका उत्साह बढ़ा सकती हैं! आय के नए स्रोत मिलने या कमाई के बेहतर अवसर सामने आने से आर्थिक स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है। भविष्य के लिए जो योजनाएं लंबे समय से आपके मन में थीं, उन्हें अमल में लाने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा मौका है।

वृश्चिक- आज अपनी सेहत को प्राथमिकता देना ही आपकी सबसे समझदारी भरी चाल होगी! खानपान में लापरवाही और अनियमित दिनचर्या से बचें, ताकि छोटी परेशानी बड़ी न बने। अच्छी बात यह है कि लंबे समय से चली आ रही किसी समस्या का समाधान मिल सकता है, जिससे मन पर बना बोझ हल्का होगा।

धनु- आज आपकी सुख-सुविधाएं बढ़ सकती हैं, लेकिन पैसों के मामले में जरा-सी लापरवाही परेशानी भी खड़ी कर सकती है! आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और जोखिम भरे फैसलों से दूरी बनाए रखें। परिस्थितियां कभी-कभी आपकी उम्मीदों के अनुसार नहीं चलेंगी, लेकिन धैर्य बनाए रखने से आप सही रास्ता खोज सकते हैं।

मकर- आज पुरानी यादें, नई खुशियां और अधूरी इच्छाओं के पूरे होने की उम्मीद आपके दिन को खास बना सकती है! किसी पुराने मित्र से वर्षों बाद मुलाकात हो जाए, तो बीते दिनों की यादें ताजा हो सकती हैं और मन खिल उठेगा। आपकी कोई पुरानी मनोकामना पूरी होने के संकेत भी मिल रहे हैं, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिए मेहनत का अच्छा परिणाम पाने का समय हो सकता है।

कुंभ- आज आपकी समझदारी आपको अनावश्यक खर्चों से बचाकर भविष्य के लिए मजबूत आधार तैयार करने में मदद कर सकती है! दिखावे या दूसरों की बराबरी करने के लिए पैसा खर्च करने से बचें। संतान के भविष्य को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने की जरूरत पड़ सकती है, इसलिए जल्दबाजी के बजाय सभी पहलुओं पर विचार करें। ससुराल पक्ष से आर्थिक सहयोग मिलने के संकेत हैं, जिससे किसी जरूरत को पूरा करने में मदद मिल सकती है। परिवार में चल रही पुरानी समस्या का समाधान बातचीत और आपसी समझ से निकल सकता है।

मीन- आज आपके लिए खुशियों के कई दरवाजे एक साथ खुलते नजर आ सकते हैं! वैवाहिक जीवन में प्रेम और आपसी समझ बनी रहेगी, जिससे घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। यदि कोई कानूनी मामला लंबे समय से चिंता का कारण बना हुआ था, तो उसमें अनुकूल परिणाम मिलने की संभावना है।

शब्दजाल - 8427

शब्दजाल में शाहरुख खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

डॉन, वीर जारा, देवदास, यश बॉस, परदेस, बाजीगर, कोयला, बादशाह, अशोका, मोहब्बते.

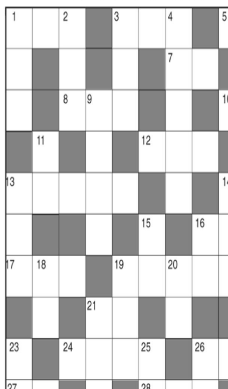
अ	म	मा	वी	र	जा	रा	न	ह	क	र
हा	शो	सू	ह	का	ल	जी	स	ल	ग	ज
य	वी	का	द	डॅ	ल	त	र	जी	ल	टी.
श	र	दा	ज	ल	न	न	बा	र	सु	को
बॉ	दे	न	ष	ल	म	मी	छ	बा	नो	य
स	मी	व	स	जि	ख्वा	क	प	द	स	ला
के	ह	बु	दा	दी	म	मी	टे	शा	रु	प
न	पू	सु	पा	स	पं.	सौ	ल	ह	र	स
प	र	दे	स	ह	प	ने	ने	व	जी	त
म	व	म	ब	फा	दी	र	ह	री	क	थ
म	ह	न	मो	ह	ब्ब	ते	न	ज	ल	वा

शब्दजाल - 8426 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7361



ऊपर से नीचे:-

१. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
२. राजकपूर, नतून की 'रूक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ सनम जिसने तुझे' गीत वाली राजकपूर, सायरा की फिल्म-३
४. ऋषि, नीतूसिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-५
६. सोमदत्त, विनोद खन्ना, लीना चंदावरकर की पहली फिल्म-२,१,२
९. गोविंदा, करिश्मा की 'याद सताए तेरी' गीत वाली फिल्म-२,२
११. फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का गायक-२
१३. सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१४. अक्षय, लारा की फिल्म-३
१५. सुनील, आशा पारेख की 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, राखी की फिल्म-२
१८. कमल सदाना, आयशा, दिव्याकी 'दिल चीर के' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'ले के चली मुझे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
२०. जैकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'राधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-३
२३. फिल्म 'ज्वैल थीफ' में नायक कौन है-२
२५. टी. वी. धारावाहिक 'सॉस' की नायिका कौन थी?-२
२६. दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कहदूँ तुम्हें' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर की हिट फिल्म-३
५. संजय कपूर, तब्बू की 'मैंने जी लिया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
८. ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
१२. 'पलके हो खुली या बंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-३
१३. संजयदत्त, अनिता राज की 'आते आते तेरी' गीत वाली फिल्म-२,१,२
१४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'ना वादा करते हैं' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'परदे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-२
१७. राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, वर्षा की 'पीले पीले ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रूठे रूठे पिया' गीत वाली विजय आनंद, जया की फिल्म-२,३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयां' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-२,२
२६. गोविंदा, रवीना की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल विच तेरा ही' गीत वाली अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२
२८. मिथुन, अतुल, पूजा की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-३

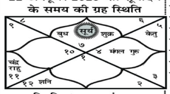
फिल्म वर्ग पहेली - 7360

य	स	बॉ	स		ह	मे	शा		स
हू		ड		गॅ	की			खौ	फ
दी	दा	र			क	स	क		र
	मि		की	म	त		री	ना	
सु	नी	ल		र्या		हि	ना		कि
जा		व	ही	दा		म्म		जि	स्म
ता	ल		गे		सौ	त	न		त
	ल	म्हे		सौ	दा		ज	या	
शा	का		जी		ग		रा		प्या
का	र	तू	स		र	वी	ना		सा

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

22 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	05.40 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृश्चिक	07.59 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	10.15 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.20 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	14.06 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	15.39 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.10 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	18.50 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	20.48 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कर्क	23.02 बजे से
		सिंह	01.18 बजे से
		कन्या	03.30 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 295 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 14.49 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 20.49 बजे को समाप्त।
योग वृद्धि 23.40 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 14.49 बजे तदनन्तर बव 02.49 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 11.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 59'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872870
जूलियन दिन 2461335.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल **तारीख** 10
विशेष पापांकुशा एकादशी, पद्मनाभ द्वादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: क्रोध ही राक्षस

एक बार कृष्ण, बलराम और सात्यकि एक घने जंगल में पहुंचे। वहां रात हो गई, इसलिए तीनों ने जंगल में ही रात बिताने का निर्णय लिया। जंगल बहुत घना और खतरनाक था। उसमें अनेक हिंसक जानवर रहते थे। इसलिए तय किया गया कि सब मिल कर बारी- बारी से पहरा देंगे। सबसे पहले सात्यकि की बारी आई, रात के पहले पहर में वे जग कर निगरानी करने लगे। कृष्ण और बलराम सोने चले गए। उसी समय एक भयानक राक्षस आया और सात्यकि पर आक्रमण कर दिया। सात्यकि बहुत बलवान थे। राक्षस के आक्रमण से उन्हें बड़ा गुस्सा आया। क्रोध में आ कर उन्होंने भी पूरे बल के साथ उस राक्षस पर आक्रमण कर दिया। मगर सात्यकि को जितना अधिक क्रोध आता, उस राक्षस का आकार उतना ही बड़ा हो जाता। कुछ देर के बाद राक्षस अदृश्य हो गया। दूसरे पहर में बलराम पहरा देने उठे। जब कृष्ण और सात्यकि सो गए तो बलराम के साथ भी वैसा ही हुआ, जैसा सात्यकि के साथ हुआ था। तीसरे पहर में कृष्ण पहरा दे रहे थे। राक्षस फिर आया। कृष्ण हंसते-हंसते उसका मुकाबला करने लगे। उन्हें उस पर क्रोध नहीं आया। राक्षस जितनी बार आक्रमण करता, कृष्ण उतनी बार मुस्कराते और उसके हमले का जवाब देते। फिर आश्चर्यजनक बात हुई। कृष्ण जितना मुस्कराते, राक्षस का आकार उतना ही छोटा हो जाता। धीरे- धीरे वह छोटा होकर मच्छर के बराबर हो गया। कृष्ण ने उसे पकड़ कर अपने दुपट्टे में बांध लिया। सुबह हुई तो बलराम और सात्यकि को घायल देख कर कृष्ण ने पूछा, यह सब कैसे हुआ। तुम दोनों तो बहुत शक्तिशाली हो, तुम्हें किसने घायल कर दिया? दोनों ने रात की घटना बताई। कृष्ण ने दुपट्टे को खोल कर वह मच्छर दिखाते हुए कहा, यह रहा तुम्हारा राक्षस। सत्य यह है कि क्रोध ही राक्षस है। जितना क्रोध करोगे, राक्षस उतना ही शक्तिशाली होता जाएगा और तुम्हें नुकसान पहुंचाएगा। असल में अपने आप में राक्षस कुछ नहीं है।

सूडोकु नवताल- 7670

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7669 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 8885



बाएँ से दाएँ

1. रुद्र, शिव, भैरव-4
4. आयुर्वेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला(अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य, अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता, बड़प्पन-4
21. गाथा, कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा, उत्साह-3
25. राजा, सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक, अलमस्त-4
2. मात, पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अचंभित-3
5. आर्ट, हुनर-2
8. गुनाह, अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरूर, खुमार, नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता, कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट, राजा-4
19. व्यंग, परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात, बड़ी थाली-2
23. हलवा, एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -8884 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा दशहरा मैदान, 35 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन

रामदरबार की मनमोहक झांकी और रंग-बिरंगी आतिशबाजी बनी आकर्षण का केन्द्र विजयादशमी पर बुराई पर अच्छाई की जीत का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व पर मंगलवार, 20 अक्टूबर को नगर में उत्साह, उल्लास और श्रद्धा का माहौल रहा। मंडईटेकरी स्थित मां काली मंदिर परिसर के समीप दशहरा मैदान में आयोजित समारोह के दौरान जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष के बीच 35 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान मैदान आतिशबाजी की रोशनी से जगमगा उठा और उपस्थित जनसमुदाय ने हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाया। नगर परिषद लांजी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में रामदरबार की सजीव झांकी विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। विजयादशमी के अवसर पर शाम को नगर परिषद परिसर से रामदरबार की भव्य झांकी निकाली गई। शोभायात्रा पुरानी ग्राम पंचायत स्थित हनुमान मंदिर पहुंची, जहां विधिवत पूजन-अर्चन के बाद चल समारोह आगे बढ़ा। बैंड-बाजे और डीजे की धुनों के बीच निकली इस झांकी का नगरवासियों ने जगह-जगह स्वागत किया। श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान के स्वरूप में सजे बच्चों को देखने के लिए लोगों में खासा उत्साह नजर आया। शोभायात्रा पुराना गुजरी चौक होते हुए मंडईटेकरी स्थित



दशहरा मैदान पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के जयकारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात सोनपत्ती अर्पित कर विधि-विधान से पूजन किया गया और प्रसादी का वितरण हुआ।

श्रीराम के बाण से हुआ रावण का अंत

धार्मिक परंपरा के अनुसार, रावण दहन से पूर्व उसकी पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद रामदरबार की झांकी में भगवान श्रीराम का स्वरूप धारण किए बालक ने प्रतीकात्मक रूप से बाण चलाकर 35 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया। पुतले में आग लगते ही मैदान जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। इस अवसर पर नगर परिषद की ओर से आकर्षक आतिशबाजी की व्यवस्था की गई थी, जिसने समारोह की रौनक को और बढ़ा दिया। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने विजयादशमी के दिन रावण का वध कर अधर्म का अंत किया था। तभी से यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। रावण दहन का संदेश केवल बाहरी बुराइयों के अंत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मनुष्य को अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और द्वेष जैसी प्रवृत्तियों को त्यागने की भी प्रेरणा देता है।

नन्हे कलाकारों ने रामायण के पात्रों को किया जीवंत

प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुरूप इस बार भी नगर के सेंट्रल इंडिया अकैडमी स्कूल के विद्यार्थियों ने रामदरबार की झांकी में विभिन्न पात्रों का किरदार निभाया। भगवान श्रीराम के रूप में आर्यन तिवारी, लक्ष्मण के रूप में सार्थक विजयवार, माता सीता के रूप में डिम्पी राउत तथा हनुमान के स्वरूप में वंश तिवारी एवं अभिनय अग्रवाल नजर आए। वही अन्य बच्ची ने वानर सेना के सदस्यों की भूमिका निभाई। रथ पर सवार होकर निकले इन बाल कलाकारों ने अपनी आकर्षक वेशभूषा और मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। रामायण के प्रसंगों को साकार करती इस झांकी ने बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक का ध्यान आकर्षित किया। रावण दहन के पश्चात लोगों ने मां काली मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना के साथ अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान किया।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की रही उपस्थिति

समारोह में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा तारांचद कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेकर, सभापति एवं पार्षदगण श्रीमती विभा तिवारी, श्रीमती कल्पना डोलस, श्रीमती पूनम शरद आसटकर, श्रीमती प्रेमलता खोबरागड़े, श्रीमती तेजेश्वर गोड़ूले, किशोर रामटेकर, विजय गोस्वामी, सौरभ पशीने, मुकेश रणदिवे और कस्तुरा वाकड़े सहित समाजसेवी तारांचद कालबेले, संजय खोबरागड़े, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने, थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी, पुलिस बल, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। समूचे आयोजन की व्यवस्थाएं नगर परिषद लांजी द्वारा तहसीलदार संजय बारस्कर के मार्गदर्शन एवं निर्देशों के अनुरूप की गईं। उत्सव के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में संबंधित अमले की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। रावण दहन के साथ नगर में विजयादशमी का पर्व श्रद्धा, उमंग और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

लांजी-बालाघाट मार्ग पर दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत, दो लोग घायल

शांति प्रिंटिंग के पास हुआ हादसा, घायलों को सिविल अस्पताल में कराया भर्ती

पद्मेश न्यूज। लांजी। बुधवार, 21 अक्टूबर की शाम करीब 6 बजे लांजी-बालाघाट मार्ग पर शांति प्रिंटिंग के पास दो मोटरसाइकिलों की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों मोटरसाइकिल सवार घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनपद पंचायत लांजी में पदस्थ इंजीनियर विजय वंजारी (50 वर्ष) अपनी मोटर साइकिल होंडा क्रमांक एमपी 50 जेडसी 6505 तथा बालाघाट रोड निवासी सेवानिवृत्त एल.आर. मुरकुटे (63 वर्ष) अपनी मोटर साइकिल हीरो स्प्लेंडर प्लस क्रमांक एमपी 50 एमबी से घर जा रहे थे। इसी दौरान बालाघाट मार्ग पर स्थित शांति प्रिंटिंग के पास दोनों की मोटरसाइकिलें आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, दोनों मोटरसाइकिल सवार एक ही दिशा में जा रहे थे। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। उल्लेखनीय है की त्योहारों के समय बाजारों और प्रमुख मार्गों पर लोगों की आवाजाही बढ़ने से यातायात का दबाव भी बढ़ जाता है। ऐसे में वाहन चालकों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। थोड़ी-सी लापरवाही भी सड़क दुर्घटना का कारण बन सकती है। मोटरसाइकिल चलाते समय निर्धारित गति बनाए रखना, आगे चल रहे वाहन से उचित दूरी रखना तथा यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। साथ ही, हेलमेट का उपयोग कर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। फिलहाल दोनों घायलों का सिविल अस्पताल लांजी में उपचार जारी है।





रंगारंग झांकियों और जयकारों के बीच माता रानी की प्रतिमाओं का विसर्जन, देर रात तक उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

लांजी नगर में ऐतिहासिक नजारा, पांच प्रमुख समितियों ने कतारबद्ध होकर निकाला चल समारोह; पुलिस एवं नगर प्रशासन की रही मुस्तैद व्यवस्था





पद्मेश न्यूज। लांजी। दशहरा पर्व के दूसरे दिन बुधवार, 21 अक्टूबर को लांजी नगर में माता रानी की प्रतिमाओं का विसर्जन श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ किया गया। सुबह से शुरू हुई विसर्जन की तैयारियों के बीच शाम होते ही नगर की सड़कों पर श्रद्धालुओं की चहल-पहल बढ़ने लगी। रंगारंग झांकियों, बाजे-गाजे और माता रानी के जयकारों के साथ निकले चल समारोह ने पूरे नगर को भक्तिमय बना दिया। देर रात तक चले इस आयोजन में विसर्जन स्थल पर दर्शनार्थियों की भारी भीड़ उमड़ी रही। इस वर्ष विसर्जन के दौरान उमड़ा जनसैलाब और समितियों का अनुशासित तरीके से आगे बढ़ना आकर्षण का केन्द्र रहा। नगर में विराजित माता रानी की प्रतिमाओं को विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा निर्धारित क्रम में नगर भ्रमण कराते हुए विसर्जन स्थल तक पहुंचाया गया। सद्भावना मित्र मंडल लांजी, सादर मित्र मंडल लांजी, नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति, मां भवानी दुर्गा उत्सव समिति तथा महागौरी महिला मंडल सुंदरटोला लांजी सहित अन्य समितियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। ढोल-नगाड़ों, संगीत और भक्तिमय जयघोष के बीच निकली झांकियों को देखने के लिए नगरवासी सड़कों पर जुटे रहे। श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

हाइड्रा और केवटों के सहयोग से हुआ प्रतिमाओं का विसर्जन

विसर्जन स्थल पर प्रतिमाओं को सुरक्षित तरीके से विसर्जित करने के लिए हाइड्रा मशीन की व्यवस्था की गई थी। इसके साथ ही केवट समुदाय के सदस्यों ने भी सहयोग प्रदान किया। समितियों के सदस्य धार्मिक परंपराओं के अनुरूप पूजन-अर्चन और आरती के पश्चात माता रानी की प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए लेकर पहुंचे। पूरी प्रक्रिया के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और देर रात तक माहौल भक्तिमय रहा। इस बार विसर्जन के दौरान नगर में विशेष रौनक देखने को मिली। समितियों ने पहले से ही तैयारियां कर रखी थीं, जिसके चलते चल समारोह को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में मदद मिली। विसर्जन स्थल पर उमड़ी भीड़ ने आयोजन की भव्यता को दर्शाया। श्रद्धालुओं में माता रानी को विदाई देने के साथ अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना करते हुए भावुकता और उत्साह का अनूठा संगम दिखाई दिया।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन रहा सतर्क

विसर्जन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस और नगर प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी के नेतृत्व में पुलिस बल मुस्तैदी से तैनात रहा। विसर्जन स्थल के साथ-साथ दुर्गा पंडालों और चल समारोह के मार्ग पर भी पुलिस जवानों की मौजूदगी रही, ताकि भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने में परेशानी न हो। नगर प्रशासन की टीम भी व्यवस्था बनाए रखने में जुटी रही। प्रशासन की निगरानी और समितियों के सहयोग से विसर्जन कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा। श्रद्धालुओं ने प्रशासन के साथ भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया।

ग्रामीण अंचलों में भी भक्तिभाव के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन

लांजी नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी विजयादशमी के बाद माता रानी की प्रतिमाओं का विसर्जन परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार किया गया। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं को बाजे-गाजे, भजन-कीर्तन और जयकारों के बीच स्थानीय नदी, तालाबों एवं निर्धारित विसर्जन स्थलों तक ले जाया गया। इस दौरान दुर्गा उत्सव समितियों के सदस्यों और ग्रामीणों ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर आरती की तथा माता रानी को विदाई दी। कई स्थानों पर श्रद्धालु गरबा और भक्ति गीतों की धुन पर झूमते नजर आए। महिलाओं, युवाओं और बच्चों में विशेष उत्साह रहा। पूरे आयोजन में धार्मिक आस्था के साथ आपसी सद्भाव और सामूहिक सहभागिता की झलक दिखाई दी। नवरात्र के दिनों में स्थापित माता रानी की प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ ही क्षेत्र में उत्सव का समापन हुआ।

पंचतत्व में विलीन हुए वरिष्ठ पत्रकार मयूर सुले, नम आंखों से दी अंतिम विदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। पत्रकारिता जगत के वरिष्ठ, निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकार मयूर सुले का मंगलवार, 20 अक्टूबर 2026 को अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नगरवासी शामिल हुए। सभी ने नम आंखों से दिवंगत पत्रकार को अंतिम विदाई दी। मयूर सुले की अंतिम यात्रा उनके निवास लक्ष्मीकांत रोड, लांजी से प्रारंभ हुई, जो बस स्टैंड होते हुए स्थानीय मोक्षधाम पहुंची। वहां उनके पुत्र नैतिक सुले ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान पूरा वातावरण शोकाकुल रहा और उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। अंतिम संस्कार के दौरान पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सुश्री हिना कावरे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष इंद्रजीत भोज, बीटीवी के डायरेक्टर राजा सोनी तथा दिव्य एक्सप्रेस के संपादक अरविंद अग्निहोत्री सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंतिम यात्रा के पश्चात सुश्री हिना कावरे, रमेश भटेरे एवं इंद्रजीत भोज ने शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए मयूर सुले के निधन को पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। मयूर सुले लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय थे। वे बीटीवी न्यूज एवं दिव्य एक्सप्रेस से जुड़े रहे और अपनी निष्पक्ष, निर्भीक एवं बेबाक पत्रकारिता के लिए पहचाने जाते थे। पत्रकारिता के साथ-साथ उन्होंने सामाजिक गतिविधियों में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। उनके निधन से लांजी सहित समूचे पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है। मयूर सुले के असमय निधन से उनके परिजनों, मित्रों, पत्रकार साथियों एवं शुभचिंतकों को गहरा आघात पहुंचा है। अंतिम यात्रा में उमड़ी लोगों की भारी भीड़ उनके प्रति लोगों के स्नेह, सम्मान और आत्मीयता का प्रतीक रही। दिवंगत पत्रकार की स्मृतियां और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा।

विजयादशमी पर लांजी थाना में विधि-विधान से हुआ शस्त्र पूजन

थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी ने शस्त्रों एवं पुलिस वाहनों की पूजा-अर्चना कर दी पर्व की शुभकामनाएं

पद्मेश न्यूज। लांजी। असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व के अवसर पर पुलिस थाना लांजी में परंपरानुसार शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के शस्त्रों एवं वाहनों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि, सुरक्षा और जनसेवा के संकल्प को दोहराया गया।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर अधर्म का अंत किया, वहीं मां दुर्गा ने महिषासुर का संहार कर शक्ति और न्याय की स्थापना की। इसी परंपरा के अनुरूप विजयादशमी पर शस्त्र पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। शस्त्रों को शक्ति, साहस और आत्मरक्षा का प्रतीक माना गया है। पुलिस विभाग में शस्त्रों का विशेष महत्व है कानून-





व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर नियंत्रण करने तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पुलिसकर्मियों के शस्त्र और वाहन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी उद्देश्य और परंपरा के तहत विजयादशमी के अवसर पर पुलिस थाना लांजी में शस्त्रों की साफ- सफाई कर विधि-विधान से पूजन किया गया। इसके साथ ही पुलिस वाहनों की भी पूजा-अर्चना की गई। पूजन का धार्मिक अनुष्ठान पंडित घनश्याम कृष्ण महाराज द्वारा संपन्न कराया गया। थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी ने विधि-विधान से शस्त्रों एवं पुलिस वाहनों का पूजन किया। इस दौरान उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी सहित पुलिस थाना लांजी का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। पर्व के अवसर पर पुलिसकर्मियों ने जनसेवा, कर्तव्यनिष्ठा और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

लालाराम महोबिया का निधन



पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के बरई मोहल्ला निवासी लालाराम महोबिया का बुधवार, 21 अक्टूबर 2026 को निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिजनों, रिश्तेदारों, परिचितों एवं शुभचिंतकों में शोक व्याप्त हो गया। उनके निधन से परिवार को अपूरणीय क्षति पहुंची है। स्वर्गीय लालाराम महोबिया का अंतिम संस्कार बुधवार दोपहर 3ः30 बजे किया गया। इस दौरान अंतिम यात्रा में शामिल लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही ईश्वर से शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति, संबल एवं धैर्य प्रदान करने की कामना की। उनके निधन से परिजनों और शुभचिंतकों में गहरा दुख है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

टिप्पर की टक्कर से युवक की मौत के बाद भड़का आक्रोश

शव सड़क पर रख हजारों ग्रामीणों का चक्काजाम : आरोपियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग

रवि ठकारानी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। रामनगर पुलिस थाना क्षेत्र के एमआईटी कॉलेज के पास अज्ञात टिप्पर की टक्कर से रतनारा निवासी फिरोज वजीर शेख (40) की मौत के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया. दुर्घटना के लिए जिम्मेदार वाहन और उसके मालिक की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने बुधवार, 21 अक्टूबर को रतनारा मुख्य मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम आंदोलन शुरू कर दिया. आंदोलन में हजारों महिला-पुरुष शामिल हुए. प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, दुर्घटना की निष्पक्ष जांच और मृतक के परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा देने की मांग की.

जानकारी के अनुसार, बुधवार, 20 अक्टूबर की शाम एमआईटी कॉलेज के पास अज्ञात टिप्पर की टक्कर से फिरोज शेख की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, वहीं गांव में भी शोक और आक्रोश का माहौल बन गया. दुर्घटना के बाद संबंधित वाहन और उसके मालिक की गिरफ्तारी नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती गई. आखिरकार 21 अक्टूबर को ग्रामीणों ने एकजुट होकर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर



दिया. आंदोलनकारियों का कहना है कि दुर्घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूत विभिन्न स्थानों पर उपलब्ध हैं. इसके बावजूद अब तक जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी नहीं होने से पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं. ग्रामीणों ने मांग की कि दुर्घटना की निष्पक्ष जांच कर सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए. साथ ही मृतक के परिवार को उचित आर्थिक सहायता देकर न्याय दिलाया जाए. चक्काजाम के कारण मुख्य मार्ग पर आवागमन प्रभावित हुआ. प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी और मुआवजे के संबंध में ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा. घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही.

दो मासूम बच्चों ने भी मांगा न्याय

हादसे में पिता को खोने वाले दो मासूम बच्चों ने भी शासन-प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई. उन्होंने अपने पिता की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें सजा दिलाने की मांग की. बच्चों की इस गुहार ने आंदोलन के दौरान उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया. ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने और मामले में शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की.

एमआईटी कॉलेज के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से फिरोज शेख की मौत के मामले में प्रकरण दर्ज किया गया है. घटना के विरोध में 21 अक्टूबर को रतनारा में ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर आंदोलन किया. स्थिति को देखते हुए घटनास्थल पर रामनगर और दवनीवाड़ा के पुलिसकर्मियों को भेजा गया है. अज्ञात आरोपी की तलाश जारी है.

तिरुपति अशोक राणे,
पुलिस निरीक्षक, रामनगर

दो तेज रफ्तार वाहनों की भिड़ंत, दो घायल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गुरु माउली ढाबा, परसोडी से नवेगांवबांध की ओर आ रहे दो वाहनों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई. हादसे में दोनों वाहनों के चालक और उनके साथ सवार लोग घायल हो गए, मामले में शिकायत के आधार पर नवेगांवबांध पुलिस ने दोनों वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, इंदिरानगर निवासी डेविड हिवराज कोड़ापे (20), अपने मित्र के साथ गुरु माउली ढाबा, परसोडी से नवेगांवबांध की ओर आ रहे थे. इसी दौरान होंडा सिविक कार और बोलेरो पिकअप के चालकों ने कथित तौर पर तेज रफ्तार तथा लापरवाही से वाहन चलाते हुए एक-दूसरे को आमने-सामने टक्कर मार दी. हादसे में दोनों वाहनों में सवार लोग घायल हो गए, घायलों में येरंडी/देवलगांव निवासी तेजस सुरेश कांबले (26) व श्रीकांत दर्शे आडे (18) शामिल हैं. दोनों वाहनों के चालकों को भी हादसे में गंभीर चोटें आने की जानकारी पुलिस शिकायत में दी गई है. इस मामले में होंडा सिविक कार चालक वैभव अनिल दहिवले (27), भीमराव मोहन ठाकरे (21)के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. जांच हवलदार खेमराज बांधनकर कर रहे हैं.

सोने का ब्रेसलेड चोरी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शहर थाने के तहत मनोहर चौक निवासी फिर्यादी रोशन रामदेव जैसवाल (54) के मां शारदा उत्सव समित मनोहर चौक में महाप्रसाद वितरित के दौरान अज्ञात व्यक्ति ने सोने का ब्रेसलेड चुरा लिया. जिसकी कीमत 70 हजार 400 रु. बताई गई है. फिर्यादी की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक भाटिया कर रहे हैं.

तालाब में डूबने से युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। आमगांव थाने के तहत पाऊलदौना निवासी रोहण राजकुमार सोनवाने (18) खेत में भैंसो को लेकर गया था. इसी बीच खेत तालाब में डूबने से उसकी मौत हो गई. फिर्यादी नूतनलाल सोनवने की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार रामलाल पंदमे कर रहे हैं.

चान्ना बाक्टी में तेंदुए का आतंक

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तहसील के नवेगांवबांध वनपरिक्षेत्र अंतर्गत बाराभाटी क्षेत्र के चान्ना बाक्टी गांव में तेंदुए के हमले से पशुपालकों में दहशत फैल गई है. तेंदुए ने 17 अक्टूबर की रात अल्पभूधारक किसान मेघन दयाराम राखडे के गोठे में घुसकर दो बकरों को मार डाला. इस घटना में किसान को करीब 35 हजार रु. का आर्थिक नुकसान होने की जानकारी है. क्षेत्र में वन्यजीवों की बढ़ती हलचल से किसान और ग्रामीण भयभीत हैं। जानकारी के अनुसार, मेघन राखडे के गोठे में बंधे दो बकरों पर रात के समय तेंदुए ने हमला किया. हमले में एक बकरे की गर्दन धड़ से अलग हो गई, जबकि दूसरे बकरे को भी तेंदुए ने मार डाला और उसका मांस खा लिया. सुबह घटना का पता चलने पर किसान को बड़ा आर्थिक नुकसान होने का एहसास हुआ. सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा किया. इस दौरान बीट गार्ड विकांत ब्राम्पणकर, वन मजदूर अविनाश मेश्राम, गांव के पुलिस पाटील मुकेश शेंडे, पंचायत समिति सदस्य कुंदा लोगडे, विनायक राखडे, धर्माजी शेंडे और युवराज राखडे उपस्थित थे. पंचनामे में मृत बकरों से हुए नुकसान का विवरण दर्ज किया गया. नुकसान की अंतिम राशि संबंधित जांच के बाद तय की जाएगी. ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से चान्ना बाक्टी और आसपास के क्षेत्र में तेंदुए की आवाजाही बढ़ गई है. इससे पहले भी गांव में बछड़ों पर हमले की घटनाएं सामने आ चुकी हैं. अब दो बकरों की मौत से पशुपालकों की चिंता और बढ़ गई है. ग्रामीणों ने वन विभाग से इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाने की अपेक्षा जताई है.

खेती के कार्मों पर भी मंडरा रहा खतरा

वर्तमान में खेतों में कृषि कार्य तेजी से चल रहे हैं. किसान और खेत मजदूरों को रोजाना खेतों में जाना पड़ता है, लेकिन तेंदुए की मौजूदगी के कारण उनमें भय बना हुआ है. ग्रामीणों को आशंका है कि वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधियों से खेती के काम भी प्रभावित हो सकते हैं. ऐसे में वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय करने की मांग की जा रही है.

ट्रेन में मिला वृद्ध का शव

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गोंदिया-बल्हरशाह ट्रेन में एक 55 से 60 व्यक्ति बेहोश अवस्था में पुलिस को मिला. इसके बाद उसे रेलवे पुलिस थाने के सहायक फौजदार दयानंद निकोडे ने शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस अज्ञात व्यक्ति के शिनाख्त करने में जुट गई है.

बूचड़खाने ले जाए जा रहे 10 मवेशियों को छुड़ाया

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। बूचड़खाने ले जाने के लिए मवेशियों की अवैध रूप से ढुलाई किए जाने की सूचना पर रावणवाड़ी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 मवेशियों को मुक्त कराया. रविवार की मध्यरात्रि के बाद तड़के करीब 3.45 बजे रावणवाड़ी चौक में नाकाबंदी कर महिंद्रा बोलेरो पिकअप वाहन को पकड़ा गया. पुलिस ने एक लाख रु. कीमत के मवेशियों और पांच लाख रु. के वाहन सहित कुल 6 लाख रु. का माल जब्त किया है. वहीं पुलिस को देखकर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि बालाघाट मार्ग से गोंदिया की ओर एक वाहन में मवेशियों की अवैध ढुलाई की जा रही है. इसके आधार पर रावणवाड़ी चौक में सिपाही आशीष वैद्य, हवलदार पंकज खरवड़े, पुलिस नाइक अंबुले और उनके सहयोगियों ने नाकाबंदी की. इसी दौरान रजेगांव चौकी के पास बालाघाट मार्ग से सफेद रंग का महिंद्रा बोलेरो पिकअप आता दिखाई दिया।

जिले की 200 जर्जर कक्षाओं में पढ़ रहे हजारों विद्यार्थी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले में जिला परिषद की 1,038 शालाएं हैं, जहां हजारों विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं. लेकिन इन स्कूलों की 200 कक्षाएं जर्जर अवस्था में हैं. इन खस्ताहाल कक्षाओं में विद्यार्थी जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं. पहले गोरेगांव और तिरोड़ा तहसील के स्कूलों में जर्जर इमारतों की छत का प्लास्टर गिरने से विद्यार्थी घायल हो चुके हैं. इन घटनाओं के बाद भी सभी जर्जर कक्षाओं की मरम्मत का काम पूरा नहीं होने से विद्यार्थियों और अभिभावकों में चिंता बनी हुई है। स्कूलों की जर्जर इमारतों को देखते हुए अभिभावकों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने में भी डर लगने लगा है. किसी भी समय छत का प्लास्टर या इमारत का कोई हिस्सा गिरने की आशंका बनी रहती है. ऐसे में विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं. जिले की आठों तहसीलों में स्थित इन जर्जर कक्षाओं की तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है. जिला परिषद की शालाओं और कक्षाओं की मरम्मत के लिए कुल 30 करोड़ रु. की आवश्यकता बताई गई है. जिला नियोजन समिति के माध्यम से मरम्मत कार्यों के लिए 10 करोड़ रु. उपलब्ध हुए हैं. लेकिन, शेष 20 करोड़ रु. का इंतजार है. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बाकी निधि कब उपलब्ध होगी और विद्यार्थियों को सुरक्षित कक्षाएं कब मिलेंगी. जानकारी के अनुसार, जर्जर स्कूलों की मरम्मत के लिए जिला नियोजन समिति में निधि की मांग की जाती है. पालकमंत्री के निर्देश पर निधि उपलब्ध कराई जाती है, लेकिन आवश्यकता की तुलना में राशि कम मिलने से मरम्मत कार्य प्रभावित होते हैं. अब सवाल यह है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शेष 20 करोड़ रु. की निधि कब उपलब्ध होगी? जब तक आवश्यक मरम्मत और नए निर्माण का काम पूरा नहीं होता, तब तक जर्जर कक्षाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहेगी.

मरम्मत करें या नई कक्षाएं बनाएं?

उपलब्ध निधि के उपयोग को लेकर भी महत्वपूर्ण सवाल खड़ा है. एक कक्षा की मरम्मत पर लगभग 5 लाख रु. खर्च होते हैं, जबकि नई कक्षा के निर्माण के लिए करीब 15 लाख रु. की आवश्यकता होती है. यदि मिले हुए 10 करोड़ रु. पूरी तरह मरम्मत पर खर्च किए जाएं, तो लगभग 200 कक्षाओं की डागडुगी की जा सकती है. वहीं, इसी राशि से नई कक्षाओं का निर्माण किया जाए, तो करीब 66 नई कक्षाएं बन सकती हैं. इस हिसाब से शिक्षा विभाग के सामने पुरानी कक्षाओं की मरम्मत और नई कक्षाओं के निर्माण के बीच प्राथमिकता तय करने की चुनौती है.

स्ट्रक्चरल ऑडिट पर भी सवाल

जिले की जर्जर स्कूल इमारतों की सुरक्षा को लेकर स्ट्रक्चरल ऑडिट की आवश्यकता महसूस की जा रही है. उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जिला परिषद की ओर से सभी स्कूलों का नियमित स्ट्रक्चरल ऑडिट नहीं किया जाता. स्कूलों को खतरनाक घोषित किए जाने पर ही संबंधित रिपोर्ट दी जाती है. ऐसे में सभी जर्जर इमारतों की स्थिति का तकनीकी आकलन कराना और जरूरत के अनुसार मरम्मत या पुनर्निर्माण करना आवश्यक है।

पोल्ट्री फार्म में रासायनिक यूनिट पर पुलिस की छापेमारी

44,810 रु. का सामान जब्त

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। पोल्ट्री फार्म में मादक पदार्थों के निर्माण के लिए रासायनिक प्रक्रिया से जुड़ी यूनिट स्थापित किए जाने की सूचना पर पुलिस ने रविवार की रात तिरोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम मारेगांव में छापेमारी की. इस दौरान विभिन्न रासायनिक पदार्थ, ड्रम, प्लास्टिक के कैन और अन्य सामग्री सहित कुल 44,810 रु. का माल जब्त किया गया. मामले में नागपुर निवासी जितेंद्र गोविंद टेंभेकर, हर्षदीप रब्बदीप टेंभेकर (25) और चेतन मधुकर मेश्राम (49) के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, हैदराबाद स्थित ईगल फोर्स के पुलिस निरीक्षक वी. शिवकुमार द्वारा दिए गए लिखित पत्र के माध्यम से मारेगांव निवासी जितेंद्र टेंभेकर की कृषि भूमि पर स्थित पोल्ट्री फार्म में मादक पदार्थों के निर्माण के लिए रासायनिक प्रक्रिया से संबंधित यूनिट स्थापित होने की जानकारी मिली थी. इसके बाद तिरोड़ा के पुलिस निरीक्षक अमित वानखड़े के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देकर तलाशी की अनुमति प्राप्त की. जांच के लिए नागपुर स्थित क्षेत्रीय न्याय सहायक वैज्ञानिक प्रयोगशाला की टीम को भी मौके पर बुलाया गया. पुलिस टीम जब संबंधित पोल्ट्री फार्म पहुंची, तब वहां भूमि का कब्जाधारक जितेंद्र टेंभेकर मौजूद था. परिसर में दक्षिण दिशा की ओर मुख वाली तीन कमरों की पुरानी आरसीसी इमारत मिली. इनमें से दो कमरों के ताले जंग लगे होने के कारण लंबे समय से बंद होने की आशंका जताई गई. पुलिस ने तीनों कमरों के ताले खुलवाकर तलाशी ली. एक कमरे में पुरानी वस्तुएं, दूसरे में नीले रंग के तथा लोहे के ड्रम और अन्य सामग्री, जबकि तीसरे कमरे में कूलर और प्लास्टिक के टब मिले. कार्रवाई के दौरान कुल 44,810 रु. का सामान जब्त किया गया. इस मामले में जितेंद्र गोविंद टेंभेकर के साथ हर्षदीप रब्बदीप टेंभेकर, निवासी ज्योतिनगर, लकरी बाग, नागपुर तथा चेतन मधुकर मेश्राम, निवासी लष्करी बाग, नागपुर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है. पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक अमित वानखड़े, सहायक पुलिस निरीक्षक संजय कवडे, पुलिस उपनिरीक्षक शुभम नष्टे, माधव मुंगले तथा पुलिस टीम के अन्य कर्मचारियों ने यह कार्रवाई की.

इंदौर से 40 लाख के सोने के आभूषण जब्त

सिविल लाइन में घरफोड़ी चोरी का मामला



पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शहर के सिविल लाइन स्थित रविशंकर वार्ड में हुई घरफोड़ चोरी के मामले में स्थानीय अपराध शाखा ने मध्यप्रदेश के इंदौर जिले से करीब 40 लाख रु. के सोने के आभूषण और चांदी का सिक्का बरामद किया है. पुलिस ने 26 तोला सोने के आभूषण समेत चोरी का माल जब्त किया है. हालांकि, पुलिस की कार्रवाई की भनक लगने पर आरोपी मौके से फरार हो गए.जानकारी के अनुसार, रविशंकर वार्ड निवासी अमोल श्रीराम मुंगमोडे (49) 14 से 15 अक्टूबर 2026 के दौरान परिवार के साथ बाहरगांव गए थे. इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके घर के दरवाजे का ताला तोड़कर बेडरूम की अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चुरा ली. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे को आरोपियों का पता लगाने के निर्देश दिए. घटनास्थल पर एफएसएल, फिंगरप्रिंट और डॉग स्क्वॉड की टीम बुलाकर जांच की गई. तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस को राजस्थान के उदयपुर जिले के प्रतापनगर क्षेत्र के निवासी लखन सिंह तथा उसके सहयोगी दिलीप सिंह के इंदौर जिले के ग्राम देव-गुराड़िया में होने की जानकारी मिली. इसके बाद 17 अक्टूबर को स्थानीय अपराध शाखा की टीम इंदौर पहुंची. स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपियों के ससुराल में तलाशी ली गई. पुलिस के पहुंचने से पहले ही दोनों आरोपी फरार हो चुके थे. घर की तलाशी के दौरान एक काले रंग की गठरी में सोने के आभूषण और चांदी का सिक्का मिला. पूछताछ में पारिजनों ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने 16 अक्टूबर को ये आभूषण अपनी सास बलवीर कौर सिंह को दिए थे. पुलिस ने बलवीर कौर सिंह के पास से दो सोने के कंगन, एक रानी हार, दो चपलाकंठी हार, एक मनी हार, गोप लॉकेट सहित एक सोने का आभूषण, एक मंगलसूत्र, एक सोने का सिक्का, एक अंगूठी और एक चांदी का सिक्का जब्त किया. बरामद सामग्री का बाजार मूल्य करीब 40 लाख रु. बताया गया है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के निर्देश व स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक अमरदीप खाडे, अभिषेक जंगमवार, सहायक फौजदार राजेंद्र मिश्रा, हवलदार महेश मेहर, दुर्गेश तिवारी, प्रकाश गायधने, इंद्रजित बिसेन, पुलिस नायक शैलेश निनावे, हंसराज भांडारकर, कुणाल बारेवार, सुनील डहाके आदि ने की.

अर्जुनी मोरगांव को सूखाग्रस्त घोषित करने पर किसानों में नाराजगी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले में अर्जुनी मोरगांव तहसील को सूखाग्रस्त क्षेत्र की सूची में शामिल किए जाने से यहां के किसान सरकार के इस फैसले पर काफी नाराज दिखाई दे रहे हैं. जिससे इस फैसले के खिलाफ तिखी प्रतिक्रिया भी सामने आने लगी है. किसानों का कहना है कि अर्जुनी मोरगांव तहसील में तालाब, जलस्रोत पानी से लबालब भरे हुए हैं, खेतों में धान की फसल लहरा रही है, फिर भी शासन द्वारा अर्जुनी मोरगांव तहसील को सूखाग्रस्त घोषित किया है. किसानों का कहना है कि इस फैसले से किसानों को फायदे के बजाय नुकसान पहुंचेगा.

उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा गोंदिया जिले की तिरोड़ा तहसील को ट्रिगर-1 के तहत सूखाग्रस्त घोषित किया गया था. लेकिन इस घोषणा के बाद जनप्रतिनिधियों द्वारा सरकार के समक्ष मांग रखी गई थी कि गोंदिया जिले को सूखाग्रस्त की सूची में शामिल किया जाए, जिसे देखते हुए ट्रिगर-2 के तहत गोंदिया जिले को सूखाग्रस्त की सूची में शामिल किया गया, जिसमें अर्जुनी मोरगांव तहसील का भी समावेश है. लेकिन इस फैसले से किसानों में नाराजगी भी देखी जा रही है. किसानों का कहना है कि अर्जुनी मोरगांव में भरपूर बारिश है. यहां तक कि विदर्भ का सबसे प्रसिद्ध इटियाडोह जलाशय ओवर फ्लो हो गया है. इसी प्रकार नवेगांवबांध तथा अन्य जलाशय भी शत-प्रतिशत भर चुके हैं. खेतों में धान की फसले लहलहा रही हैं. हालांकि कुछ क्षेत्र में बीमारी के प्रकोप से कुछ प्रतिशत धान की फसलों को नुकसान भी पहुंचा है, लेकिन पैसेवारी 80 प्रश. से अधिक है. फिर तहसील को सूखाग्रस्त की सूची में किस आधार पर शामिल किया गया. इस तरह का सवाल उठाया जा रहा है. किसानों का कहना है कि इस फैसले से किसानों को फायदे के बजाय नुकसान पहुंचेगा. किसानों ने मांग की है कि वास्तव में जिन किसानों का नुकसान हुआ है ऐसे ही किसानों की खेती का सर्वे कर उन्हें मुआवजा के लिए चयनित किया जाए.

अर्जुनी मोरगांव क्षेत्र में सूखे जैसी स्थिति नहीं है. एक ओर प्रशासन की ओर से जिले की पैसेवारी 95 बताई जा रही है. वहीं दूसरी ओर शासन द्वारा सूखा घोषित किया जा रहा है. सरकार ने सूखा घोषित करने के बजाय धान खरीदी केंद्र समय पर शुरू करने का कदम उठाना चाहिए था.

सुधाकर बालबुद्धे, किसान, नवेगांवबांध

इटियाडोह व नवेगांवबांध जैसे जलाशय

ओवर फ्लो हो चुके हैं. खेतों में धान की फसले लहलहा रहीं हैं और ऐसे में तहसील को सूखाग्रस्त की सूची में शामिल करना समझ के बाहर है. सरकार ने प्रति हेक्टेयर 50 क्विंटल धान की खरीदी कर किसानों को राहत पहुंचानी चाहिए.

ललित नाकाडे, किसान, कोरंभीटोला

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को अब मिलेंगे जूते-मोजे

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार ने अब जूते और मोजे खरीदने के लिए भी निधि उपलब्ध करा दी है. इससे पहले कक्षा पहली से 8वीं तक के विद्यार्थियों को गणवेश के दो जोड़े उपलब्ध कराने की योजना लागू की गई थी। अब इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को जूते और मोजे का एक जोड़ा भी दिया जाएगा. सरकार की ओर से जिले के कुल 74 हजार 290 विद्यार्थियों के लिए 1 करोड़ 26 लाख 29 हजार 300 रु. की निधि मंजूर की गई है. यह राशि तहसील स्तर पर उपलब्ध करा दी गई है और संबंधित स्कूलों में वितरण की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की जा रही है. सरकार की ओर से योजना के लिए निधि उपलब्ध कराने में देरी होने के कारण विद्यार्थियों को समय पर जूते और मोजे नहीं मिल सके. अब निधि प्राप्त होने के बाद संबंधित स्तर पर वितरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है. जानकारी के अनुसार, आगामी एक सप्ताह के भीतर विद्यार्थियों को जूते और मोजे वितरित किए जाने की संभावना है. हालांकि, वितरण कार्य निर्धारित समय में पूरा होता है या नहीं, यह संबंधित प्रशासन और स्कूलों की कार्यप्रणाली पर निर्भर करेगा.

स्थानीय स्वराज्य संस्था और सरकारी स्कूलों में कक्षा पहली से 8वीं तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को गणवेश के दो जोड़े उपलब्ध कराने की व्यवस्था है. हालांकि, शैक्षणिक सत्र शुरू होने के बाद भी विद्यार्थियों को समय पर गणवेश और अन्य आवश्यक सामग्री नहीं मिलने से योजना के क्रियान्वयन पर सवाल उठ रहे हैं. स्कूल शुरू होने के लगभग तीन महीने बाद भी वितरण प्रक्रिया पूरी नहीं होने की स्थिति में विद्यार्थियों को निर्धारित सुविधाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पाता. सरकार की ओर से विद्यार्थियों के लिए धनराशि उपलब्ध कराना एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसका वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब संबंधित विभाग समय पर खरीद और वितरण की प्रक्रिया पूरी करेंगे।

सुंदर हस्तलेखन प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। विद्यार्थियों में सुंदर व सुवाच्य हस्तलेखन की रुचि विकसित करने के उद्देश्य से मॉडल कॉन्वेंट गोरेगांव में सुंदर हस्तलेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई. प्रतियोगिता के विजेताओं को संस्था के सचिव व मुख्याध्यापक प्रा. आर. डी. कटरे तथा अन्य अतिथियों के हाथों पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया



गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की. अक्षरों की सुंदरता, सुवाच्यता, शब्दों के बीच उचित अंतर और लेखन की स्वच्छता के आधार पर प्रत्येक कक्षा के उत्कृष्ट तीन विद्यार्थियों का चयन किया गया. साथ ही अन्य प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहन पुरस्कार देकर उनका उत्साह बढ़ाया गया. इस अवसर पर विद्यार्थियों को नियमित लेखन अभ्यास, अनुशासन और स्वच्छता का महत्व बताया गया. कार्यक्रम में मैनजिंग डायरेक्टर वैभव कटरे, पर्यवेक्षक आर. बी. कोल्हे, शिक्षकवृंद व शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे.

मधुमक्खियों के हमले में तीन घायल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सालेकसा तहसील अंतर्गत ग्राम निंबा में मधुमक्खियों के काटने से तीन लोग घायल हो गए जिसमें पाउलदौना निवासी बालेश्वर शामलाल उइके (40), निंबा निवासी पंचफुला बावनथडे (60) और भुमेश्वर बिसेन का समावेश है. तीनों घायलों को शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में भर्ती किया गया. इस घटना को लेहर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

आमगांव-सालेकसा-चांदसूरज मार्ग बदहाल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मां कंकालीश्वरी के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु गोंदिया जिले से करीब 70 से 80 कि.मी. की पैदल यात्रा कर डोंगरगढ़ पहुंच रहे हैं. श्रद्धालुओं के मन में मां के प्रति अपार श्रद्धा है, लेकिन आमगांव-सालेकसा-चांदसूरज मार्ग की बदहाल स्थिति उनकी आस्था के इस सफर को कष्टदायक बना रही है. सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण पैदल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राज्य राजमार्ग क्र. 335 तीन राज्यों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है. इसके बावजूद सड़क की हालत बेहद खराब है. आमगांव से सालेकसा और चांदसूरज तक कई स्थानों पर सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे दिखाई देते हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं और पिछले वर्षों में कई लोग जान गंवा चुके हैं. झलिया से पानगांव के बीच सड़क पर आवागमन करना मुश्किल हो गया है. हाजरापाल पर्यटन स्थल के सामने घाट से गणेश मंदिर तक की सड़क की हालत दयनीय हो गई है. इससे पर्यटकों की आवाजाही और स्थानीय युवाओं के रोजगार पर भी असर पड़ रहा है. इसी मार्ग पर स्थित कचारगढ़ में फरवरी में आयोजित होने वाली यात्रा में विभिन्न राज्यों से लाखों आदिवासी श्रद्धालु पहुंचते हैं. जर्जर सड़क के कारण उन्हें भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वर्षों से विधायक, सांसद और सरकारें बदलती रहीं, लेकिन सड़क की समस्या जस की तस बनी हुई है. अब मां बमलेश्वरी के दर्शन के लिए पैदल जा रहे श्रद्धालुओं के पैरों में गड्ढों के कारण छाले पड़ रहे हैं. नागरिकों ने संबंधित प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से सड़क का तत्काल जीर्णोद्धार कराने की मांग की है.

जनसहभाग से वनराई बंधारे का निर्माण शुरू

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। ग्रामीण विकास के साथ जलसंरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के तहत ग्राम पंचायत बोदलबोडी की ओर से जनसहभागिता से वनराई बंधारे के निर्माण की पहल की गई. 21 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे राधेश्याम बहेकार के खेत के समीप इस उपक्रम की शुरुआत की गई. इसके माध्यम से बारिश के पानी को रोकने, भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने और खेती के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत अधिकारी आर. एम. रामटेके, सरपंच देवैंद्र उबरीचंद पटले, उपसरपंच हंसराज तुलाराम पंधरे, लघु सिंचाई विभाग के चव्हाण और निंबालकर तथा पंचायत समिति की विस्तार अधिकारी भारती एम. वाघमारे प्रमुखता से उपस्थित थे. वनराई बंधारे के निर्माण कार्य में ग्राम पंचायत सदस्य भूमेश्वर पाथोडे, पुरुषोत्तम फुले, लताबाई बहेकार, दुर्गाबाई पटले और वैशाली राऊत ने सहभागिता की. इसके अलावा जिला परिषद स्कूल के मुख्याध्यापक मेले, सहायक शिक्षक फरदे, शाला व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष रतिराम नाईक, रोजगार सेवक मधुकर नागपुरे, कंप्यूटर परिचालक प्रभु नागपुरे, कर्मचारी पुरणलाल बहेकार, जलापूर्ति कर्मचारी लिलाधर पाथोडे, सेवा सहकारी संस्था के अध्यक्ष लखनलाल बहेकार और सीआरपी सुनीता मेंढे उपस्थित थीं. रामेश्वर थेर, बाबूलाल शेंदरे, दिनदयाल हत्तीमारे और सहपराम तुमसरे सहित अन्य ग्रामीणों तथा मजदूरों ने भी इस कार्य में योगदान दिया।

भारतीय टीम आज न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में उतरेगी

क्राइस्टचर्च। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां अपने न्यूजीलैंड दौरे पर पहले टी20 मुकाबले में जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम को मेजबान टीम के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेलनी है। इस दौरे को भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि न्यूजीलैंड के हालातों में बेहतर प्रदर्शन करना खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती होगी। सीरीज के पहले मुकाबले की मेजबानी क्राइस्टचर्च करेगा, जहां दोनों टीमें जीत के साथ शुरुआत करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी। न्यूजीलैंड की तेज और उछाल भरी पिचों को देखते हुए भारतीय खिलाड़ी अभ्यास में लगे हैं। ऐसे हालातों में तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त सहायता मिल सकती है, जबकि बल्लेबाजों को उछाल और गति के अनुसार अपनी रणनीति बनानी होगी। भारतीय टीम के लिए शुरुआती मुकाबला सीरीज की दिशा



तय करने के लिहाज से अहम हो सकता है। वहीं, घरेलू हालातों का फायदा उठाकर न्यूजीलैंड की टीम भारतीय खिलाड़ियों पर दबाव बनाने का प्रयास भी करेगी।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो दोनों टीमें अब तक 29 बार आमने-सामने आई हैं। इनमें भारत ने 14 मैच जीते हैं, जबकि न्यूजीलैंड को 13 मुकाबलों में जीत मिली है। दो मैच टाई रहे या उनका कोई परिणाम नहीं निकल सका। यह रिकॉर्ड दोनों टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है। पांच मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम की नजर जीत के साथ शुरुआत करने और अपनी पिछली सीरीज के अनुभव से सीख लेकर बेहतर प्रदर्शन करने पर होगी। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की टीम अपने घरेलू मैदान पर भारत को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में है। उसे घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों टीम अब तक 29 बार आमने-सामने आ चुकी हैं, इनमें से भारत ने 14 और न्यूजीलैंड ने 13 मैच जीते हैं, जबकि दो मैच टाई रहे या उनका कोई परिणाम नहीं निकला।

दोनो टीमें इस प्रकार हैं :-

भारतीय टीम = श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव.

न्यूजीलैंड टीम = मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, बेवॉन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर।

अराफात के ऑलराउंडर प्रदर्शन से पाकिस्तान ने त्रिकोणीय सीरीज में इंग्लैंड को हराया

रावलपिंडी। युवा ऑलराउंडर अराफात मिन्हास के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज के दूसरे मुकाबले में 87 रनों की बड़ी जीत हासिल की है। अराफात ने इस मैच में गेंद और बल्ले दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाक टीम को जीत दिलायी।

रावलपिंडी में खेले गए इस मैच में अराफात ने पहले बल्लेबाजी में कमाल किया। पाक टीम ने जब महज 133 रन पर अपने 5 अहम विकेट खो दिये थे तब उतरे अराफात मिन्हास ने 59 रनों की अहम पारी खेलकर टीम के स्कोर को सम्मानजनक 302 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद गेंदबाजी में भी अराफात छाये रहे। इस स्पिनर ने अपनी फिरकी से इंग्लैंड के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं देते हुए केवल 40 रन देकर 6 विकेट ले लिये। जिससे इंग्लैंड की पूरी टीम 215 रन पर ही सिमट गयी और पाक टीम को एक बड़ी जीत मिल गयी।

अपने इस ऑलराउंड प्रदर्शन के साथ ही अराफात ने एकदिवसीय क्रिकेट में एक ही मैच में अर्धशतक लगाने और पांच या उससे अधिक विकेट लेने का दुर्लभ कारनामा किया है। इस उपलब्धि के साथ, वह पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफरीदी के उस खास क्लब में शामिल हो गए हैं, जहां बहुत कम खिलाड़ी पहुंच पाते हैं। पाकिस्तान के लिए 13 साल बाद किसी खिलाड़ी ने यह कमाल दिखाया है, इससे पहले आखिरी बार साल 2013 में अफरीदी ने ही वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

आईसीसी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेटर नंदनी और क्रांति ने लंबी छलांग लगायी

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा और क्रांति गौड़ ने लंबी छलांग लगायी है। जिम्बाब्वे के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन का लाभ इन्हें मिला है। इससे इनकी रैंकिंग में उछाल आया है। नंदनी 26 स्थानों की लंबी छलांग लगाकर 45वें पायदान पर पहुंच गई हैं। उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 507 रेटिंग अंक भी हासिल किए हैं। वहीं क्रांति गौड़ की रैंकिंग में सुधार आया है। क्रांति ने पहले टी20 में 16 रन देकर एक और दूसरे मुकाबले में 15 रन देकर एक विकेट लेकर कुल दो विकेट हासिल किए। इस प्रदर्शन के परिणामस्वरूप, वह नौ स्थान ऊपर आकर 43वें नंबर पर पहुंच गई हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच नॉर्थ सिडनी में खेले गए पहले टी20 मुकाबले के बाद बल्लेबाजी और गेंदबाजी रैंकिंग में भी कुछ बदलाव देखने को मिले। न्यूजीलैंड को भले ही इस मैच में दो विकेट से हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन उनकी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए नाबाद 85 रन की पारी खेली। उन्होंने मैडी ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए नाबाद 127 रन की साझेदारी भी की, प्लिमर ने अपने पिछले 54 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 16.16 की औसत से रन बनाए थे।

भुवनेश्वर की प्रशंसा करते हुए शमी बोले, उसकी वापसी पहले ही जो जानी चाहिये थी

मुम्बई। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने चार साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले भुवनेश्वर कुमार की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस तरह से भुवनेश्वर ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन किया है उससे उनकी वापसी पहले ही हो जानी चाहिये थी। भुवनेश्वर को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है, जो उनके लिए एक नई शुरुआत है।

शमी हालांकि खुद वापसी करने में विफल रहे हैं पर उनका मानना है कि भुवनेश्वर की वापसी से उनकी उम्मीदें थोड़ी बढ़ गई हैं। शमी के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह थोड़ी कठिन नजर आती है पर वह घरेलू क्रिकेट के महत्व पर लगातार जोर दे रहे हैं। उन्होंने कहा, घरेलू क्रिकेट से अपने को तैयार रखने में मदद मिलती है। पता नहीं कब कहां खेलने का मौका मिल जाए।

शमी रणजी ट्रॉफी 2026-27 के दूसरे मैच में बंगाल के लिए मैदान पर नहीं उतरे, जिसमें बंगाल ने सर्विसेज को 60 रनों से हराया। हालांकि, उनका बाहर बैठना खराब फॉर्म की वजह से नहीं था, बल्कि पिच के मिजाज और युवा खिलाड़ियों को अनुभव देने की रणनीति का हिस्सा था। शमी ने कहा, ऐसी विकेट पर मेरे खेलने का सवाल नहीं उठता। टीम में कई युवा हैं, जिन्हें अनुभव लेने की जरूरत है। मेरा उद्देश्य है कि जहां टीम को मेरी जरूरत होती है वहां अपना पूरा 100 प्रतिशत देना।

पुजारा ने 21वीं सदी के पांच सर्वश्रेष्ठ नंबर-3 टेस्ट बल्लेबाजों की सूची जारी की

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट क्रिकेट में विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर लोकप्रिय रहे चेतेश्वर पुजारा ने 21वीं सदी के पांच सर्वश्रेष्ठ टेस्ट नंबर-3 बल्लेबाजों की अपनी सूची जारी की है। हैरानी की बात है कि पुजारा ने इस सूची में अपने को शामिल नहीं किया है जबकि नंबर तीन पर बल्लेबाज करे हुए 103 टेस्ट मैचों में उनके नाम 7195 रन हैं।



पुजारा की इस विशिष्ट सूची में दक्षिण अफ्रीका के दो, जबकि श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के एक-एक खिलाड़ी शामिल हैं। उन्होंने अपने पांच पसंदीदा नंबर-3 बल्लेबाजों के रूप में भारत के राहुल द्रविड़, ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर जैक कैलिस और उनके हमवतन बल्लेबाज हाशिम अमला, तथा श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को चुना। जब उन्हें इन्हीं दिग्गजों में से शीर्ष तीन चुनने के लिए कहा गया, तो पुजारा ने भारतीय द वॉल राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और हाशिम अमला का नाम लिया। टेस्ट क्रिकेट में नंबर-3 पर सर्वाधिक रन बनाने के मामले में श्रीलंका के कुमार संगकारा (207 पारियों में 11679 रन) शीर्ष पर हैं, जबकि भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ (219 पारियों में 10524 रन) दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग (196 पारियों में 9904 रन) तीसरे स्थान पर हैं। हाशिम अमला ने भी 174 पारियों में 7993 रन बनाए हैं। स्वयं चेतेश्वर पुजारा का नंबर-3 पर प्रदर्शन भी बेहतरीन रहा है। उन्होंने इस स्थान पर 155 पारियों में 44.41 की शानदार औसत से 6529 रन बनाए हैं और टेस्ट में बनाए गए अपने 19 शतकों में से 18 इसी पोजीशन पर जड़े हैं। आंकड़ों के अनुसार, नंबर-3 पर सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में पुजारा छठे पायदान पर हैं, जो उनके आत्म-निराकरण के बावजूद उनकी काबिलियत को दर्शाता है। जैक कैलिस, जो पुजारा की सूची में शामिल हैं, ने नंबर-3 पर 78 पारियों में 3335 रन बनाए हैं, लेकिन उनकी ऑलराउंडर क्षमताओं ने उन्हें इस सूची में जगह दिलाई होगी। पुजारा का यह निर्णय उनके विनम्र स्वभाव को दर्शाता है, लेकिन उनके आंकड़े और खेल शैली उन्हें इस विशिष्ट समूह में एक मजबूत दावेदार बनाती है। पुजारा को पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ की विकेट पर टिककर खेलने की खूबी के कारण उनके जैसे ही भरोसेमंद बल्लेबाज माना जाता हैवहीं जब उनसे 21वीं सदी के टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ नंबर-3 बल्लेबाजों में खुद के स्थान के बारे में पूछा गया, तो पुजारा ने स्पष्ट कहा कि वह शीर्ष 20 या शीर्ष 10 में तो खुद को शामिल करेंगे, लेकिन शीर्ष 5 में नहीं। उनका यह बयान क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के लिए आश्चर्यजनक था, क्योंकि नंबर-3 पर उनकी बल्लेबाजी तकनीक, अद्वितीय धैर्य और लंबी पारियां खेलने की क्षमता उन्हें इस स्थान के लिए आदर्श बनाती है।

सवाल पूछने की क्षमता के कारण ही मिली सफलता - अभिनव बिंद्रा

नई दिल्ली। ओलंपिक में भारत की ओर से व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा है कि किसी की सफलता का एक बड़ा कारण अधिक से अधिक सवाल पूछने की क्षमता थी। इसी से वह अपने खेल कौशल को बेहतरा बनाने में सफल रहे। इसलिए बिंद्रा ने सभी उभरते हुए खिलाड़ियों से कहा है कि वह अधिक से अधिक सवाल पूछें। उन्होंने कहा कि देश को ऐसे खिलाड़ियों की ही आवश्यकता है जो केवल बताये गये निर्देश पर चलने की जगह तय प्रक्रिया और ढांचे पर भी सवाल उठाये और बेहतर हासिल करने का प्रयास करें।



सोशल मीडिया पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए बिंद्रा ने अपनी खेल यात्रा का एक अहम पहलू साझा किया। उन्होंने लिखा, मेरे पूरे खेल करियर में, मैंने अपने कोचों से सवाल पूछे, उनके सुझावों को चुनौती दी और अपनी उत्सुकता को कभी मरने नहीं दिया। मैंने ऐसा इसलिए नहीं किया कि मैं उनका अनादर करता था, बल्कि इसलिए कि मैं हर बात को समझकर सीखना चाहता था। उनकी यह सलाह युवा एथलीटों के लिए एक प्रेरणा है कि वे केवल निर्देशों का पालन करने के बजाय सक्रिय रूप से अपनी समझ विकसित करें। उन्होंने आगे अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, मुझे यह बात चिंतित करती है कि जब खिलाड़ियों को लगता है कि वे खुलकर अपनी बात नहीं रख सकते, तो समय के साथ एक कहीं अधिक चिंताजनक स्थिति पैदा हो जाती है। वे धीरे-धीरे अपने मन में भी सवाल पूछना बंद कर देते हैं। बिंद्रा ने चेतावनी दी कि जब ऐसा होता है, तो हम खेल में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आवश्यक एक बहुत ही अहम चीज खो देते हैं। वह है सीखने की निरंतर प्रक्रिया और आलोचनात्मक सोच की क्षमता। यह स्थिति न केवल व्यक्तिगत खिलाड़ी के लिए हानिकारक है, बल्कि पूरे खेल समुदाय के विकास को भी बाधित करती है।

बिंद्रा ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमें ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो अपने काम, अपने कोचों और उन्हें बताई गई प्रक्रिया पर सवाल उठा सकें। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सवाल उठाना किसी विद्रोह या अनुशासनहीनता का प्रतीक नहीं होना चाहिए, बल्कि बेहतर प्रदर्शन की वास्तविक इच्छा से प्रेरित होना चाहिए। कुछ लोग इसे अनुशासनहीनता मान सकते हैं, लेकिन बिंद्रा के अनुसार, यह खेल और खिलाड़ी के व्यक्तिगत विकास के लिए नितांत आवश्यक है। उन्होंने अंत में एक महत्वपूर्ण अंतर पर प्रकाश डालते हुए कहा, सीखने की इच्छा छोड़ देने वाले खिलाड़ी और सवाल पूछना बंद करने वाले खिलाड़ी में एक बड़ा फर्क होता है। इस अंतर को समझना बेहद जरूरी है। बिंद्रा का यह आह्वान भारतीय खेलों में एक नई सोच को बढ़ावा दे सकता है, जहां खिलाड़ियों को अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए रचनात्मक रूप से चुनौती देने और सवाल पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

न्यूजीलैंड में पिछले सात साल से कोई टी20 नहीं हारी है भारतीय टीम

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम अभी न्यूजीलैंड दौरे पर है। इस दौरे में वह गुरुवार से पांच टी20 मैचों की सीरीज के पहले मैच में उतरेगी। इस सीरीज को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतना रहेगा। इस दौरे से ठीक पहले एक ऐसा आंकड़ा सामने आया है जिससे भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। वह ये है कि भारतीय टीम पिछले सात साल से न्यूजीलैंड में कोई भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं हारी है। भारतीय टीम को साल 2019 के बाद से ही न्यूजीलैंड में एक भी टी20 मैच में हार नहीं मिली है, जिससे खेल में उसके दबदबे का अंदाजा होता है।

भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना अंतिम टी20 मैच साल 2026 टी20 विश्व कप फाइनल में खेला था, तब उसे खिताबी जीत मिली थी। न्यूजीलैंड में भारतीय टीम का टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह रिकॉर्ड दिखता है कि वह मेजबान टीम पर हावी रही है। वहीं अगर भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के आंकड़ों की बात करें तो दोनों देशों के बीच अब तक कुल 31 मैच खेले गए हैं। इन मुकाबलों में भारतीय टीम का पलड़ा साफ तौर पर भारी रहा है। भारत ने 19 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि कीवी टीम केवल 11 मुकाबलों में ही बाजी मार पाई है। दोनों के बीच एक मैच टाई भी रहा है।जब बात न्यूजीलैंड की धरती पर टी20 अंतरराष्ट्रीय में दोनों देशों के आंकड़ों की आती है, तो यह और भी दिलचस्प हो जाता है। न्यूजीलैंड में अब तक कुल 12 मैच खेले गए हैं। इनमें से भारत ने 5 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि मेजबान टीम को 4 मैचों में सफलता मिली है। तीन मैच टाई भी रहे हैं, जिनमें से दो मैचों में भारत ने सुपर ओवर में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की थी, जबकि एक सुपर ओवर भी टाई रहा था। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि कठिन हालातों भी भारतीय टीम ने कैसे धैर्य और कौशल का प्रदर्शन किया है। न्यूजीलैंड में भारतीय टीम को अंतिम बार हार का सामना 10 फरवरी 2019 को हेमिल्टन में करना पड़ा था। तब न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 212 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

पांड्या से मिलने मुम्बई से बेंगलुरु तक पैदल पहुंचा प्रशंसक

बेंगलुरु। अपने पसंदीदा क्रिकेटर की एक झलक पाने के लिए प्रशंसक कितने जुनूनी होते हैं। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या से मिलने के लिए एक प्रशंसक मुम्बई से बेंगलुरु तक पैदल पहुंच गया। रवि मुंबई से बेंगलुरु तक 1,000 किलोमीटर से अधिक पैदल चलकर अपने पसंदीदा खिलाड़ी हार्दिक पांड्या से मिलने पहुंचे। वह अंत में बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे, जहां उन्हें हार्दिक पांड्या से मिलने का अवसर मिला। इस मुलाकात का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जो प्रशंसक की दीवानगी को दिखाता है।

हार्मर ने स्टेन का 9 वें नंबर पर सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकार्ड तोड़ा

गकेबरहा । दक्षिण अफ्रीकी ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में अपनी शानदार बल्लेबाजी से सभी को हैरान कर दिया। अपनी स्पिन गेंदबाजी से बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी करने वाले हार्मर ने इस बार बल्ले से कमाल दिखाते हुए 82 रन बनाकर अपनी टीम को संकट से निकालने के साथ ही अपने ही देश के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन का 9 वें नंबर पर सबसे अधिक रन बनाने का 18 साल पुराना एक रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। स्टेन ने साल साल 2008 में मेलबर्न टेस्ट के दौरान 76 रनों की पारी खेली थी।

यहां तीसरी दिन के खेल में हार्मर ने 91 गेंदों पर 10 बेहतरीन चौके और एक बड़ा छक्का लगाया। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नंबर-9 या उससे निचले क्रम पर किसी भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया यह अब तक का सबसे अधिक स्कोर है। स्टेन ने साल 2008 में मेलबर्न टेस्ट के दौरान इसी 9 वें नंबर पर खेलते हुए 76 रनों की पारी खेली थी। हार्मर ने ये पारी तब खेली जब उनकी टीम ने पहली पारी में 110 रनों पर ही 6 विकेट खो दिये थे।

ऐसे समय में कप्तान टेम्बा बावुमा ने मार्को जानसेन के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 132 रनों की एक महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिसने टीम को थोड़ी राहत दी। जानसेन 85 रन बनाकर पवेलियन लौटे, लेकिन इसके बाद साइमन हार्मर ने धैर्य और दृढ़ता दिखाते हुए कप्तान बावुमा का बेहतरीन साथ दिया। दोनों ने आठवें विकेट के लिए 183 रनों की एक अविस्मरणीय साझेदारी कर डाली।

वैभव को अभी जगह के लिए इंतजार करना होगा - श्रेयस

क्राइस्टचर्च। भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने साफ कर दिया है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शायद ही खेलने का अवसर मिल पाये। अय्यर ने इसका कारण बताते हुए कहा है कि अभी जो बल्लेबाज शीर्ष क्रम में खेल रहे हैं उनका प्रदर्शन काफी अच्छा है, ऐसे में वैभव को अवसर देने किसी को बाहर नहीं किया जा सकता है। इसलिए उसे अभी अपने अवसर की प्रतीक्षा करनी होगी। साथ ही कहा कि इस दौरान उसे न्यूजीलैंड के चुनौतीपूर्ण हालातों को समझने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कप्तान ने साफ तौर पर कहा कि वह सीधे टीम में नहीं आ सकते, क्योंकि उन्हें अभी और अनुभव की आवश्यकता है।

वैभव ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण तो कर लिया है पर उन्हें अब तक बहुत कम अवसर मिले हैं। इंग्लैंड में पदार्पण करने के बाद उन्होंने जिम्बाब्वे में भी खेला, लेकिन इसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में उन्हें बेंच पर बैठना पड़ा। एशियाई खेलों में उन्हें खेलने का मौका मिला, हालांकि वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू धरती पर खेली गई सीरीज में भी इस बल्लेबाज को अवसर नहीं मिला।

गूच सहित इन खिलाड़ियों ने बनाये हैं एक ही टेस्ट में सबसे अधिक रन

लंदन। विश्व क्रिकेट इतिहास में टेस्ट क्रिकेट में कई खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाये हैं। टेस्ट क्रिकेट में अब तब एक ही मैच में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड पांच बल्लेबाजों के नाम है। इस सूची में इंग्लैंड के ग्राहम गूच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा और भारत के शुभमन गिल भी शामिल हैं।

ग्राहम गूच = ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान पर 26 जुलाई 1990 को भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए इस मुकाबले में गूच ने भारतीय टीम के खिलाफ पहली पारी में 333 जबकि दूसरी पारी में में 123 रन बनाये। एक ही टेस्ट मैच में 333 और 123 रन बनाकर कुल 456 रन दर्ज करने का ग्राहम गूच का यह विश्व रिकॉर्ड आज भी टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक मैच में सर्वाधिक रनों का रिकॉर्ड है, जिसे पिछले 36 सालों से कोई बल्लेबाज तोड़ नहीं पाया है।

शुभमन गिल = वहीं इस सूची में दूसरा स्थान भारत के युवा सितारे शुभमन गिल के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2 जुलाई 2025 को बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मुकाबले में शुभमन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 269 रन जबकि दूसरी पारी में 161 रन बनाये। मैच में कुल 430 रन (269 और 161) बनाकर शुभमन गिल ने टेस्ट इतिहास में एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल किया।



मार्क टेलर = तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर हैं, टेलर ने 15 अक्टूबर 1998 को पेशावर में पाकिस्तान के खिलाफ कप्तानी के साथ ही बल्लेबाज में भी रिकार्ड बनाया। पहली पारी में टेलर 334 रनों पर नाबाद रहे। इसके बाद दूसरी पारी में भी उन्होंने 92 रन जोड़े। मार्क टेलर का यह 426 रनों (नाबाद 334 और 92) का संयुक्त प्रयास टेस्ट क्रिकेट के सबसे यादगार मैच आंकड़ों में गिना जाता है।

कुमार संगकारा = श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा ने 4 फरवरी 2014 को चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में 319 वहीं दूसरी पारी में 105 रन बनाये। संगकारा ने कुल 424 रनों के साथ ही सूची में चौथा स्थान हासिल किया।

ब्रायन लारा = इस सूची में पांचवें स्थान पर वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा रहे। उन्होंने 10 अप्रैल 2004 को सेंट जॉन्स में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही पारी में नाबाद 400 रन बनाकर इतिहास रचा था। हालांकि उन्हें दूसरी पारी में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन उनकी यह अकेली 400 रनों की पारी टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर के रूप में आज भी दर्ज है।

जिम्बाब्वे सबसे अधिक मैच हाने वाली महिला क्रिकेट टीम बनी

रायपुर । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां हुए तीसरे टी20 मैच में भी जिम्बाब्वे को 92 रनों से हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 से स्पष्ट जीत हासिल की है। इससे जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीम के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड भी जुड़ गया है जिससे वह भूलना चाहेगी। ये जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीम की लगातार 23वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय हार थी, इसके साथ ही वह सबसे अधिक मैच हारने वही पूर्ण सदस्य देशों की टीमों में नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं इस सूची में दूसरे नंबर पर बांग्लादेश का नाम आता है, जिसे 2012-2014 के दौरान लगातार 15 मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। आयरलैंड की टीम 14 हार के साथ ही तीसरे नंबर पर जबकि दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका जैसी टीमें चौथे और पांचवे नंबर पर हैं। इन टीमों ने अपने खेल के शुरुआती दौर में 2008-2010 के बीच लगातार 13-13 टी20 मैचों में हार का सामना किया है।

इस सूची में साल 2018-2019 के बीच भारतीय टीम को लगातार 7 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। यह आंकड़ा जिम्बाब्वे के वर्तमान रिकॉर्ड से काफी पीछे है। जिम्बाब्वे की महिला टीम पहली बार भारत के दौरे पर आई थी और इस सीरीज से उन्हें काफी उम्मीदें थीं। पहले मुकाबले में उन्होंने भारतीय टीम को कड़ी टक्कर दी थी, लेकिन अंतत: भारत ने वह मैच 4 विकेट से अपने नाम कर लिया था। इसके बाद के दोनों मुकाबले एकतरफा साबित हुए, जहां दूसरे टी20 में भारत ने 9 विकेट से जीत दर्ज की और तीसरे में 92 रनों की विशाल जीत के साथ सीरीज पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया।

जयकारों, ढोल-नगाड़ों और नम आंखों के बीच मां दुर्गा को विदाई, बालाघाट में विसर्जन का दौर जारी

विजयादशमी से शुरू हुआ प्रतिमा विसर्जन का सिलसिला, मंगलवार और बुधवार को नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक निकलीं भव्य विसर्जन यात्राएं

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। शक्ति की आराधना और भक्ति के महापर्व शारदीय नवरात्र के नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा-अर्चना, आराधना और विभिन्न धार्मिक आयोजनों के बाद विजयादशमी से जिले में प्रतिमा विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया है। मंगलवार और बुधवार को जिला मुख्यालय सहित जिले के विभिन्न तहसील क्षेत्रों और ग्रामीण अंचलों में श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ मां जगत जननी को विदाई दी। नौ दिनों तक माता रानी की भक्ति में डूबे रहे दुर्गा पंडालों में विसर्जन के दौरान उत्साह और भावुकता का मिला-जुला माहौल देखने को मिला। सुबह से लेकर देर शाम तक नगर के विभिन्न पूजा पंडालों से प्रतिमाओं की विसर्जन यात्राएं निकाली गईं। इन यात्राओं में शामिल श्रद्धालु गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों की धुन पर नाचते-गाते हुए आगे बढ़ते रहे। चारों ओर मां दुर्गा के जयकारे गूंजते रहे, वहीं श्रद्धालु एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर पर्व की खुशियां बांटते नजर आए। विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती करने के बाद प्रतिमाओं को निर्धारित विसर्जन स्थलों तक ले जाया गया, जहां धार्मिक परंपराओं के अनुसार उनका विसर्जन किया गया। विजयादशमी के दिन विसर्जन का क्रम शुरू होने के



बाद मंगलवार और बुधवार को कई समितियों ने अपनी प्रतिमाओं को विदाई दी, जबकि कुछ समितियों ने गुरुवार को विसर्जन करने की तैयारी की है। ऐसे में नगर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिमा विसर्जन का सिलसिला आगामी दिनों में भी जारी रहने की संभावना है।

नवरात्र के दौरान नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक स्थापित दुर्गा पंडाल नौ दिनों तक भक्तिमय वातावरण से गुलजार रहे। प्रथम तिथि से ही पंडालों में मां दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना का क्रम शुरू हो गया था, जो नवमी और दशमी तक विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ चलता रहा। कहीं हवन-पूजन और महाआरती का आयोजन किया गया तो कहीं भजन-कीर्तन, जसगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से माता रानी की आराधना की गई। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। विजयादशमी पर पूजा संपन्न होने के बाद विसर्जन से पहले समितियों और श्रद्धालुओं ने पंडालों में मां की आरती उतारी, प्रसाद अर्पित किया और परिवार सहित समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद मां को विदाई देने की तैयारी शुरू हुई। पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया, वहीं युवाओं और बच्चों में विसर्जन यात्रा को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। ढोल-ताशों और नगाड़ों की थाप पर थिरकते श्रद्धालु माता रानी के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। कहीं प्रतिमाओं को ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य वाहनों में सजाकर ले जाया गया तो कहीं भक्त पैदल ही जयकारे लगाते हुए विसर्जन स्थलों तक पहुंचे। जलाशयों और विसर्जन कुंडों पर पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने मां की अंतिम आरती की, अपनी भूल-चूक के लिए क्षमा मांगी और अगले वर्ष फिर से आगमन की प्रार्थना करते हुए प्रतिमाओं का विसर्जन किया। मां की विदाई के इस भावुक क्षण में जहां श्रद्धालु भक्ति और उल्लास में झूमते नजर आए, वहीं कई भक्तों की आंखें नम हो गईं। नौ दिनों तक घर-परिवार और पंडालों में मां की उपस्थिति का अनुभव करने वाले श्रद्धालुओं के लिए विदाई का पल भावनाओं से भरा रहा। प्रतिमा विसर्जन के दौरान प्रशासन और पुलिस की ओर से भी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए गए। नगर के विभिन्न विसर्जन स्थलों, जलाशयों और विसर्जन कुंडों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई, ताकि श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। विसर्जन के लिए पहुंचने वाले भक्तों को जलाशयों में अधिक गहराई तक जाने से रोका गया और सुरक्षित स्थानों पर ही धार्मिक प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए समझाइश दी गई। प्रतिमाओं के साथ पहुंचने वाली विसर्जन यात्राओं के दौरान भी पुलिसकर्मी सुरक्षा और व्यवस्था पर नजर रखते दिखाई दिए। त्योहार के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के एक साथ विसर्जन स्थलों पर पहुंचने के कारण सतर्कता बरतना जरूरी रहा। प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया और सुख-शांति, समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। दशहरा से शुरू हुआ यह सिलसिला अब गुरुवार तक जारी रहने की संभावना है, क्योंकि नगर मुख्यालय और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की अनेक समितियां अपनी परंपराओं और सुविधानुसार अलग-अलग दिनों में प्रतिमाओं का विसर्जन कर रही हैं। शारदीय नवरात्र के नौ दिनों तक भक्ति, श्रद्धा और उत्साह से सराबोर रहे दुर्गा पंडालों में अब विदाई का माहौल है। मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ ही नवरात्र पर्व का धार्मिक आयोजन संपन्न हो रहा है, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति का भाव बरकरार है। मां के जयकारों के बीच भक्तों ने अगले वर्ष फिर आने का निमंत्रण देते हुए भावुक मन से विदाई दी।

गंज समिति में हवन पूजन एवं देवी जागरण का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। शक्ति की भक्ति का महापर्व शारदेय नवरात्रा पर्व लालबर्रा विकासखण्ड की सबसे पुरानी समिति श्रीगणेश नवदुर्गा उत्सव समिति गंज लालबर्रा के द्वारा नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग स्थित राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स प्रांगण में शारदेय नवरात्र पर्व के प्रथम दिन माँ जगदम्बे की प्रतिमा विराजित कर भक्तिभाव के साथ नवरात्र पर्व मनाया गया। शारदेय नवरात्र पर्व के नवमीं पर भव्य देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मशहूर भजन गायिका पूजा गोल्हानी के द्वारा एक से बढ़कर एक देवी भजनों की प्रस्तुती दी गई और उपस्थित श्रध्दालुओं ने देरात्रि का देवी जागरण कार्यक्रम का आनंद लिये। वहीं देवी भजनों पर उपस्थित श्रध्दालु नृत्य भी किये। वहीं शारदेय नवरात्र पर्व के दसवे दिन 20 अक्टूबर को हवन-पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बनारस से पधारे 3 आचार्यों के द्वारा यजमान एवं सपत्निक की उपस्थिति में संपन्न करवाया है और उक्त कार्यक्रम में श्रध्दालुजन एवं समिति के पदाधिकारियों के द्वारा हवन कुण्ड में आहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात महाआरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही शारदेय नवरात्र पर्व के अवसर पर रोजाना रात्रि के समय गरबा नृत्य का भी आयोजन किया गया जिसमें महिलाएं एवं युवती गरबा नृत्य कर माँ दुर्गा जी को प्रसन्न कर आशीर्वाद प्राप्त की है एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। वहीं 21 अक्टूबर को शोभायात्रा निकालकर प्रतिमा का विसर्जन किया गया। श्रीगणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 75 वर्षों से लालबर्रा गंज समिति द्वारा माँ दुर्गा जी की प्रतिमा स्थापित कर शारदेय नवरात्रा पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है एवं नवमीं के दिन 19 अक्टूबर की रात में भव्य देवी जागरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। 20 अक्टूबर को हवन-पूजन संपन्न होने के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया एवं 21 अक्टूबर को बैंडबाजे के साथ माता-रानी की शोभायात्रा निकालकर नगर भ्रमण कर वैनगंगा नदी में प्रतिमा विसर्जित कर शारदेय नवरात्र पर्व का समापन किया गया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं श्रध्दालुजनों का सराहनीय योगदान रहा।



असत्य पर सत्य की जीत के रूप में मनाया गया विजयादशमी पर्व

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। असत्य पर सत्य की जीत, और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व मंगलवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में धार्मिक परंपराओं, पूर्ण विधिविधान व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जहा इस पर्व मे विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर अहंकार रूपी रावण के पुतले का प्रभु श्रीराम के प्रतीक द्वारा वध कर दहन किया गया।इसी कड़ी में जिला मुख्यालय से महज 5 किमी दूर ग्राम पंचायत भरवेली के हीरापुर स्थित श्री रामकृष्ण बजरंग मंदिर विष्णु धाम इमली टेकरा में भी इस पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया।जहां विष्णु धाम इमली टेकरा मंदिर से चल समारोह निकाला गया जो जय श्रीराम और जय वीर महावीर के जयघोष के साथ इमली टेकरा मंदिर से भरवेली मैदान पहुँचा।जहां अहंकारी स्वरूप रावण के पुतले का दहन किया गया।

चल समारोह रहा मुख्य आकर्षण का केंद्र

भरवेली के हीरापुर स्थित श्री रामकृष्ण बजरंग मंदिर विष्णु धाम इमली टेकरा परिसर में आयोजित इस विजयदशमी पर्व पर निकाला गया चल समारोह मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा।मन्दिर प्रागण में नीलेश महाराज ने हनुमान जी का मुकुट व चोला धारण कर चल समारोह में भाग लिया।जिन्होंने झांकी रथ पर विराजमान भगवान राम ,लक्ष्मण, और बाल स्वरूप हनुमानजी का आशीर्वाद ग्रहण कर चल समारोह की शुरुवात की। इमली टेकरा से निकाला गया यह चल समारोह हीरापुर चौक होते हुए, मुंडीमाई, भरवेली मायल दुर्गा चौक मैदान पहुँचा।जहां अहंकारी स्वरूप रावण के पुतले का दहन किया गया।इस दौरान लोग एक दुसरे को विजयादशमी पर्व की बधाई देते नजर आए।

आकर्षक रथ पर निकाली गई भगवान राम लक्ष्मण, और बाल हनुमान की झांकी

भरवेली के हीरापुर इमली टेकरा में आयोजित इस चल समारोह में भगवान राम लक्ष्मण,और बाल हनुमान की झांकी आकर्षक



रथ पर निकाली गई। जिसमें स्थानीय छोटे बच्चों ने भगवान राम, भ्राता लक्ष्मण और बाल हनुमान की वेशभूषा धारण कर इस आयोजन को सफल बनाया।जिन्होंने इस चल समारोह में निकाली गई झांकी में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। आकर्षक झांकी के साथ निकाले गए चल समारोह में नीलेश महाराज ने हनुमान जी का चोला धारण कर कार्यक्रम में भाग लिया।जिन्होंने चल समारोह के दौरान रास्ते मे प?ने वाले हीरापुर शिव मंदिर, हनुमान मंदिर, मुंडीमाई स्थित दुर्गा मंदिर, मुंडीमाई मन्दिर, नया राम मंदिर सहित अन्य मंदिरों में पूजा कर शीश नमन कर भगवान का आशीर्वाद लिया। जहां भरवेली दुर्गा मैदान आकर पिछले कई वर्षों से चली आ रही परंपरा को निभाते हुए अहंकारी स्वरूपी रावण के पुतले का दहन किया गया।

दुर्गा मैदान मे रावण दहन देखने उमडा जन-सैलाब

बात अगर दशहरा पर्व पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की करें तो दशहरा पर्व पर भरवेली दुर्गा मैदान में भव्य रुप से कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।जहा हर साल की तरह इस साल भी भरवेली दुर्गा मैदान में रावण दहन समारोह का आयोजन धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ किया गया।जहां दुर्गा मैदान में रावण का पुतला बनाकर इमली टेकरा परिसर से चल समारोह का आयोजन हुआ।जहां भव्य चल समारोह में शामिल लोग विभिन्न मार्गों का गस्त करते हुए भरवेली दुर्गा मैदान पहुंचे।जहां अहंकारी स्वरूपी रावण के पुतले का दहन किया गया। इस अवसर पर भरवेली दुर्गा मैदान में विजयदशमी पूर्व पर भारी भी? नज़र आई।जिन्होंने इस मनोहर दृश्य को अपने मोबाइल कैमरे में कैद किया। वही मैदान परिसर में लगे मेले की विभिन्न दुकानो मे भी जन सैलाब उमडा दिखाई दिया।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम नजर आए।जहां चल समारोह स्थल, और दुर्गा मैदान में किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोकने के लिए पुलिस और मायल के सुरक्षाकर्मी चप्पे चप्पे पर तैनात रहे।जहां पूर्ण विधि विधान के साथ रावण दहन की रस्म अदा की गई। जहां रावण दहन के साथ ही लोगों ने एक दूसरे को दशहरा पर्व की बधाई दी और देर शाम कार्यक्रम का समापन किया गया।

नवदुर्गा उत्सव समिति में 50 क्विंटल के विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज़। वारासिवनी। नगर में विजयदशमी पर्व के अवसर पर अपार जन समुदाय के लिए नगर के विभिन्न स्थानों पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें जगह,जगह लोगों ने अपने स्टाल लगाकर जनसमुदाय को भंडारा का वितरण किया। इस दौरान देखने में आया कि नगर में करीब एक दर्जन स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया जाता रहा। परंतु इसमें प्रमुख रूप से नवदुर्गा उत्सव समिति का भंडारा रहा जहाँ हजारों लोगों ने मां भगवती का प्रसाद ग्रहण किया।

सिविल क्लब में वितरित हुआ विशाल भण्डारा

नगर के सिविल क्लब नवदुर्गोत्सव समिति के तत्वाधान में विधि.विधान से पूजन अर्चन कर माँ जगदम्बे की प्रतिमा विराजित कर नवरात्र पर्व आस्थापूर्वक मनाया गया। जहां १९ अक्टूबर को हवन पूजन कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसके बाद २० अक्टूबर को विजयादशमी पर्व के अवसर पर समिति के द्वारा विशाल भण्डारा का आयोजन किया गया। इसमें नगर सहित क्षेत्र से पहुंचे श्रध्दालुओं ने भण्डारा ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। विदित हो कि प्रतिवर्ष समिति के द्वारा मातारानी के भक्तों के लिये दशहरा पर्व में विशाल भण्डारा का आयोजन किया जाता है जो इस वर्ष भी किया गया। जिसमें हजारों भक्तजनों ने भण्डारा रूपी महाप्रसादी ग्रहण कर माता रानी का आशिर्वाद प्राप्त किये। इस दौरान ५० क्विंटल से भी अधिक का भंडारा बनाया गया जो देर रात तक चलता रहा। जिसमें करीब २०००० से अधिक लोगो ने प्रसादी ग्रहण किया। इस अवसर पर नवदुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा सहित समिति पदाधिकारी के द्वारा लोगों को भंडारा वितरण किया गया।



25 अक्टूबर को भव्य बॉलिवुड नाइट-संजय सिंह कछवाहा

अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने बताया की नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब का यह २३ वां वर्ष था जिसमें प्रतिवर्ष कार्यक्रम अपनी भव्यता की ओर जा रहा है। हमारा दशहरा का सबसे बड़ा कार्यक्रम भंडारे का रहता है जो इस वर्ष भी किया गया जिसमें ५० से अधिक क्विंटल का पूरा भंडारा होता है और २० से हजार अधिक लोग हर वर्ष भंडारा ग्रहण करते हैं इस वर्ष भी यह भंडारा आयोजित किया गया। लगातार भव्य कार्यक्रम करने का कार्य हमारे द्वारा किया जा रहा है इस बार जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर मां भगवती का दरबार सजाया गया। ९ दिन माता की आराधना के साथ बाहर से आए कलाकारों ने ९ दिन गरबे की प्रस्तुति दी जिसमें हजारों लोगों ने शामिल होकर गरबे के माध्यम से मां भगवती की आराधना करें। यह दशहरे के विशाल भंडारे का आयोजन है इसके बाद शरद पूर्णिमा को हमारा एक सबसे बड़ा कार्यक्रम बॉलीवुड नाइट का होता है। जिसमें इस वर्ष हिंदी फिल्मी गीत गायक विनोद राठौड़ और उनके साथ दो नए कलाकार आ रहे हैं इस दौरान समिति का लकी ड्रा खोला जाना है। नगर सहित क्षेत्र के लोगों से अपील है कि वह आधिकाधिक संख्या में २५ अक्टूबर को अवंतीबाई स्टेडियम पहुंच कर कार्यक्रम का आनंद ले।

बिरसोला-नादी के बीच दो मोटरसाइकिलों में भिड़ंत- दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम बिरसोला और नादी के बीच दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस सड़क दुर्घटना में दोनों मोटरसाइकिलों पर सवार दो युवक घायल हो गए। दोनों घायल जिनमे ओमेंद्र पिता रामप्रसाद मांदरे 27 वर्ष ग्राम पिपरिया,थाना तिरोड़ी निवासी तथा मनीष पिता नीलाजी बिसेन 22 वर्ष निवासी ग्राम झंझांगी थाना कटंगी निवासी है। दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसारओमेंद्र मांदरे मजदूरी का काम करते हैं जबकि मनीष बिसेन दूध का व्यवसाय करते हैं। 20 अक्टूबर को मनीष बिसेन मोटरसाइकिल से डीजल लेने के लिए नादी स्थित पेट्रोल पंप जा रहे थे। वहीं ओमेंद्र मांदरे मोटरसाइकिल से नंदलेसरा की ओर जा रहे थे।इसी दौरान ग्राम बिरसोला और नादी के बीच दोनों की मोटरसाइकिलें आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों मोटरसाइकिल सवार युवक घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए कटंगी अस्पताल ले जाया गया।कटंगी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों युवकों की बेहतर चिकित्सा के लिए उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया. जहां उनका उपचार जारी है।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर 21 अक्टूबर को पुलिस लाइन बालाघाट में कार्यक्रम आयोजित कर कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए पुलिस एवं सुरक्षा बलों के जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुलिस महानिरीक्षक ललित कुमार शक्यवार के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में शहीद जवानों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने 01 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक की अवधि में देशभर में कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए पुलिस, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, सीमा सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के 154 जवानों की सूची का वाचन किया। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं पुलिस जवानों ने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में विधायक मधु भगत, कलेक्टर आदित्य सिंह, जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण, नगर पुलिस अधीक्षक अभिषेक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतेश भार्गव, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, वनमंडलाधिकारी नित्यानंदम एल, बैहर एसडीएम अनिकेत शांडिल्य, बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी, पूर्व विधायक डॉ. योगेन्द्र निर्मल, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी, समाजसेवी श्री ऋषभदास वैद्य सहित अन्य गणमान्य नागरिक, अधिकारी एवं पुलिस जवान उपस्थित थे।

10 जवानों की शहादत की स्मृति में मनाया जाता है पुलिस स्मृति दिवस

उल्लेखनीय है कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख क्षेत्र में चीनी सैनिकों के हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 जवान शहीद हो गए थे। इन वीर जवानों की शहादत की स्मृति में प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर देशभर में पुलिस एवं विभिन्न सुरक्षा बलों के उन जवानों को श्रद्धांजलि दी जाती है, जिन्होंने देश की सुरक्षा और कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों का बलिदान दिया। इस कार्यक्रम में पिछले एक वर्ष की अवधि में देश के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा के दौरान शहीद हुए जवानों की सूची का वाचन किया जाता है।

धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ मनाया विजय दशमी पर्व

गायखुरी में निकला दशहरा चल समारोह, शुभम बोरीकर ने धारण किया महाराज जी का चोला

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित आस-पास गांव कोसमी, भरवेली, कनकी, समनापुर सहित अन्य स्थानों पर भी दशहरा पर्व धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर मुख्यालय की तर्ज पर ही पानीपत से लाए गए हनुमान जी के स्वरूप को साधक द्वारा धारण कर चल समारोह निकाला गया। प्रभु श्रीराम लक्ष्मण को दिव्य रथ में विराजित कर रावण का पुतला दहन करने भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसी कड़ी में शहरीय क्षेत्र के वार्ड नंबर 33 गायखुरी में 26 वां दशहरा पर्व धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया। गायखुरी में गत दो वर्ष पूर्व पानीपत से अष्टधातु से निर्मित हनुमान जी का स्वरूप लाया गया है। जिसे दशहरा चल समारोह में हनुमान साधक द्वारा धारण किया जाता है। शहर मुख्यालय की तर्ज पर ही दशहरा चल समारोह निकाला जा रहा है। इस वर्ष हनुमान जी का स्वरूप शुभम बोरीकर द्वारा धारण



किया गया। जिनके द्वारा कठिन साधना कर नवरात्रि प्रारंभ से आवास टोली वृद्धा आश्रम में रहकर दशहरा पर्व तक पूजा अर्चना व साधना की गई। आयोजन समिति मां वैनगंगा दशहरा उत्सव समिति, मां कुष्मांडा मंदिर गायखुरी के संयुक्त तत्वाधान में 20अक्टूबर की शाम वृद्धा आश्रम आवास टोली से भव्य शोभायात्रा निकाली गई।26 वें हनुमान जी महाराज का स्वरूप धारण करने वाले साधक शुभम बोरीकर द्वारा मां कुष्मांडा मंदिर आवासटोला गायखुरी में पहुंचकर मातारानी का आशीर्वाद लिया गया। तत्पश्चात् शोभायात्रा आवासटोला होते हुए गायखुरी चौक से पंवार गली हनुमान मंदिर पहुंची। जहां हनुमान जी की पूजा अर्चना कर शोभायात्रा लोधी मोहल्ला से होकर गायखुरी आम्बेडकर चौक, दुर्गा चौक से सेन चौक, पॉलीटेकनिक कॉलेज के सामने से होते हुये कुनबी भवन गली से वापस गायखुरी प्रमुख चौक से आवासटोली होते हुए रावणदहन स्थल आवासटोला वैनगंगा नदी तट पहुंची। जहां खड़े करीब 45 फीट ऊंचे रावण के पुतले के आस-पास हनुमान जी महाराज व प्रभु श्रीराम एवं लक्ष्मण ने परिक्रमा कर प्रभु श्रीराम ने अग्निबाण चलाकर लंकापति रावण के पुतले का दहन किया। इस दौरान भव्य रंग-बिरंगी आतिशबाजी की गई व कुछ ही क्षण रावण का पुतला धूं-धूं कर जल उठा। इस दौरान प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण व माता सीता दिव्य रथ में सवार होकर शोभायात्रा में शामिल रहे। शोभायात्रा में डीजे व धुमाल की धुनों पर बच्चे, युवा व महिलाएं जय वीर महावीर का जयघोष करते हुए भक्तिगीतों में नाचते झूमते हुए चल रहे थे। इस अवसर पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ मौजूद रही। वहीं दशहरा के दूसरे दिन 21 अक्टूबर की सुबह 10बजे वृद्धा आश्रम परिसर स्थित हनुमान मंदिर में हवन-पूजन कर प्रसाद वितरण किया गया।

बालाघाट
गुरुवार 22 अक्टूबर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सड़क पर तड़पता रहा युवक, नहीं पहुंची एंबुलेंस, मौके पर हुई मौत

अज्ञात कार चालक ठोस मारकर हुआ फरार,108' की बदहाल व्यवस्था पर फिर उठे सवाल, समय पर इलाज मिलता तो बच सकती थी जान ? ग्रामीणों का आरोप, एंबुलेंस के इंतजार में युवक की उखड़ी सांसे, आंदोलन की भी दी चेतावनी, जिला मुख्यालय से लगे ग्राम बड़ी कुम्हारी का मामला, जांच में जुटी पुलिस





पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। मौत सामने थी, जिंदगी बचाने के लिए मदद मांगी गई, एंबुलेंस को बार-बार फोन लगाया गया, लेकिन एम्बुलेंस पहुंचने के बजाय सिर्फ इंतजार मिलता रहा। सड़क पर घायल युवक दर्द से तड़पता रहा और आखिरकार उसकी सांसें थम गईं। मामला जिला मुख्यालय से महज 7 किमी दूर ग्राम पंचायत बडी कुम्हारी से समाने आया है।जहां बीती रात दुर्गा पंडाल समीप आयोजित कार्यक्रम देखने गए एक युवक की अज्ञात तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक का नाम छोटी कुम्हारी निवासी 24 वर्षी महेंद्र पिता ताराचंद बघेले बताया गया है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि युवक को ठोस करने के बाद चालक कार सहित मौके से फरार हो गया। इधर पर फोर व्हीलर ठोस से युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उपचार के लिए 108 एंबुलेंस को बार-बार फोन लगाया लेकिन एम्बुलेंस 2 घंटे बाद भी मौके पर नहीं पहुंची, आखिरकार स्थानिक ग्रामीणों द्वारा ट्रैक्टर से घायल युवक को रात्रि करीब 3 बजे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे अमृत घोषित कर दिया। बताया गया कि अस्पताल लाने के पूर्व ही युवक की समय पर उपचार ना मिलने से मौत हो चुकी थी।

नवदुर्गा का कार्यक्रम देखने गया था युवक, लौटते समय हुआ हादसे का शिकार

प्राप्त जानकारी के अनुसार छोटी कुम्हारी निवासी महेन्द्र उर्फ पप्पू पिता ताराचंद बघेले सोमवार की देर रात नवदुर्गा का कार्यक्रम देखने बडी कुम्हारी गया था। इसी दौरान बड़ी कुम्हारी के मोड़ पर किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में महेन्द्र गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर पड़ा रहा। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण उसे अस्पताल पहुंचाने के लिए सक्रिय हुए। ग्रामीणों के अनुसार, सबसे पहले एंबुलेंस को फोन किया गया, ताकि घायल को तत्काल उपचार मिल सके। लेकिन आरोप है कि काफी इंतजार के बाद भी एंबुलेंस घटनास्थल पर नहीं पहुंची।

एंबुलेंस का इंतजार, सड़क पर थम गई जिंदगी!

ग्रामीणों का कहना है कि घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की जरूरत थी, लेकिन एंबुलेंस के आने की उम्मीद में समय बीतता रहा। इसी बीच घायल महेन्द्र ने दम तोड़ दिया। देर रात करीब 3 बजे उसे जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ऐसे में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब युवक गंभीर रूप से घायल था, तब उसे समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस क्यों नहीं पहुंची ? क्या सूचना मिलने के बाद भी कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई या फिर सेवा में कहीं कोई ऐसी चूक हुई, जिसकी कीमत एक परिवार को अपने जवान बेटे की जान गंवाकर चुकानी पड़ी ?

महज 7 किमी दूर नही पहुच सकी एम्बुलेंस ?

बीती रात जिला मुख्यालय के समीप हुई इस घटना ने 108 एंबुलेंस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।सवाल यह है कि जिला मुख्यालय से महज 7-8 किलोमीटर दूर यदि आपातकालीन एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच सकती, तो दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की क्या स्थिति होगी ? छोटी कुम्हारी निवासी 26 वर्षीय महेन्द्र उर्फ पप्पू बघेले की मौत ने एक बार फिर आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि समय पर एंबुलेंस मिल जाती तो युवक की जान बच सकती थी। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश है और ग्रामीणों ने व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस अधिकारी भी नहीं दे सके जवाब

घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस घटनास्थल पहुंची। एएसआई भुनेश ठाकरे भी मौके पर पहुंचे, लेकिन एंबुलेंस क्यों नहीं पहुंची, इस संबंध में वे भी कोई ठोस जवाब नहीं दे सके। पुलिस के अनुसार मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। मंगलवार को परिजनों की मौजूदगी में शव पंचनामा कार्रवाई और पोस्टमार्टम के बाद शव उन्हें सौंप दिया गया।हालांकि, युवक की मौत के मामले में पुलिस जांच कर रही है, लेकिन एंबुलेंस की कथित अनुपलब्धता को लेकर अलग से जवाबदेही तय होना भी जरूरी है। आखिर सूचना किस समय मिली, कॉल किस एंबुलेंस सेवा को किया गया, संबंधित वाहन कहां था और वह घटनास्थल तक क्यों नहीं पहुंचा ?,इन सवालों के जवाब सामने आना बाकी हैं।

पहले भी उठ चुके हैं एंबुलेंस व्यवस्था पर सवाल

बालाघाट में एंबुलेंस की उपलब्धता और समय पर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था को लेकर पहले भी सवाल उठ चुके हैं। इससे पूर्व जिला अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद एक मरीज को एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण कथित तौर पर सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक इंतजार करना पड़ा था। अंततः परिजनों को निजी एंबुलेंस की व्यवस्था करनी पड़ी थी। उस मामले में भी सरकारी एंबुलेंस सेवा की उपलब्धता और जरूरतमंदों को समय पर सुविधा मिलने पर सवाल खड़े हुए थे।अब छोटी कुम्हारी के महेन्द्र बघेले की मौत के बाद एक बार फिर वही सवाल सामने है—क्या आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा केवल फोन लगाने तक सीमित रह गई है ? यदि पहले की घटनाओं से सबक लेकर व्यवस्था में सुधार किया गया होता, तो क्या इस बार स्थिति अलग हो सकती थी ? इन सवालों का जवाब संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों को देना चाहिए।

घटना पर ग्रामीणों ने जताया आक्रोश, आंदोलन की दी चेतावनी

उक्त घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है, जिन्होंने इस घटना को लेकर तरह-तरह के सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीण स्पष्ट कर दिया कि यदि समय पर एंबुलेंस मिल जाती तो युवक को समय पर उपचार मिल जाता और उसकी मौत नहीं होती।लेकिन 108 के कर्मचारियों की उदासीनता के चलते युवक की मौत हुई है इस मामले मे यदि समय रहते जवाबदेही तय नहीं हुई और व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो यह मामला बड़े विरोध का रूप ले सकता है।ग्रामीणों के अनुसार सड़क पर घायल युवक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा था, मदद के लिए फोन भी किया गया—फिर एंबुलेंस आखिर पहुंची क्यों नहीं ? क्या इस सवाल का जवाब महेन्द्र के परिवार को मिलेगा, या यह मामला भी जांच और आश्वासन के बीच दबकर रह जाएगा ? यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

जो समय पर ना मिले ऐसी सेवा का क्या औचित्य-सहजलाल उपवंशी

अवन्तिबाई लोधी महासभा जिला अध्यक्ष सहजलाल उपवंशी ने बताया कि सरकार यदि एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सुविधा उपलब्ध कराती है, तो उसका लाभ जरूरत के समय मिलना भी सुनिश्चित होना चाहिए। केवल व्यवस्था का प्रचार करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि संकट की घड़ी में सेवा का जमीन पर उपलब्ध होना जरूरी है हमारी मांग है कि एंबुलेंस के नहीं पहुंचने की निष्पक्ष जांच कराई जाए, संबंधित कर्मचारियों की भूमिका स्पष्ट की जाए और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।क्यो की जो सेवा समय पर ना मिले ,ऐसी सेवा का क्या औचित्य है।हम इस मामले को लेकर आगे तक जाएंगे।सम्बंधित 108 चालक कर्मचारी के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करेंगे।

व्यवस्था में नही हुआ सुधार तो करेंगे आंदोलन-मस्तराम डहारे

क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि मस्तराम डहारे ने बताया कि घटना के बाद एंबुलेंस और डायल 112 को सूचना दी गई थी। उनके अनुसार डायल 112 मौके पर पहुंच गई, लेकिन एंबुलेंस नहीं आई। उपवंशी का कहना है कि यदि एंबुलेंस चालक समय पर बता देता कि वह नहीं आ पाएगा, तो ग्रामीण किसी दूसरे साधन से घायल को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था कर सकते थे। संभव है कि समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बच जाती।उन्होंने कहा कि सरकार जनता को आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्था करती है, लेकिन जरूरत के समय यदि वही सुविधा काम नहीं आए तो उसका क्या औचित्य है ? ग्रामीणों ने इस घटना पर नाराजगी जताते हुए व्यवस्था में सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जिम्मेदारों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया, तो आंदोलन किया जाएगा।

मार्शल की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार अतिथि शिक्षक सहित दो घायल





पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के गोंदिया रोड स्थित सालेटेका चौक पर तेज रफ्तार मार्शल वाहन ने पीछे से मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार अतिथि शिक्षक सहित दो लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मार्शल वाहन चालक मौके से फरार हो गया। दोनों घायल तीजलाल पिता दशाराम खरे 37 वर्ष भोजराज पिता महारा खरे 42 वर्ष ग्राम पाला थाना किरनापुर निवासी है. दोनों को डायल 112 की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पाला निवासी तीजलाल खरे ग्राम सारद के प्राथमिक विद्यालय में अतिथि शिक्षक के पद पर पदस्थ हैं। वहीं उनके साथी भोजराज खरे खेती-किसानी करते हैं।बताया गया है कि 20 अक्टूबर की सुबह तीजलाल खरे और भोजराज खरे एक मोटरसाइकिल से अपने दो अन्य साथियों के साथ ग्राम पिंडरई में लड़की देखने गए थे। दोनों साथी दूसरी मोटरसाइकिल से उनके साथ थे।ग्राम पिंडरई में लड़की देखने के बाद चारों लोग दो मोटरसाईकिल से अपने गांव पाला लौट रहे थे।इसी दौरान पिंडरई से रजेगांव की ओर जाते समय सालेटेका चौक के पास पीछे से तेज रफ्तार में आ रही मार्शल कार ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों तीजलाल खरे और भोजराज खरे सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद मार्शल चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया। फिलहाल दोनों का अस्पताल में इलाज जारी है।

भैंस चराने गए ग्रामीण पर भालू का हमला, दोनों पैरों में आई चोट

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम दुल्हापुर के जंगल में भैंस चराने गए एक ग्रामीण पर मादा भालू ने हमला कर दिया। हमले में ग्राम दुल्हापुर निवासी श्रीप्रसाद पिता हरिश्चंद्र ठाकरे 44 वर्ष घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीप्रसाद ठाकरे अपने परिवार के साथ खेती-मजदूरी करते हैं। इसके साथ ही वे अपने घर की भैंस भी चराने जाते हैं। 20 अक्टूबर की सुबह करीब 8 बजे वे भैंस चराने के लिए जंगल गए थे। इसी दौरान एक मादा भालू अपने दो शावकों के साथ अचानक उनके सामने आ गई और उन पर हमला कर दिया।भालू ने श्रीप्रसाद के दाहिने पैर में ऐड़ी के ऊपर जबड़े से पकड़ लिया। उन्होंने दूसरे पैर से वार कर भालू को भगाने का प्रयास किया लेकिन भालू ने दोबारा हमला करते हुए उनके बाएं पैर को भी जबड़े में पकड़ लिया। श्रीप्रसाद ने काफी मशक्कत के बाद भालू को भगाया और अपनी जान बचाई।हमले में घायल श्रीप्रसाद ने फोन कर अपने साथी को बुलाया। इसके बाद वे साथी के साथ मोटरसाइकिल से घर पहुंचे। वहां से उन्हें कटंगी अस्पताल लाकर भर्ती किया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। फिलहाल जिला अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

भरवेली में चाकूबाजी
युवक घायल दुर्गा विसर्जन से लौटते समय हुई घटना

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। भरवेली स्थित एसबीआई बैंक के सामने मंगलवार की देर रात चाकूबाजी की घटना में एक युवक घायल हो गया। घायल युवक उमेश पिता समारू लाल मड़ावी 30 वार्ड नंबर 1 भरवेली निवासी है। जिसका उपचार जिला अस्पताल बालाघाट में कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उमेश मड़ावी मायल भरवेली में काम करते हैं। 20 अक्टूबर की रात करीब 12:30 बजे दुर्गा विसर्जन के बाद वह घर लौट रहे थे। इसी दौरान भरवेली स्थित एसबीआई बैंक के सामने काफी भीड़ लगी हुई थी। उमेश भीड़ को हटाने का प्रयास कर रहे थे.तभी बघोली निवासी दो-तीन युवकों ने उन पर अचानक हमला कर दिया।बताया गया है कि उमेश उक्त युवकों को नाम से नहीं जानते थे लेकिन चेहरे से पहचानते थे। आरोप है कि युवकों ने उनके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की और चाकू से वार कर दिया। चाकू का वार उमेश की बाईं ओर पसली के पास लगा जिससे वह घायल हो गए और खून निकलने लगा। मौके पर मौजूद दोस्तों ने बीच-बचाव किया।घटना के बाद मौके पर मौजूद भरवेली थाना प्रभारी ने घायल उमेश को जिला अस्पताल बालाघाट ले जाने की सलाह दी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने उमेश का बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई के लिए मामला भरवेली थाना पुलिस को भेज दिया है।







स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट